ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • वैशाख कृष्ण पक्ष 09 • विक्रम संवत 2080 • शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023 • वर्ष-29 • अंक-178 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

अपकमिंग शो 'श्रवणी' में नकारात्मक भूमिका... पेज 12 पर

NEWS इन ब्रीफ

शाह से मिले बिहार के पूर्व सीएम दशरथ मांझी

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा तथा माउंटेन मैन दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने बताया कि दशरथ मांझी, जननायक कर्पूरी ठाकुर और आजाद भारत में बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण को भारत रत्न देने की भी मांग की। दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी दलों के एकजुट करने की कवायद के बीच मांझी का दिल्ली जाकर गृह मंत्री शाह से मिलने की सूचना के बाद प्रदेश की सियासत में कई तरह के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि, मांझी ने गृहमंत्री से मुलाकात के बाद इन कयासों पर विराम लगाते हुए कहा कि वे नीतीश कुमार के साथ हैं, वह जहां रहेंगे, उसी के साथ मैं भी रहूंगा।

देवघर में निर्माणाधीन एम्स में लगी भीषण आग

देवघर। जिले में निर्माणाधीन एम्स में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल में मौजूद सभी लोग जान बचाकर बाहर निकल आए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि देवघर एम्स की मुख्य बिल्डिंग के पोर्टिको के बाद वाले भाग में आग लगने की सूचना मिली। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई भी जानमाल की क्षति नहीं हुई। शुरूआती जांच में पाया गया कि आग वेल्डिंग के दौरान वेस्ट मैटेरियल में लगी थी, जिसे पूर्ण रूप से फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया गया।

रमजान

उर्दू कैलेंडर के मुताबिक रोजा का समय 14 अप्रैल को संध्या 6:15 और सेहरी का समय 15 अप्रैल को सुबह 4:17 मिनट में

गर्मी की दस्तक से पलामू में बिजली की डिमांड बढ़ी

अमर नाथ सोनी

मेदिनीनगर। पलामू जिले का तापमान धीरे धीरे बढ़ने लगा है।इस बार मौसम विभाग ने भी अधिक गर्मी होने की सम्भवना व्यक्त की है।पलामू देश के सबसे अधिक गर्म इलाकों में शामिल है। इन सब के बीच पलामू प्रमंडल में खपत के अनुसार बिजली आधी मिल रही है। पलामू के कई इलाकों को 8 से 10 घंटे तक लोड शेडिंग किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी आ रही है। बिजली नहीं रहने के कारण कई इलाके में पानी की सप्लाई भी बाधित हुई ।

जिले में खपत के अनुसार नहीं मिल रही बिजली : पलामू और गढ़वा की अपेक्षा लातेहार को बिजली खपत के अनुसार मिल रही है। पलामू जिला में अकेले 55 मेगावाट के करीब बिजली की खपत है, लेकिन पलामू को फिलहाल 30 से 40 मेगावाट ही बिजली मिल पा रही है। गढ़वा जिला में 30 मेगावाट के करीब बिजली की खपत है, लेकिन 20 मेगावाट की करीब बिजली मिल रही है। इसको लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

बिजली की सप्लाई हुई है कम : पलामू में गर्मी के दस्तक देते ही बिजली की समस्या शुरू हुई है। बिजली की समस्या पर अधिकारी कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। उनका साफ तौर पर कहना है कि बोर्ड से ही सप्लाई की कमी है। मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद कई इलाकों में लोडशेडिंग किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पलामू के ग्रामीण इलाकों में अधिक

लोडशेडिंग रखी जा रही है। वहीं, आवश्यकता अनुसार बिजली की उपलब्धतता नहीं हो पा रही है। वहीं, राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भी समय-समय पर लोड शेडिंग की जा रही है। हालांकि झारखण्ड बिजली वितरण निगम की मानें तो इसके लिये पहले से निर्देश जारी कर दिया गया है। जिसमें कहा गया है, कि बिजली की आपूर्ति सामान्य बनाए रखना है। वहीं, बगैर निर्देश के लोड शेडिंग नहीं की जाये।

राज्य में 2600 मेगावाट तक बढ़ी मांग : स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मानें तो राज्य में 2600 मेगावाट बिजली की मांग है। हालांकि दिन के समय ये मांग 2000 से 2200 मेगावाट रहती है। वहीं, बिजली की उपलब्धता 2300 मेगावाट तक है। ऐसे में तीन सौ मेगावाट तक की बिजली की कमी है। वहीं, पीक ऑवर के समय एनर्जी एक्सचेंज से 100 मेगावाट अतिरिक्त बिजली ली जा रही है। राज्य के अपने स्त्रोतों से भी बिजली उत्पादन हो रहा है। जिसके बाद भी राज्य के कुछ हिस्सों में लोड शेडिंग की जा रही है। जानकारी हो कि राज्य में टीटीपीएस से लगभग 250 मेगावाट बिजली, सिकिदरी हाईडल पावर प्लांट से 110 मेगावाट, इंलैंड पावर से लगभग 60 मेगावाट उत्पादन किया जाता है। वहीं, सेंट्रल पुल से लगभग 750 मेगावाट बिजली दी जाती है। एनर्जी एक्सचेंज प्रति दिन 100 यूनिट खरीदता है। वहीं, राज्य के सात जिलों में डीवीसी की ओर से बिजली आपूर्ति की जाती है।

ग्रामीण इलाकों में सकंट अधिक : पलामू सहित राज्य के ग्रामीण इलाकों में बिजली का संकट अधिक है। जहां, चार से पांच घंटे बिजली कटौती की जा रही है। हालांकि शहरी इलाकों मे बिजली संकट कम है। झारखण्ड बिजली वितरण निगम की मानें तो राज्य में बढ़ती गरमी के साथ बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। हालांकि बिजली वितरण निगम की ओर से उपभोक्ताओं को बिजली बचत के लिये भी जागरूक किया जा रहा है।

झारखंड के सात जिलों में पारा 40 के पार

रांची। झारखंड के सात जिलों में अधिकतम तापमान 40 तक पहुंच गया है। अभी गर्मी और बढ़ेगी। पारा और चढ़ेगा। कई जिलों में तापमान अभी और बढ़ने की संभावना है। धीरे-धीरे राज्य के कई हिस्सों में लू और गर्म हवाएं तेज होने लगी है। अब लोगों के लिए दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल होने लगेगा। कई जिलों में लू चलनी शुरू हो गयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल महीने में गर्मी बढ़ने के आसार हैं। रांची के तापमान में भी लगातार बढ़त दर्ज की जा रही है। अगले पांच दिनों में राज्य का तापमान 42.0 के पार जा सकता है। इसी तापमान में बढ़त होगी, लेकिन दस दिनों तक तापमान नीचे आने की संभावना जाहिर नहीं की गयी है। जाहिर है आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी। अभी राहत नहीं मिलेगी। हालांकि, बीच में बादल घिर आने की आशंका है लेकिन बारिश की संभावना जाहिर नहीं की गयी है। मौसम विभाग के अनुसार अभी किसी भी तरह की राहत की संभावना नहीं है।

माओवादी बंद, पुलिस अलर्ट

नक्सलियों ने की दक्षिणी बिहार व पश्चिमी झारखंड बंद की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के 14 और 15 अप्रैल को दक्षिणी बिहार और पश्चिमी झारखंड बंद का ऐलान को लेकर खुफिया विभाग ने अलर्ट जारी किया है। नक्सलियों ने चेतावनी भी दी गई है कि बंद न रखने वाले को जन अदालत लगाकर सजा दी जाएगी। हालांकि, नक्सलियों ने बंद के दौरान आवश्यक चीजें प्रेस, दूध और एंबुलेंस को मुक्त रखा है। दरअसल, बीते दिनों झारखंड के चतरा जिले के लावालौंग थाना

स्थित ग्रहे जंगल में हुई एक मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने के विरोध में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन ने दो दिन का बंद का आह्वान किया है। इस बंद को देखते हुए खुफिया विभाग ने अलर्ट जारी किया है।इस संबंध में झारखंड और बिहार पुलिस के अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। पत्र में बताया गया है कि झारखंड राज्य के सीमावर्ती जिले विशेषकर गया, औरंगाबाद, नवादा, जमुई, बांका मुख्य रूप से भाकपा माओवादी संगठन की गतिविधियों से प्रभावित है। इसके अलावा लखीसराय और मुंगेर में माओवादी कि सक्रियता है। उग्रवादियों के गतिविधियों के कारण क्यूल-जमालपुर, क्यूल-जसीडीह, गैंड कोर्ड लाइन तथा जीटी रोड का क्षेत्र संवेदनशील बना हुआ है। उग्रवादियों द्वारा प्रतिशोध स्वरुप अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में पुलिस, अर्धसैनिक बलों, थाना, ओपी, पिकेट, बैस कैम्प, चौकीदार, पुलिस मुखबिर, मोबाइल टावर, रेलवे ट्रैक, रेलवे स्टेशन, सरकारी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

माओवादियों ने किया विस्फोट, दो आईईडी बरामद

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सलियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के दौरान गुरुवार को सुरक्षाबलों को लक्षित कर माओवादियों ने एक आईईडी विस्फोट किया। इस आईईडी विस्फोट से सुरक्षाबलों को कोई नुकसान तो नहीं हुआ, परंतु एक पशु की जान चली गई। इस बीच विस्फोट वाले स्थान गोइलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबुरु जंगल में सर्च अभियान के दौरान सुरक्षाबलों को पांच 5-5 किलो के दो आईईडी मिले हैं जिन्हें सुरक्षाबलों के बम निरोधक दस्ते के द्वारा जंगल में ही विनष्ट कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि माओवादियों के शीर्ष नेताओं के भ्रमणशील होने की सूचना पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

71 हजार युवाओं को पीएम मोदी ने बांटे नियुक्ति पत्र

रोजगार मेले में बोले पीएम- बीजेपी शासित राज्यों में सरकारी नौकरी देने का सिलसिला तेजी से चल रहा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (13 अप्रैल) को मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय रोजगार मेले का आगाज किया। इसके तहत देश के 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए। पीएम मोदी इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए और युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। रोजगार मेले के तहत प्रधानमंत्री ने सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए 71 हजार नए लोगों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नियुक्ति पत्र बांटे। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय रोजगार मेले में कहाः केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 70,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है, आप सभी को बधाई। एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों में सरकारी नौकरी देने का सिलसिला तेज गति से चल रहा है। मध्य प्रदेश में कल ही 22,000 से अधिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहाः आज 70 हजार से ज्यादा युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी मिली है। आप सभी युवाओं ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

जमीन घोटाले में ईडी का छापा

आईएएस छवि रंजन समेत कई सरकारी कर्मियों व माफियाओं के यहां ईडी की दबिश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में सेना की जमीन के साथ जमीन घोटाले से जुड़े केस में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी व आईएएस छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के सीओ मनोज कुमार समेत अलग-अलग अंचल के राजस्व कर्मचारियों और जमीन माफियाओं के ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ईडी को भारी पैमाने पर जमीन के डीड, रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेज, कई सरकारी कागजात मिले हैं। कोलकाता से जमीन के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रांची में अरबों की जमीन की खरीद बिक्री में गड़बड़ी और उससे मनी लाउंड्रिंग के साक्ष्य ईडी को मिले हैं। गुरुवार की सुबह 6.30 बजे ईडी ने एक साथ रांची, सिमडेगा, हजारीबाग, बिहार के गोपालगंज, बंगाल के आसनसोल और कोलकाता में छापेमारी की। ईडी ने सेना की जमीन खरीद में गड़बड़ी, चेशायर रोड होम स्थित जमीन की खरीद में गड़बड़ी में दर्ज सदर थाना के केस के आधार पर ईसीआईआर दर्ज किया था। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

किस किस के ठिकानें पर छापा

- छवि रंजन, रांची के पूर्व डीसी के राजभवन के समीप स्थित सरकारी आवास, कांके के ओयना में 4 सी, दामोदर जेमिनी सोसायटी, जमशेदपुर के कदमा स्थित फ्लैट नंबर 1, एसबी लोंगिया अपार्टमेंट।
- मनोज कुमार, सीओ बड़गाईं, रामेश्वररम लेन, आर्ची अपार्टमेंट, सी-1 मोरहाबादी।
- भानु प्रताप प्रसाद, राजस्वकर्मी बड़गाईं अंचल, रोड नंबर 7 हिलव्यू रोड, बरियातू व झूलन सिंह चौक, सिमडेगा आवास।
- अशोक सिंह, राजस्वकर्मी नामकुम, श्रीरामप्रीत, हटिया आवास।
- दीपक कुमार, अशोक सिंह का रिश्तेदार, फ्लैट नंबर 302, शकुंतला अपार्टमेंट, बोस्को नगर हेसाग, रांची।
- तलहा खान उर्फ सनी, नीयर राहत नर्सिंग होम, बरियातू।
- बीरेंद्र साहू, तीसरा तल्ला, एनजी गार्डेन। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुख्यमंत्री ने की कृषि व वनोपज पर्षद की बैठक

ग्रामीणों को उत्पादों का उचित मूल्य उपलब्ध कराएं : सीएम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में वनोपज आधारित उत्पादों का वैल्यू एडिशन कर जीविका का महत्वपूर्ण स्त्रोत बनाया जा सकता है। ग्रामीणों को उनके द्वारा उत्पादित एवं संग्रहित उत्पादों का उचित मूल्य उपलब्ध कराने पर बल दें। सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड राज्य में कृषि एवं वनोपज जैसे धान, गेहूं, सब्जी, फल, इमली, सरगुजा, चिरौंजी, साल, आंवला, लाह, महुआ, करंज, रेशम सहित अन्य का उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण तथा क्रय-विक्रय हेतु मार्केटिंग की कारगर व्यवस्था तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी तथा वन क्षेत्र की भूमि पर कौन से वनोपज का कितना वृक्ष है तथा उन वृक्षों के उत्पादों का उपयोग किस समूह द्वारा किया जा रहा है, इसका डेटाबेस तैयार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुख्यमंत्री ने की जीआरडीए की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीआरडीए) के निदेशक पर्षद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से जीआरडीए अंतर्गत एचईसी क्षेत्र में 45 एकड़ भूमि पर विधायकों के लिए बनाए जाने वाले आवास निर्माण से संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। बैठक में जानकारी दी गई कि विधायकों के लिए 70 आवास बनाया जाना प्रस्तावित है। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रेटर रांची डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीआरडीए) विधायकों के लिए बनाए जाने वाले आवासों में मास्टर प्लान के तहत सीवरेज ड्रेनेज, सड़क एवं पार्क निर्माण इत्यादि सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से करें ताकि ससमय आवास निर्माण कार्य को पूरा किया जा ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सवाल विरोधी दल साबित करें कि योगी सरकार ने कैसे जाति-धर्म देखकर अपराधियों का एनकाउंटर किया है?

राजनीति बता, तू और कितना गिरेगी...!

मनोज तोमर
(वरिष्ठ पत्रकार)

'राजनीति के संत' ने संविधान के मंदिर 'विधानसभा' में संकल्प लिया कि अपराधियों को मिट्टी में मिला देंगे। उन्होंने जो कहा, कर दिखाया। सिर्फ यूपी ही नहीं, देश और यहां तक कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने भी अपराधियों का बुरा हश्र देखकर राहत की सांस ली है। लेकिन, असदुद्दीन ओवैसी सहित तमाम विपक्षी दलों ने असद और गुलाम के एनकाउंटर पर सवाल उठा दिये हैं। तर्क यह कि एनकाउंटर फर्जी है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता तो एनकाउंटरों में मारे गये अपराधियों की जाति और धर्म तक गिना रहे हैं। इस तर्क के पीछे कानून का सहारा लिया जा रहा है। हकीकत यह है कि कानूनी दांव-पेचों का सहारा लेकर ही तो अपराधी अपने साम्राज्य को स्थापित करते रहे हैं। एनकाउंटर का विरोध करने वाले क्या यह बताएंगे कि नब्बे के दशक से अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले अतीक अहमद को 32 वर्ष में क्या वो सजा दिला पाये ? जबकि, इन सारे दलों ने इस दौरान यूपी में राज किया। माफिया/अपराधियों के पास ताकत होती है, पैसा होता है, हथियार होते हैं। वो इन सबका इस्तेमाल अपराध के बाद खुद को बचाने में करते हैं। दूसरी तरफ, पीड़ित पक्ष मानसिक रूप से टूटा हुआ होता है। उसके पास पैसा, ताकत, हथियार कुछ भी नहीं होता। कानूनी लड़ाई की लंबी प्रक्रिया पीड़ितों को तोड़कर रख देती है। ऐसे में ज्यादातर पीड़ित लोग खुद को अपनी किस्मत के सहारे छोड़कर ठंडे पड़ जाते हैं और न्याय गहरी नींद सो जाता है। इस देश में लाखो-करोड़ों ऐसे उदाहरण होंगे जो यह बताते हैं कि 25-30 सालों की लड़ाई के बाद भी लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। एनकाउंटरों का विरोध करने वाले दलों ने कभी अपराधियों से पीड़ित जनता की इस बदहाली/लाचारी पर सवाल उठाये हैं? कोई आंदोलन खड़ा किया है? जवाब है नहीं।

तो क्या यह माना जाए कि सरकार का विरोध करना है, सिर्फ इसलिए विरोध किया जाएगा? अपने-अपने वोट बैंक को संदेश देने के लिए सरकार के अच्छे कार्यों का भी विरोध किया जाएगा? विरोधी दलों के सामने चुनौती है कि यदि उनके आरोपों में दम है तो वो ये साबित करें कि योगी सरकार ने कैसे जाति अथवा धर्म देखकर अपराधियों का एनकाउंटर किया है? यदि ये दल ऐसा नहीं करते तो आने वाले समय में जनता इनको करारा जवाब जरूर देगी। सरकार और पुलिस की कार्रवाई का विरोध करने वालों को अतीक अहमद और उसके परिवार की चिंता है मगर उमेश पाल और उन दो वीर पुलिस के जवानों के परिवारों की चिंता नहीं है जिन्हें अकारण ही अपनी जान गंवानी पड़ी। सरकार के विरोधी दल बताएंगे कि क्या यही न्याय है? जनता आज सवाल पूछ रही है कि अपराधियों के प्रति राजनीतिक दलों में सहानुभूति क्यों? क्या माफिया/अपराधी कानून को मानते हैं? अपराधियों का कैसा मानवाधिकार? न्याय उमेश पाल के परिजनों को मिलना चाहिए या अतीक और उसके परिजनों को? यूपी के मुखिया आज जिस तरह सूबे को अपराधमुक्त करने में लगे हैं, ऐसा इतिहास में कभी नहीं देखा गया। सीएम योगी के इस मॉडल की चर्चा और मांग सिर्फ भारत के दूसरे राज्यों में ही नहीं बल्कि विदेशों तक में हो रही है। ऐसे में यूपी की 25 करोड़ जनता का फर्ज बनता है कि यदि वह अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखना चाहती है तो पुलिस और सरकार के साथ खड़ी हो और उनका हौसला बढ़ाये। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तो ऐसा बहुत ही जरूरी है। नीचे गिरती राजनीति को अब जनता ही जागरुक होकर बचा सकती है।

मिट्टी में मिले असद-गुलाम

झांसी में अतीक अहमद का बेटा व एक शूटर ढेर

घटनास्थल से विदेशी हथियार बरामद

दोनों के ऊपर था पांच-पांच लाख का इनाम

नवीन मेल नेटवर्क। झांसी

माफिया अतीक अहमद का बेटा असद अहमद और शूटर गुलाम (दोनों पांच-पांच लाख के इनामी) गुरुवार को दोपहर पौने एक बजे यहां हुई मुठभेड़ में मारे गए। यह मुठभेड़ तब हुआ, जब यूपी एसटीएफ ने मोबाइल पर चैटिंग के दौरान उन दोनों को बाइक पर जाते देखा। एसटीएफ ने जब उन्हें ललकारा तो असद और गुलाम ने उन पर ताबड़तोड़ फायर ओपन कर दिया। जवाब में एसटीएफ ने भी फायर ओपन किया और कोई 90 सेकेंड के इस एनकाऊंटर में असद और गुलाम मार गिराए गए। असद के दाहिने हाथ में ब्रटिश रिवॉल्वर ब्रिटिश बुलडॉग 455 बैरल था।

उधर, प्रयागराज में एक अदालत ने अतीक अहमद को 7 जबकि उसके भाई अशरफ अहमद को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजने का हुक्म सुनाया। कोर्ट में पेशी के वक्त जब अतीक को पता चला कि उसका बेटा असद और शूटर गुलाम मुठभेड़ में मारे गए हैं तब वह वहीं दहाड़े मार-मार कर रोने लगा। बाद में जब उसे जेल लाया जा रहा था तब उसने मीडिया से कहा कि उसके बेटे की जान उसकी ही वजह से गई। उसने अपने वकीलों से कहा है कि जब भी असद की मिट्टी (दफनाने की रस्म) हो, वह उसमें शामिल होना चाहता है। इस बीच, यूपी एसटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक अमिताभ यश ने कहा है कि बीते 45 दिनों से पूरी एसटीएफ इन्हें खोज रही थी। इनके पास समर्पण करने का पूरा मौका था। इन्होंने समर्पण नहीं कर एसटीएफ पर फायरिंग की जिसके जवाब में एसटीएफ ने दोनों को मार गिराया। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कर दिया गया है। उधर, यह भी खबर आई है कि अतीक अहमद उन हथियारों को खरीदता था, जो पाकिस्तान अपने ड्रोन से पंजाब के इलाकों में गिराता था। यह जानकारी एसटीएफ ने रिमांड में लेने के लिए पेश अपने आवेदन में दी है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह और ओपी सिंह ने मुठभेड़ को सर्वथा उचित बताया है, तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और एआईएमआईएम के सदर असददुद्दीन ओवैसी ने इस मुठभेड़ पर सवाल खड़े किये हैं।

NEWS इन ब्रीफ

डॉ भीम राव अम्बेडकर की जयंती पर शोभा यात्रा आज

विश्रामपुर। संविधान निमार्ता डॉ भीम राव अम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल दिन शुक्रवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। जिसकी सारी तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी देते हुए विश्रामपुर के जिला पार्षद विजय रविदास ने बताया कि तुकबेरा से शुरू होने वाली शोभा यात्रा कई गांवों और चौक चौराहों से गुजरते हुए बी मोड़ पहुंचेगी। इस दौरान शोभा यात्रा लगभग 25 किमी दूरी तय करेगी। श्री रविदास ने पलामू जिला के सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं, समाज के वरिष्ठ नागरिकों,समाजसेवियों सहित सभी लोगों से शोभा यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया है।

हाईस्कूल परीक्षा केन्द्र में 511 परीक्षार्थी शामिल

हुसैनाबाद। जैक संचालित आठवीं बोर्ड की परीक्षा संपन्न कराने को लेकर हैदरनगर हाईस्कूल में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। प्राचार्या सह केन्द्राधीक्षक गंगा अग्रवाल ने केंद्र के सभी कमरों के निरीक्षण के बाद बताया कि इस परीक्षा केन्द्र के लिये जपला सहित आसपास के विभिन्न विद्यालयों से कुल 515 परीक्षार्थी नामित किये गये हैं। जिसमें चार परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक दिशा निर्देश के तहत सभी परीक्षार्थीयों को उनके बैग, पॉकेट की जांच उपरांत ही मुख्य गेट से केन्द्र में प्रवेश दिलाया गया है। जो परीक्षार्थी अपने साथ मोबाइल लाये थे। उनके मोबाइल परीक्षा हॉल में ले जाने की मनाही पर कार्यालय कक्ष में सुरक्षित रखने के बाद परीक्षा समाप्ति उपरांत उन्हें वापस कर दिया गया है। शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने में प्रतिनियुक्त सचिदानंद सिंह, लालमोहर राम सहित सभी शिक्षकों का विशेष योगदान रहा है।

पत्नी की हत्या, आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के नौगढ़ा गांव निवासी झारखंड पुलिस के जवान नीलकमल सिंह को पत्नी के हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यहां बताते चलें कि नौगाढ़ा गांव के नीलकमल सिंह की पत्नी प्रीति सिंह का शव बुधवार को घर में फंदे से झूलता हुआ मिला था। नीलकमल सिंह और उसके परिवार इसे आत्महत्या बता रहे थे। जबकि मृतक के पिता और भाई इसे हत्या बता रहे थे। मृतक प्रीति सिंह के पिता अर्जुन प्रसाद सिंह ने बिश्रामपुर थाना में छः लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मामला दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने नीलकमल सिंह को आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिश्रामपुर थाना प्रभारी शशि रंजन ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। बाकी नामजद आरोपियों के गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है।

सचिवालय घेराव को लेकर हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पांकी विधायक शशि भूषण मेहता ने नीलाम्बर पीताम्बरपुर स्थित मौर्या फार्म हाउस में, सचिवालय घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पंचायत प्रभारीयों को कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिये धन्यवाद स्वरूप सभी को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। साथ में पलामू के भाजपा जिलाध्यक्ष विजयानंद पाठक ने सभी को सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित पलामू के जिलाध्यक्ष विजय आनंद पाठक, पांकी विधानसभा के भाजपा

जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, अधिवक्ता लाला प्रसाद यादव , तरहसी प्रखंड के भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत प्रसाद गुप्ता, मनातू मंडल अध्यक्ष सत्येंद्र यादव, नीलाम्बर-पीताम्बरपुर प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी , प्रसिद्ध सिंह, मनातू विधायक प्रतिनिधि उदेश यादव, मनातू सांसद प्रतिनिधि बिगू साव, रंजय ठाकुर, रोशन सिंह, साधू मांझी, संजय चंद्रवंशी, चंदन सोनी, राजदेव मेहता, सतबरवा विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह, अनिल मेहता, अजय उरांव, अशोक यादव, सुधीर तिवारी, देवराज कुमार साव, दिलीप मेहता, शैलेंद्र सिंह, बाबूलाल सिंह, विनोद राम, गोपाल यादव, धर्मेन्द्र मेहता, समाजसेवी विरेंद्र मेहता, अमारिक भुइयां, जितेंद्र मेहता, प्रभास मेहता, रविरंजन मेहता सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिजली विभाग ने चलाया छापेमारी अभियान

बिजली अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज, सात लोगों पर 186096 रू बिजली बिल का बकाया

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र में विद्युत अवर प्रमंडल जपला के अभियंताओं ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया। सात लोगों को बिजली का अवैध उपयोग करते पाया गया। बकाया व वैध कनेक्शन नहीं रहने के बावजूद बिजली का उपयोग करने वाले सात लोगों के खिलाफ मोहम्मदगंज थाना में बिजली अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सभी सात लोगों पर बिजली बिल का बकाया 186096 रुपए हैं। साथ ही 46 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, उनमें

मोहम्मदगंज के स्टेशन रोड निवासी नंदू राम, सिंचाई कालोनी के कामेश्वर सिंह, भजनीय के अनिल ठाकुर, बरवाडीह के संजय पासवान, बड़डंडा के कुतबुद्दीन शाह, बटौआ के गुलाबुद्दीन अंसारी व मुस्तकिम अंसारी शामिल हैं। उन्हे बिजली बिल बकाया के साथ साथ जुर्माना भी देना पड़ेगा। छह पर 6-6 हजार रुपए व संजय पासवान पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इस आशय की जानकारी अवर विद्युत प्रमंडल जपला के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने दी। इस अभियान में कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह के अलावा सहायक अभियंता संजय कुमार, मानव दिवसकर्मी जितेंद्र ठाकुर, ललितेश्वर मेहता व रंजय कुमार शामिल थे। कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आगे भी छापेमारी का कार्य जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पांच हजार रुपए से अधिक बकाएदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बकायेदारों को बिल का भुगतान करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के पास बिजली बिल का बकाया है, वह वन टाइम सेटलमेंट योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक मुश्त या पांच किस्तों में भी अपने बकाये का भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह सुविधा सीमित समय के लिए है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य दिवस में जपला स्थित कार्यालय में पहुंच कर इसका लाभ लिया जा सकता है। छापेमारी के दौरान सहायक अभियंता संजय कुमार शहरी व ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं से सरकार द्वारा घोषित 100 यूनिट मुफ्त बिजली मिलने और मंथली बिजली बिल विपत्र उपभोक्ताओ को मिलने से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त किये। उपभोक्ताओं के जवाब से सहायक अभियंता संजय कुमार संतुष्ट नजर आये।

भाजपा नेता ने झारखंड के डीजीपी से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने झारखंड के डीजीपी अजय कुमार से गुरुवार को औपचारिक मुलाकात की। श्री चंद्रवंशी ने डीजीपी को गुलदस्ता भेंट किया। रांची प्रवास के दौरान डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक ख्यालीराम,क्षेत्रीय संगठन मंत्री आलोक कुमार तिवारी, प्रदेश सह संयोजक विद्या भारती सहित कई प्रादेशिक भाजपा नेताओं से भी मुलाकात की। इस दौरान श्री चंद्रवंशी ने विश्रामपुर विधान सभा सहित पलामू जिला में संगठन की मजबूती और विस्तार पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने सभी लोगों को विश्रामपुर आने का निमंत्रण भी दिया। मौके पर वरीय भाजपा नेता रवींद्र नाथ उपाध्याय, जवाहर पासवान,असलम बहादुर सहित कई लोग मौजूद थे।

एसडीओ ने आवास योजना को लेकर की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने आवास योजना को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में बीडीओ, सीओ, पंचायत प्रतिनिधि, आवास कॉर्डिनेटर, रोजगार सेवक व पंचायत सेवक सहित आवास योजना से जुड़े कई कर्मी उपस्थित थे। बैठक में बीडीओ रतन कुमार सिंह ने पंचायत वार आवास योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी भी 2016-22 तक 634 आवास लंबित है। बैठक में अधूरे भवन का निर्माण नहीं होने की स्थिति पर बातचीत की गई। इसके बाद सम्बन्धित लोगों को पंचायत वाइज जिम्मवारी सौपी गई। इसके तहत एसडीओ भी स्वयं सुदूरवर्ती पंचायत महउडंड, डंडीला के अलावा देवरी कला पंचायत में लंबित आवास की स्थिति का निरीक्षण करेंगे। साथ ही सीओ व बीडीओ भी क्षेत्र की कई पंचायत में आवास योजना का स्थलीय निरीक्षण कर पूरा करने की दिशा में कार्य करेंगे। बैठक में एसडीओ कमलेश्वर नारायण ने कर्मियों को हर हाल में अधूरी प्रधानमंत्री आवास योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आवास कार्य का पूर्ण नही होना लापरवाही का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी सम्बंधित कर्मी आवास योजना को पूरा करने में सक्रियता दिखाये अन्यथा विभागीय कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बैठक में राशि लेकर आवास पूर्ण नही करने वाले लाभुकों के खिलाफ सर्टिफिकेट केश दर्ज करने का निर्देश दिया।

जलापूर्ति योजना को चालू कराने के सारे प्रयास विफल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। हैदरनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित शहर से दक्षिण, बड़ा शिवालय के निकट, सदाबह नदी के तट पर वर्ष 2005 से ही स्थापित पीएचईडी की ग्रामीण जलापूर्ति योजना एक माह भी नियमित संचालन नहीं हो सकी। जिससे यहां के लोगों में नाराजगी है। इसके स्थायी व सफल संचालन कराने का प्रयास सभी स्तर से फेल हो चुके हैं। स्थानीय प्रबुद्ध लोग लगातार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों तक इसकी जानकारी पहुंचा शहर की छह हजार से अधिक आबादी को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने की आवाज उठाते रहे हैं। लेकिन आज तक स्थिति ढाक के तीन पात है। ध्यानार्थ है कि 26 अक्टूबर 2014 से ही जलापूर्ति योजना बंद पड़ी है। इसके किवाड़ जर्जर व चारदीवारी धराशयी हो चुकी हैं। आज ये चारों ओर गंदगी के अंबार से घिरे लावारिश पशुओं का आरामगाह बन गया है। स्थानीय स्तर पर इसे चालू कराने का अथक प्रयास विरेन्द्र अग्रवाल, अरुण कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, राकेश कुमार, सोनू कुमार सहित कई उपभोक्ताओं द्वारा किया गया। पर इनकी सीएम से पीएम तक की शिकायत भी काम नहीं आई। इनका कहना है कि भीषण गर्मी में सरकार एक ओर पेयजल लोगों को मुहैया कराने के लिए कई उपायों पर लाखों करोड़ों रुपये व्यय करने में जुटी है। पर जो योजना सांस लेने लायक भी है तो उसे मरने के लिये छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से शहर के आधे भाग में भूमिगत पाइपलाइन भी बिछायी गई हैं। जिससे वर्तमान में करीब तीन हजार लोगों को पानी मिल पाता। हालांकि इस योजना को विभागीय स्तर पर वर्ष 2017 में ही हैदरनगर के पूर्वी पंचायत को सौपा जा चुका है। जिसकी रख रखाव व संचालन की जिम्मेवारी भी अपने स्तर से करने को दे दी गई है। पर इसकी सफलता भी लोगों के सामने नहीं आ सकी है।

क्या कहते हैं शिक्षाविद : हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र के युवा शिक्षाविद प्रो. अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि लंबे समय से ग्रामीण जलापूर्ति योजना का चालू नहीं होना गंभीर व चिंता का विषय है। सरकार व जनप्रतिनिधियों की क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त व शुद्ध पेयजल मुहैया कराने की जिम्मेवारी होती है। इस व्यवस्था को वे नहीं कर सकते तो हैदरनगर में जंग खा रहे उपकरण व अन्य सामग्री उखाड़कर ले क्यों नहीं जाते। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार को इस गंभीर समस्या के प्रति तनिक भी चिंता नहीं है। रोज रोज इनके पीछे ईडी ही मंडरा रही है। पहले उनसे सामना करने से फुर्सत हो तब तो जनता की परवाह करेंगे। उन्होंने कहा कि 100 - 200 लोगों की आबादी पर चापाकल सहित अन्य पेयजल श्रोत उपलब्ध कराये जाते हैं। फिर इतनी बड़ी आबादी के लिये अब तक क्या व्यवस्था करायी गई, खुलासा किया जाना चाहिये। साथ विगत नौ वर्षों से बंद इस योजना के जिम्मेवार कौन है, अब तक दोषी पर क्या कार्रवाई की गई? साथ ही पंचायत व जलसहिया के भरोसे इस योजना को लावारिश हालत में क्यों छोड़ दिया गया? लोगों के समक्ष हम यह सवाल बार बार पूछने को आतुर हैं।

न्यायालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

राजसात वाद संख्या–30/2023

नोटिस

बनाम्

मनपूरन गोप उर्फ मनपूरन यादव, पिता–स्व0 अमीर यादव,
सा0–मनसिंघा, थाना–बालूमाथ, जिला–लातेहार। :– प्रतिपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला खनन पदाधिकारी, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रैक्टर रजि0 नं0–JH08B-9618 को राजसात हेतु वाद दायर किया गया है। उक्त वाद की सुनवाई दिनांक 11.04.2023 को की गयी जिसमें आप अनुपस्थित पाये गये।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.04.2023 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

295039 District(23-24):D

प्रभारी पदाधिकारी, जिला विधि शाखा, लातेहार।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल लातेहार।

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– : 02/2023–24

1. विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंड़ल, लातेहार
3. परिमाण विपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एवं समय :– 20.04.2023 के 1.00 बजे अपराह्ण तक ।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 21.04.2023 के 3.00 बजे अपराह्ण तक ।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 21.04.2023 के 3.30 बजे अपराह्ण तक ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1.अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02 रॉची के द्वारा प्राधिकृत स्थान एवं प्रतिनिधि के द्वारा। 2. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
7. .निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– 1. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।

कार्य का नाम एवं अन्य सूचना :–

क्र. सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि रु0	अग्रधन राशि रु0	परिमाण विपत्र का मूल्य रु0	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	होटल प्रभात विहार, नेतरहाट के रंग–रोगन एवं मरम्मति कार्य	3881500/-	80000/-	5000/-	03 (Three) Months
2	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड सरयू के पंचायत चोरहा में उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय सरयू में 3 ACR निर्माण	2469000/-	50000/-	5000/-	03 (Three) Months

नियम एवं शर्त कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhand.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंड़ल, लातेहार।

PR 295033 (Building) 23-24 (D)

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी,गढ़वा

विज्ञापन संख्या–01/2023

1. गढ़वा जिला में गृह रक्षकों के नामांकन के लिए रिक्तियों के विरूद्ध सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
2. गृह रक्षकों के नामांकन के लिए उपलब्ध रिक्ति निम्नवत् है, जो घट/बढ़ सकती है।

(क) ग्रामीण गृह रक्षकों के लिए रिक्ति–

क० सं०	प्रखंड का नाम	रिक्तियाँ	
		पुरूष	महिला
1	गढ़वा	30	29
2	मेराल	31	32
3	रमुना	36	35
4	नगर	26	25
5	सगमा	40	41
6	धुरकी	41	40
7	भवनाथपुर	42	42
8	खरौंधी	24	23
9	मझिऑव	29	30
10	कांडी	35	34
11	बरडीहा	53	54
12	रंका	33	33
13	भंडरिया	34	33
14	रमकंडा	27	27
15	चिनिया	20	21
16	बड़गड	49	50
17	केतार	49	49
18	विशुनपुरा	52	52
19	डण्डई	26	27
20	डण्डा	51	51
कुल– 1456		728	728

(ख) शहरी गृह रक्षकों के लिए रिक्ति:–

कुल रिक्तियां	पुरूष	महिला
45	22	23

नोट :– ऑनलाईन आवेदन भरने से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट– https://garhwa.nic.in पर उपलब्ध है। आवेदक केवल JAP IT रॉची, झारखण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये वेबसाईट– https://recruitment.jharkhand.gov.in पर दिनांक–25.04.2023 से दिनांक–09.05.2023 तक अपना आवेदन ONLINE (ऑन–लाईन) कर पायेंगे।

ह०/–
पुलिस उपाधीक्षक (मु०)गढ़वा
–सह–
जिला समादेष्टा,झारखण्ड,गृह रक्षा वाहिनी, गढ़वा

PR 295049 Home(23-24).D

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
वन प्रमण्डल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमण्डल

आम नीलामी सूचना

सर्व साधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि लातेहार वन प्रमण्डल के अंतर्गत राज्यसात वाहनों (जहाँ है, जिस स्थिति में है) की बिक्री दिनांक – 27.04.2023 के पूर्वाह्न 11:00 बजे से लातेहार वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय, लातेहार में आम नीलामी द्वारा की जायेगी। नीलामी हेतु राज्यसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी निम्नांकित है :–

क0 सं0	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन सं0/चेचीस सं0/इंजन सं0	वाहन जहाँ स्थित है
1	2	3	4
1	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-03D-2552	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
2	मोटरसाईकिल	Reg. No.- UP-72R-7318	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
3	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Chassis No.- CO5557367RI	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
4	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Engine No.- 006511260B1	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
5	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-03K-3285	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
6	सवारी गाडी	Reg. No.- JH-01K-7162	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
7	मोटरसाईकिल	Reg. No.- JH-19A-5477	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
8	मोटरसाईकिल	Reg. No.- JH-03C-2044	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
9	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19A-2585	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
10	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19A-3056	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
11	टाटा ट्रक	Reg. No.- JH-19A-6188	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
12	सोनालिका ट्रैक्टर, ट्रेलर	Chassis No.- CH483739F6	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
13	सोनालिका ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-08A-5393	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
14	हिरो मोटरसाईकिल	Reg. No.- JH-01T-5028	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
15	पियागो टेम्पू	Reg. No.- JH-19A-4404	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
16	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-01BA-4082	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
17	सोनालिका ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19A-0347	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
18	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-03E-9924	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
19	स्वराज ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-03F-7890	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
20	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-08E-1419	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
21	टाटा मिनी ट्रक	Reg. No.- JH-01CW-0160	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
22	स्वराज ट्रैक्टर, ट्रेलर	Engine No.- 391354SRBO2375A	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
23	हिरो मोटरसाईकिल	Reg. No.- JH-01V-8883	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
24	पियागो टेम्पू	Reg. No.- JH-01AZ-1465	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
25	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- BR-15-6347	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
26	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-08E-1206	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
27	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-03K-4297	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
28	हिरो मोटरसाईकिल	Chassis No.- 05A16F40152	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
29	पियागो टेम्पू	Chassis No.- S8C8828778	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
30	स्कॉर्पियो	Reg. No.- JH-14C-7471	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
31	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-01AS-4886	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
32	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-08G-2665	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
33	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19B-4358	मनिका प्रक्षेत्र कार्यालय
34	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Chassis No.- BZOSB151922/1A	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
35	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-13D-7826	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
36	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19C-8560	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
37	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19C-4238	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
38	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-13E-7635	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
39	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-08F-0446	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
40	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Reg. No.- JH-19C-3415	चन्दवा प्रक्षेत्र कार्यालय
41	ट्रैक्टर, ट्रेलर	Engine No.- RHB2BBN0617	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय

नोट :–

1. विस्तृत सूचना के लिए कार्य दिवस में कार्यालय अवधि के दौरान अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।
2. आम निलामी की शर्तें एवं वाहनों की सूची https://latehar.nic.in/ एवं https://forest.jharkhand.gov.in/ के website तथा कार्यालय वन प्रमंडल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमंडल के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
लातेहार वन प्रमण्डल

PR 295067 Forest, Environment and Climate Changes(23-24)#D

NEWS इन ब्रीफ

डॉ आंबेडकर छात्रावास में समारोह की तैयारी पूरी

मेदिनीनगर। डॉ आंबेडकर छात्रावास (अनुसूचित जाति कल्याण छात्रावास बाई पास रोड रेड़मा) के तत्वावधान में डॉ भीमराव आंबेडकर जी की 132 जयंती समारोह की तैयारी कर ली गयी है। छात्रावास परिवार इस वर्ष विशेष आयोजन कर रहा है। 13 अप्रैल को संध्या 6 बजे कैंडल मार्च निकाला जायेगा। उसके पश्चात 14 अप्रैल को शोभायात्रा निकाली जायेगी । जयंती के उपलक्ष्य में छात्रावास के विद्यार्थियों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा।

सदर अस्पताल में 2022 से 2023 मार्च तक 306 व्यक्तियों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल में विभिन्न घटनाओं में 2022 जून माह में 25, जुलाई माह में 32, अगस्त माह में 23, सितंबर माह में 27, अक्टूबर माह में 22, नवंबर माह में 47 और दिसंबर माह के अंत तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 2023 की बात करें तो जनवरी माह में 31, फरवरी माह में 17 मार्च माह के अंतिम तक 38 लोगों की मौत हो चुकी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अस्पताल अधीक्षक डीके सिंह

और सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड की इंचार्ज शबाना खातून ने संयुक्त रूप से बताया कि सदर अस्पताल में 2 वर्षों में टोटल 306 लोगों की मौत सदर अस्पताल में हो चुकी है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों की मौत तो सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हुई है और कुछ लोगो की मौत बाहर ही सड़क दुर्घटना में हुई है। जिन्हें सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लाया गया था। इनका भी आंकड़ा इसमें शामिल है। वही मौके पर उपस्थित अस्पताल अधीक्षक डीके सिंह ने बताया कि सदर अस्पताल में प्रतिदिन बाइक दुर्घटना घायल व प्वाइजनिंग केस में आधा दर्जन से अधिक मरीज पहुंचते हैं। इनमें इलाज के दौरान कई लोगों की मौत हो जाती है। इस मौत के आंकड़ों को देखते हुए अस्पताल अधीक्षक ने चिंता जाहिर की है।

अभाआम सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे मुख्यमंत्री

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के शिवाजी मैदान मे अखिल भारतीय आदिवासी महासभा का सम्मेलन 14 और 15 अप्रैल को होना था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के हेमंत सोरेन का आगमन होना था। महासम्मेलन होने से संबंधित एक पंपलेट भी केंद्रीय आदिवासी महासम्मेलन समिति के द्वारा छपवाया गया था। परंतु किसी कारणवश हेमंत सोरेन कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। इस संबंध में फोन कर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सिन्हा व संजीव कुमार तिवारी ने इस बाबत

बताया कि जानकारी नहीं है। यदि मुख्यमंत्री को आना होता तो सभी जेएमएम के नेताओं को उसके पूर्व ही सूचना मिल जाती। वहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को नहीं पहुंचने को लेकर डीपीआरओ के कर्मचारियों ने अनभिज्ञता व्यक्त की।

आजसू ने निकाला न्याय मार्च

मेदिनीनगर। आजसू पलामू के द्वारा गुरुवार को न्याय मार्च निकाला गया। मार्च समाहरणालय पहुँच कर उपायुक्त पलामू को ज्ञापन सौंपा। न्याय मार्च कार्यक्रम में केंद्रीय सचिव विजय मेहता, विकेश शुक्ला, लौकेश सिह, जिलाध्यक्ष दीलीप चौधरी कार्यकारी जिला अध्यक्ष संतन मेहता अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अकमल खान, तुलसी शुक्ला, कमलेश मेहता, आनन्द चन्द्रवंशी, बसंत विश्वकर्मा आदि शामिल थे। न्याय मार्च में हेमन्त सोरेन सरकार के झुठ और लुट के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की गई।

पलामू में साइबर ठग के शिकार हुए दो लोग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में फिल्म और सेलिब्रिटी को रेटिंग देने के नाम पर लाखों की ठगी हुई है। पीड़ित व्यक्ति को खास फिल्म और खास सेलिब्रिटी को रेटिंग देने को कहा जाता था। पूरे मामले में पलामू के साइबर थाना में एफआईआर दर्ज किया गया है, जिसके बाद पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है। दर्ज एफआईआर के मुताबिक पलामू के हुसैनाबाद के रहने वाले एक व्यक्ति को कुछ दिन पहले मोबाइल पर एक कॉल आया था। कॉल के माध्यम से उसे बताया गया कि फिल्म और सेलिब्रिटी को रेटिंग देनी है। इस माध्यम से वह घर बैठे पैसा कमा सकता है। बाद में पीड़ित व्यक्ति को एक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया था। इस ग्रुप में व्यक्ति को खास फिल्म और सेलिब्रिटी को रेटिंग देने का निर्देश दिया जाता था। रेटिंग देने के बाद पीड़ित व्यक्ति उसका स्क्रीनशॉट लेकर ग्रुप में पोस्ट करता था। इसके एवज पीड़ित व्यक्ति को कुछ पॉइंट मिलते थे। पीड़ित व्यक्ति को कुछ ही दिनों में एक लाख पॉइंट हो गए थे। इस पॉइंट के एवज में उसे एक लाख रुपये देने की बात कही गई। पीड़ित व्यक्ति ने पॉइंट के एवज में रुपय की मांग की तो ठगों ने कुछ तकनीकी समस्या बताई और दोबारा रेटिंग करने को कहा. दोबारा की रेटिंग में पीड़ित व्यक्ति को कुछ कम पॉइंट मिल रहे थे. जिसके बाद पीड़ित व्यक्ति ने रेटिंग में कम पॉइंट होने की शिकायत व्हाट्सएप ग्रुप में की थी। पीड़ित व्यक्ति को रेटिंग बढ़ाने और रुपयों को लेने के लिए कुछ रकम की मांग की गई। व्यक्ति ने आठ से 10 किस्तों में ठगों को पांच लाख रुपये दे दिए है। इसी तरह मेदिनीनगर के रहने वाले एक व्यक्ति को फिल्म स्टार और सेलिब्रिटी को पेज पर लाइक और कमेंट करने को कहा गया था। उससे भी एक लाख रुपये की ठगी हुई है।

आज पलामू में मनेगी सतुआन व अम्बेडकर जयंती

आज सूर्य मीन राशि से मेष राशि मे प्रवेश करेंगे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आज पलामू में सतुआन और अम्बेडकर जयंती बड़े उत्साह से मनाई जायेगी। खास कर सतुआन जिसे मेष संक्रांति पर्व के नाम से भी जाना जाता है। कही इसे सतुआन व सिरुआ-विशुवा के नाम से भी जाना जाता है। आज सूर्य मीन राशि से मेष राशि मे प्रवेश करेंगे। आज के दिन में आम की कैरियों को पीसकर चटनी बनाना और साथ में सत्तू घोलकर पहले सूर्य देव को चढ़ाना और फिर प्रसाद में ग्रहण करना मुख्य होता है। सतुआन पर्व जो गर्मी के आ जाने की घोषणा करता है और बताता है कि अब मौसम तेजी से गर्म होगा। आने वाले दिनों में गर्मी होने वाली है। जब खेतों की मिट्टी बिल्कुल सूखकर कड़ी हो जाएगी। मनुष्य जब गर्मी से त्रस्त हो जाएगा, तो ऐसे में सत्तू ही एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो शीतलता दे पाएगा। बिहार की लोक संस्कृति में यह प्रकृति से जुड़ाव का पर्व

है, जो अब सिर्फ बड़े-बुजुर्गों की याद में ही रह गया है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 14-15 अप्रैल को सतुआन मनाया जाता है। यह ग्रीष्म ऋतु के स्वागत का पर्व है। इस दिन सूर्यदेव राशि परिवर्तन करते हैं। इसलिए इसे मेष संक्रांति भी कहते हैं। सतुआन के दिन सत्तू खाने की परंपरा बहुत पुराने समय से रही है। पुरोहित ओम पाठक ने बताया कि इस दिन लोग अपने पूजा घर में मिट्टी या पीतल के घड़े में आम का पल्लो स्थापित करते हैं। सत्तू, गुड़ और चीनी से पूजा होती है। पूजा के उपरांत लोग सत्तू, आम प्रसाद के रूप में ग्रहण करते है।

दक्षिण भारत में मनाते हैं विशु पर्व

दक्षिण भारत मे आज के दिन को यानी सूर्य के राशि परिवर्तन दिवस को विशु कानी पर्व के तौर पर मनाते हैं। यह पर्व भगवान विष्णु को समर्पित है और दक्षिण भारत में नव वर्ष का प्रतीक है। दरअसल विशु कानी पर्व कृषि आधारित पर्व है, जिसमें खेतों में बुआई का उत्सव मनाते हैं। अलग अलग धर्मो में मेष संक्रांति को कई नामो से जाना जाता है। जिसमे असम में बिहू,पंजाब में बैसाखी,केरल में विशु, बंगाल में पोहला बैशाख कहते है। वही,आज भारत रत्न अम्बेडकर जयंती का भी आयोजन पलामू में होगा। जिसमें स्थानीय अम्बेडकर चौक में स्थापित अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा को सजाया गया है। आज कई संगठनों और आम लोगो के द्वारा बाबा अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। राजनीतिक दल,सामाजिक संगठन,स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों के द्वारा अम्बेडकर की प्रतिमा पर मालार्पण कर उन्हें याद किया जाएगा।आज के दिन अम्बेडकर का जन्म 1928 में पुणे में हुआ था। भारत के पहले कानून मंत्री डॉ भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के पिता कहे जाते हैं। डॉ भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान, संविधान सभा द्वारा तैयार किया गया था। अम्बेडकर जयंती को जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न जैसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने में व इस हेतु उनके समर्पण को याद करने के लिए भी मनाया जाता है। उन्होंने जाति व्यवस्था का कड़ा विरोध किया और इसे समाज से मिटाने का प्रयास किया। डॉ भीमराव अंबेडकर हमेशा उत्पीड़ितों के साथ एकजुटता से खड़े रहे और महिलाओं, मजदूरों और अछूतों के जीवन के उत्थान के लिए काम किये। एक प्रखर समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और प्रभावशाली वक्ता होने के साथ, डॉ अम्बेडकर राजनीति विज्ञान, कानून और अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न विषयों केभी विद्वान थे।

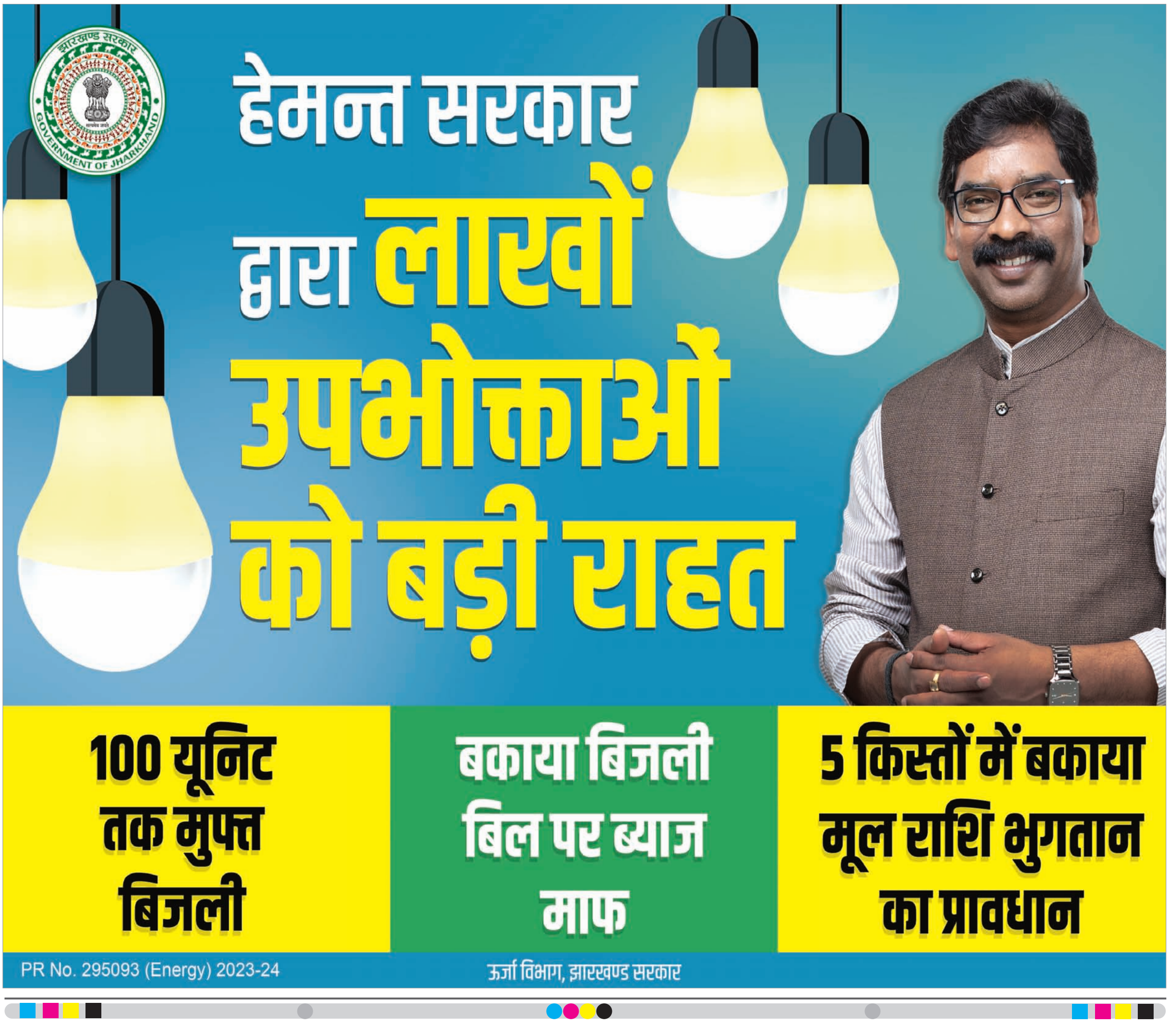

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से जेई के हौसले हो रहे बुलंद

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

प्रखंड के मनरेगा जेई प्रेमचंद गुप्ता की ओर से काम में लापरवाही बरते जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद हैं। जेई प्रेमचंद गुप्ता पर लाभुकों द्वारा लगातार काम में लापरवाही और एमबी बुक करने के एवज में पैसे की डिमांड करने की शिकायत लाभुक बीडीओ से लिखित एवं मौखित करते आ रहे हैं। बावजूद बीडीओ द्वारा कर्रवाई नहीं करना कही न कही जेई प्रेमचंद गुप्ता के हौसले को बढ़ावा देना प्रतीत होता है। काम में लापरवाही को लेकर मकरी पंचायत की मुखिया सरिता देवी ने बीडीओ को आवेदन देकर पंचायत से हटाने की मांग की है। दिए आवेदन में मुखिया सरिता देवी ने उल्लेख किया है कि मकरी पंचायत में चार आंगनबाड़ी केंद्रों का भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है, जहां हॉल के बीच में बिना कॉलम के दीवार को पूरा करा दिया गया। मेरे द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान इस प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर कार्य उपरांत कॉलम का निर्माण कराया गया। अभी वर्तमान में हॉल के छत लेवल में भी बैगर बीम का सेंट्रिंग कार्य करा दिया गया ऐसे में कार्यरत जेई प्रेमचंद गुप्ता का घोर लापरवाही या अनुभव हीनता प्रतीत हो रहा है। ऐसी स्थिति में पूरा सेंट्रिंग हटा कर फिर से कार्य कराना होगा, जिसमें मजदूर मिस्त्री का एक ही कार्य के लिए दुबारा मजदूरी भुकतान करना पड़ेगा। इसलिए लापरवाही के कारण हुए नुकसान को जेई प्रेमचंद गुप्ता के मानदेय से काटकर भुकतान कराते हुए ऐसे लापरवाह एवं अनुभव ही जेई को मकरी पंचायत से हटा कर प्रखंड में कार्यरत जेई श्याम कुमार या अन्य अनुभवी जेई को नियुक्त किया जाए। इस से पूर्व जेई गुप्ता के पास भवनाथपुर एवं मकरी दो पंचायत के प्रभार था भवनाथपुर में इसी तरह की लापरवाही एवं एमबी बुक करने के एवज में पैसे की मांग के शिकायत पर भवनाथपुर पंचायत के प्रभार से हटा दिया गया।

गांव-गांव घूमकर मंत्री ने जाना जनता का दुख-दर्द

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गांव-गांव घूमकर जनता का दुख-दर्द को जाना। मंत्री बुधवार की रात्रि मेराल प्रखंड के विभिन्न गावों का भ्रमण कर जनता से रूबरू हुए। मंत्री ठाकुर ने उनकी समस्याओं को सुना एवं त्वरित निष्पादन भी कराया। ग्रामीणों की पेयजल, पेंशन आदि से संबंधित समस्याओं से अवगत होने के बाद मंत्री ने ऑन स्पॉट संबंधित पदाधिकारियो को फोन कर समस्या का त्वरित निदान करने का निर्देश दिया। गुरुवारको चापाकल की मरम्मति, पेंशन की स्वीकृति आदि समस्या का निदान भी हो गया।

मंत्री ठाकुर ने मेराल प्रखंड के अरंगी पंचायत के अरंगी, सिरहे, अकलवानी, कुंभी आदि गावों के विभिन्न टोलों का भ्रमण किया। इस दौरान मंत्री ने स्व. जगदेव प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। लोगों के पास बैठकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मंत्री ठाकुर ने ऑन द स्पॉट कार्रवाई करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। मंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि यदि कोई भी पदाधिकारी ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं करते हैं, जनता का काम लंबित रखते हैं या किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या हो तो तुरंत इसकी सूचना दें। अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मंत्री मिथिलेश ने क्षेत्र में हो रहे स्ट्रॉबेरी की खेती की भी जानकारी लिया।

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि जनता ने उन्हें अपना सेवक चुना है। ऐसे में वे जनता के लिए 24 घंटे तैयार हैं। मौके पर मुख्य रूप से विकास सिंह कुशवाहा, मुन्ना सिंह, सत्यम, पूरन तिवारी, प्रवीण यादव, विद्यापति ऋषि, सुरेंद्र ठाकुर, महेंद्र भुईयां, ज्ञान रंजन मिश्रा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

NEWS इन ब्रीफ

छेड़खानी और मांग में जबरन सिंदूर देने के दोषी को तीन वर्ष कैद

कांडी। थाना क्षेत्र के सोनपुरवा गांव निवासी एक युवक को गांव की लड़की के साथ ही छेड़खानी व उसकी मांग में जबरन सिंदूर देने के आरोप में तीन वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये जुमाना की सजा सुनाई गई है। यह घटना 13 महीना पहले की है। इसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले की पोक्सो विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है। मालूम हो कि कांडी थाना क्षेत्र के खुटहेरिया पंचायत अंतर्गत राजकीयकृत महंत श्री रामचंद्र पुरी उच्च विद्यालय गरदाहा के नवम कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़खानी करते हुए उसी के गांव सोनपुरवा निवासी युवक राकेश कुमार यादव पिता उमेश यादव ने छात्रा के मांग में जबरन सिंदूर भर दिया था। यह घटना 26 फरवरी 2022 को स्कूल पीरियड की है। इस घटना के बाद रोते हुए छात्रा ने अपने घर जाकर परिजनों को सारी बात बताई। इसके बाद इस गंभीर मामले को लेकर परिजनों ने मुकदमा दर्ज कराया था।

वर्ग 8 की परीक्षा शांति पूर्ण तरीके से संपन्न

कांडी। प्रखंड के आठ परीक्षा केंद्रों पर गुरुवार को वर्ग 8 की परीक्षा शांति पूर्ण व कदाचार मुक्त सम्पन्न हुई। परीक्षा में 2331 परीक्षार्थी शामिल हुए। बता दें कि परीक्षा के लिए प्रखंड में 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विद्या सागर मेहता ने प्रखंड के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

महुआ शराब की नष्ट

भवनाथपुर। थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के सिंदुरिया पंचायत के रेलवे कॉलोनी से महुवा शराब बनाने के उपकरण व 40 कीलो महुवा जावा को नष्ट किया, जबकि घर के सदस्य मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। इस बिषय में थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से बनाये जा रहे महुवा शराब के खिलाफ आगे भी करवाई जारी रहेगी।लोग निर्भीक होकर अवैध शराब बनाने वालों की खबर पुलिस को दे वैसे लोंगो के ऊपर अविलम्ब करवाई की जाएगी।

मंत्री मिथिलेश ठाकुर सहित कई नेता पहुंचे अस्पताल

पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ सड़क हादसे में हुए घायल, रांची रेफर

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

शाहपुर मार्ग पर गुरुवार को पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी एवं उनके बॉडीगार्ड दिलीप सिंह स्कॉर्पियो दुर्घटना में घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। इस दौरान एंबुलेंस में डॉक्टर टी पीयूष को उनकी रास्ते में देखभाल करने के लिए भेजा गया।

घटना के संबंध में बताया गया कि पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने मेदनीनगर से अपने स्कॉर्पियो पर दो बॉडीगार्ड के साथ गढ़वा आ रहे थे। इसी दौरान झुरा पेट्रोल पंप के पास एक पिक अप सामने आ गया उसे बचाने के दौरान उनकी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर एक पोल से टकराते हुए खेत में चला गया। घटना के बाद पीछे से आ रहे समाजसेवी अरुण दुबे आदि ने उन्हें स्कॉर्पियो से निकालकर वाहन से सदर अस्पताल लाया, जहां उपाधीक्षक डॉ. अवधेश कुमार सिंह डॉ कमलेश कुमार डॉ. अमित कुमार डॉ. राजेश कुमार डॉ. प्रशांत प्रमोद डॉ. निशांत कुमार आदि ने पहुंचकर उनका इलाज किया। उनके शरीर में सात ग्राम ब्लड पाया गया। लोगों ने दो यूनिट रक्तदान कर रक्त की व्यवस्था करवाई। उसके बाद डॉ. जितेंद्र कुमार के यहां उन्हें ले जाकर अल्ट्रासाउंड एक्स-रे कराया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इसके बाद मंत्री ने अस्पताल में पूर्व विधायक से मुलाकात नहीं होने के बाद गढ़वा प्रखंड कार्यालय के सामने डॉ.

जितेंद्र कुमार के यहां जाकर पूर्व विधायक से मुलाकात की एवं घटना की जानकारी ली। पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के घायल होने की खबर फेलते ही भाजपा के कार्यकर्ता नेता सदर अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए। इस दौरान घंटों सड़क जाम रही। सदर अस्पताल से लेकर सड़क तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।

कोर्ट में हाजिर होने जा रहे थे पूर्व विधायक

पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी गुरुवार को मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में व्यवहार न्यायालय में सरेंडर करने के लिए मेदिनीनगर से गढ़वा आ रहे थे। इस दौरान गढ़वा थाना क्षेत्र के हरैया मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रुप से घायल हो गए। पूर्व विधायक के विरूद्ध व्यवहार न्यायालय गढ़वा के न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार दास की अदालत से वारंट निर्गत किया गया है। बताते चलें कि पूर्व विधायक द्वारा विगत दिनों मंत्री मिथिलेश ठाकुर एवं उनके भाई पर बालू का अवैध कारोबार कराने, उसमें कमीशन लेने, टेंडर मैनेज करने आदि का आरोप लगाया गया था। इसे लेकर मंत्री मिथिलेश ठाकुर द्वारा न्यायालय में दायर परिवाद में संज्ञान लेते हुए पूर्व विधायक को नोटिस दिया गया था। नोटिस प्राप्त कर लेने के बावजूद पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे। तब अदालत ने उनके विरुद्ध वारंट निर्गत किया।

बंधक बनाने की भ्रामक सूचना देने पर ऊर्जा मित्र को पुलिस की फटकार

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

बिजली उपभोक्ता द्वारा ऊर्जा मित्र को बैगर बंधक बनाए ही ऊर्जा मित्र ने विभाग को बंधक बनाए जाने की भ्रामक सूचना देने के बाद थाना प्रभारी दल बल के साथ पहुंचे। थाना प्रभारी ने बंधक बनाए जाने की भ्रामक खबर की पुष्टि की और ऊर्जा मित्र को फटकार लगाते हुए भ्रामक खबर नहीं देने के लिए हिदायत दी।

बता दें कि ऊर्जा मित्र राकेश प्रजापती के द्वारा सरईया के गुलाबचंद साह पिता खाखनु साह के फरवरी माह का बिल 95 यूनिट का 3155 रुपये निकाल दिया था जबकि गुलाबचंद साह ने 28 जनवरी 2023 को पुराने सभी बिल को 9400 सौ रुपये भरकर जीरो कर दिया था। इसके बाद इसकी शिकायत करने के लिए नगर ऊंटारी बिजली कार्यालय पहुंचा तो वहां के अधिकारियों ने बोला गया कि इसमें हमलोग कुछ नही कर सकते हैं ऊर्जा मित्र बिल निकाला है वही समझेगा। इसके बाद 13 अप्रैल को दोबारा बिल निकालने ऊर्जा मित्र पहुंचा तो उसके द्वारा 3407 रुपये का बिल निकाला गया। इसके बाद जब उपभोक्ता गुलाबचंद साह ने उर्जा मित्र से ज्यादा बिल निकालने की शिकायत की तो उर्जा मित्र राकेश प्रजापती ने कहा कि हमको धूप में पेड़ से बांध कर फोटो खींचो हम अपने ग्रुप में डालेंगे। इसके बाद तुम्हारा बिल ठीक हो जाएगा। लेकिन उपभोक्ता ने बंधक बनाने से इनकार कर दिया। इसके बाद ऊर्जा मित्र ने खुद से ही अपने विभाग के अधिकारियों को फोन कर बंधक बनाने की भ्रामक सूचना दे दी। थाना प्रभारी गुलाबचंद साह के घर पहुचे एवं ऊर्जा मित्र राकेश प्रजापति एवं गुलाबचंद साह से सारी बात की।

ऊर्जा मित्र बने उपभोक्ताओं की परेशानी का कारण

आपको बता दें कि जब से ऊर्जा मित्र की नियुक्ति हुई है तब से बिजली उपभोक्ता परेशान हैं जहां उपभोक्ताओं का बिल महीने में 5 हजार से 20 हजार तक आ रहे हैं, वहीं अधिकारी भी ऊर्जा मित्र पर ठीकरा फोड़ कर उपभोक्ताओं के सामने अपना पला झाड़ ले रहे हैं। सरईया निवासी उपभोक्ता शिवनाथ साह ने बताया कि मेरा 23 जानवरी 23 को 1417 बिल आया था। इसके बाद मैं 5 सौ रुपये जमा किया और फिर 4 फरवरी को फिर बिल निकलवाया तो 3355 रुपये का बिल आ गया। मात्र 11 दिन में हीं 2438 रुपये का बिल बढ़ गया। जब इसकी शिकायत करने नगर उंटारी बिजली कार्यालय गए तो वहां अधिकारियों द्वारा कहा गया कि बिल जो निकाला है जमा करना पड़ेगा। इसमें कुछ नहीं कर सकते। जो बिल निकाला है वो समझे कहते हुए अपना पला झाड़ लिया। वहीं के बिजली उपभोक्ता प्रकाश कुमार गुप्ता का 27/1/2023 को 79 बिल आया जिस में 80 रुपये उपभोक्ता ने भरा और जब 21/3/2023 को बिल निकलवाया गया तो 20745 रुपये बिल आ गया। उपभोक्ता बिजली कार्यालय का चक्कर काट कर थक गया लेकिन किसी ने नहीं सुना। इस तरह के मामले से प्रखंड के सैकड़ों बिजली उपभोक्ता परेशान हैं। भवनाथपुर। भवनाथपुर मुख्य बाजार में सरकारी नाला क्षतिग्रस्त होने से नाली का पानी सड़क पर बह रहा है।

कोविड-19 संक्रमित मिला 10 वर्षीय बालक

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

जिले में कोरोना ने दस्तक दे दिया है। गुरुवार को एक 10 वर्षीय बालक कोरोना संक्रमित पाया गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल परिसर स्थित डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के निकू चिकू वार्ड में भर्ती किया गया है।

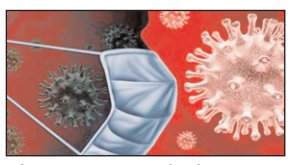

जानकारी के अनुसार संक्रमित पाया गया बालक भवनाथपुर थाना क्षेत्र का है। उसे बीमार हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में लाया गया था। वहां एंटीजन किट से जांच में पाजिटिव पाया गया। इसके पश्चात चिकित्सक ने उसे आरटीपीसीआर जांच व बेहतर इलाज के लिए डेडिकेटेड कोविड अस्पताल में भेजा गया। डेडिकेटेड कोविड अस्पताल में आरटीपीसीआर जांच कराए जाने के बाद रिपोर्ट पाजिटिव पाई गई। इसके बाद उसे निकू चिकू वार्ड में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त बालक के परिवारवालों की भी कोविड जांच कराई जा रही है। जबकि संक्रमित बालक के स्वजनों की कांटेक्ट हिस्ट्री आदि के बारे में भी जानकारी ली जा रही है।

आंगनबाड़ी केंद्र रहा बंद, खुले में हुआ टीकाकरण कार्य

नवीन मेल संवाददाता। डंडाई

प्रखंड मुख्यालय के किसान हाई स्कूल स्थित बैगा टोला पर संचालित हो रहे आंगनवाड़ी केंद्र का नियमित संचालन नहीं होने से पोषक क्षेत्रों के धात्री और गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच केंद में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नियमित न तो पोषाहार मिल पा रहा है और ना ही उनके माता-पिता को गर्भवती व धात्री की सामग्री।

इतना ही नहीं, नियमित और ससमय केंद्र को नहीं खुलने से एन एम किरण कुमारी और स्वास्थ्य सहिया सुमित्रा देवी को गुरुवार के दिन पेड़ के नीचे बैठकर बच्चों को टीका लगाते देखा गया। मामले को लेकर स्थानीय महिलाओं में आक्रोश है। धात्री महिला गुड्डु देवी, रुसना बीबी, मंजू देवी इत्यादि महिलाओं ने बताया कि हम लोग पिछले 2 वर्षों से परहिया टोला के इसी पेड़ के नीचे बैठकर अपने अपने बच्चों को टीका लगवाते आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी एक तो खुलता ही नहीं है दूसरे में खुलता भी है तो उसकी समय सारणी का कोई ठिकाना ही नहीं है। महिलाओं ने कहा कि पोषाहार सामग्री को भी केंद्र के बजाय अपने घर से ही सेविका द्वारा देने का काम किया जाता है। विरोध करने पर सेविका द्वारा कहा जाता है कि लेना है तो लीजिए और नहीं तो अपने अपने घर का दरवाजा देखिए। मजबूरन हम लोगों को उनके घर से ही उक्त सामग्री को लेना पड़ता है।

महिलाओं ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले पांच महीनों से हम सभी लोगों को धात्री की सामग्री नहीं दी गई है। बच्चों को टीका लगा रही एन एम किरण कुमारी ने बताया कि हम बहुत पहले से इसी पेड़ के नीचे बच्चों को टीका लगाते आ रही हूं। उन्होंने कहा कि पूर्व में एक दो बार टीकाकरण के उद्देश्य से बैगा टोली आंगनबाड़ी केंद्र पर गई तो वह केंद्र बंद मिला। इस बीच स्वास्थ्य सहिया सुमित्रा देवी ने बताया कि सेविका द्वारा जब आंगनबाड़ी केंद्र की चाबी देने के बजाय कई तरह की बातें बोल जाती है। मामले में सुपरवाइजर पुष्पा कुमारी ने बताया कि पोषाहार गर्भवती महिला व धात्री महिला के बीच अभी तक क्यों नहीं बंटा? साथ ही टीकाकरण के दिन आंगनबाड़ी केंद्र क्यों नहीं खुला मामले पर सेविका मीना देवी से स्पष्टीकरण की मांग की जाएगी। वहीं पुष्पा ने कहा कि जब तक टीकाकरण कार्य समाप्त ना हो जाए तब तक संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका को स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अपने केंद्र में उपस्थित रहना है। इस बीच 5 या रात्रि 8 बजे का समय क्यों नहीं हो जाए।

विवाद **डंडाई थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर मालिक और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक**

बालू की अवैध उत्खनन को लेकर भिड़े दो पक्ष

नवीन मेल संवाददाता। डंडाई

थाना क्षेत्र के बेला झगड़ा गांव में दानरो नदी से अवैध तरीके से बालू उठाव को लेकर गुरुवार को नदी स्थल पर ट्रैक्टर मालिक व ग्रामीणों के बीच नोकझोंक हुई। इस दौरान दोनों के बीच तनातनी इतनी बढ़ गई कि एक दूसरे को दोनों पक्ष की ओर से देख लेने की धमकी दी जाने लगी। इसी बीच स्थल पर पहुंचे गांव के प्रबुद्ध ग्रामीणों द्वारा समझाने के बाद मामला शांत हुआ। बताया जाता है कि उक्त स्थल से प्रत्येक दिन ट्रैक्टर मालिक अमजद अंसारी द्वारा अवैध तरीके से बालू का उठाव किया जाता था। इससे नदी के बीच गुजरी छोटी सड़क धीरे-धीरे तालाब का रूप लेता चला जा रहा था।

गुरुवार को नदी स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसी सड़क पर बालू का उत्खनन होता देख आक्रोश व्यक्त करना शुरू कर दिया। साथ ही ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। ग्रामीण अख्तर अंसारी, फिरोज अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, खलील अंसारी, इस्तेखार अंसारी, शोएब अंसारी इत्यादि लोगों ने बताया

कि ट्रैक्टर मालिक अमजद द्वारा नदी स्थल से प्रत्येक दिन पूर्व में अवैध तरीके से बालू का उठाव किया जा रहा था। बावजूद हम सभी देखकर भी उन्हें कुछ भी नहीं बोल रहे थे। लेकिन आज उनके द्वारा अपने मजदूरों के माध्यम से नदी में वैसा स्थल से बालू का उत्खनन कराया जाने लगा जो हम लोगों को आने जाने के लिए शॉर्टकट का मात्र वही रास्ता था। ग्रामीणों ने कहा कि इतना करने के बाद भी ट्रैक्टर मालिक अगर रास्ते का बालू उठाव कराना बंद नहीं किया तो आगे कुछ और होगा, जिससे बालू उत्खनन पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। ट्रैक्टर मालिक अमजद ने कहा कि नदी से प्रत्येक दिन भले ही अवैध तरीके से बालू का उठाव हो रहा है, लेकिन उसके लिए अंचल, थाना से लेकर जिला तक के बाबुओं को समझना पड़ता है। बिना उक्त लोगों से सांठगांठ किये किसी के पास ताकत नहीं है कि नदी से एक ट्रैक्टर बालू उठा ले। अंचलाधिकारी चोनाराम हेंब्रम ने कहा कि ट्रैक्टर मालिक की बात बेबुनियाद और निराधार है। उन्होंने कहा कि कौन किससे बात करता है वह ट्रैक्टर पकड़ाने के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि मुझे पता भी नहीं है कि बैलझाखडा गांव की दानरो नदी से अवैध बालू का उत्खनन होता है। जानकारी मिलते ही ट्रैक्टर मालिकों के खिलाफ कार्यवाई शुरू कर दी जाएगी।

वहीं थाना प्रभारी शाहबाज अंसारी ने कहा कि लोक स्वतंत्र भारत के आजाद नागरिक हैं। कुछ भी बोलने की उनको आजादी है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर मालिक की बातों में थोड़ी भी सच्चाई नहीं है। ग्रामीणों द्वारा जैसे ही अवैध बालू उत्खनन की जानकारी दी जाएगी वैसे ही ट्रैक्टर और उसके मालिक को दबोच कर थाना ले लाया जाएगा।

झामुमो के नेताओं ने प्रेसवार्ता में कहा

भानू का नारा था घूस के बदले घुसा दो जो अब हो गया घूस के बदले हिस्सा दो

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

स्थानीय अनिकेत पैलेस में झामुमो नेताओं के द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं द्वारा मंत्री पर लगाये आरोपों पर पलटवार किया गया। प्रखंड अध्यक्ष अमर राम ने कहा कि वर्तमान विधायक भानु का नारा था की घुस के बदले घुसा दो, लेकिन अब यह नारा घुस के बदले हिस्सा दो, हो गया। उन्होंने कहा की भानु तीन बार से विधायक है, वो बच्चा नही है। लेकिन यहाँ के जनता के साथ ठगने का काम किए। भवनाथपुर विधानसभा के युवाओ के लिए कोई भी रोजगार नही लाया। जिस कारण क्षेत्र के युवा, बेरोजगार लोग बाहर काम करने जाते हैं। हर दिन क्षेत्र में रोजगार के लिए बाहर गए लोगो का शव आता है। भानू जनता के पैसे को चोरी करने काम किया है। अपना चेहरा चमकाने और जेल जाने के डर से भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा में रहने से ईडी और सीबीआई का भय नहीं रहेगा। यहां का खदान बंद है पर आज तक उन्होंने चालू कराने के लिए कभी आवाज नही उठाई। झामुमो ने कहा की मंत्री एक बार ही विधायक रहे और गढ़वा को स्वर्ग बनाने का काम कर रहे। भाजपा के कुछ चंगु मंगू बंशीधर महोत्सव का श्रेय विधायक भानु को दे रहे हैं। लेकिन हेमंत सरकार ने महोत्सव को राजकीय दर्जा के साथ बंशीधर मंदिर को पर्यटन स्थल ग्रेड-अ में शामिल किया है। इस दौरान जिपस पति प्रमोद राम, अमरनाथ पांडेय, मनोज डॉन,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा व हाथियों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

चमरेंगा में हाथियों के झुंड ने दो घरों को किया ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ
वन क्षेत्र के गणेशपुर ग्राम के चमरेंगा टोला में जंगली हाथियों ने उत्पात मचाया है। जंगली हाथियों ने सोहराई उरांव के दो घरों को तोड़ दिया और घर में रखे अनाज को नष्ट कर दिया। इससे किसान सोहराई उरांव और नेपाल उरांव सहित अन्य किसानों को बहुत नुकसान हुआ है।

पीड़ित द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बीती बुधवार रात्रि को जंगली हाथियों के झुंड ने घर को ध्वस्त कर दिया और घर में रखे चावल, धान, गेहूं को खाकर नष्ट कर दिया। इसके साथ ही खेत में

लगे प्याज एवं अन्य फसलों को भी नष्ट कर दिया। पीड़ित किसानों ने वन विभाग से जंगली हाथियों के आतंक से निजात दिलाने और हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही लातेहार विधानसभा क्षेत्र के भावी राजद उम्मीदवार सुरेश राम व कई आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिजन से मिलकर अनाज उपलब्ध कराया और हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

वहीं जंगली हाथियों को दूर घने जंगल में खदेड़ने और जंगली हाथियों से बचाव के लिए टॉर्च, मसाला आदि प्रभावित क्षेत्रों में देने का आग्रह वन विभाग से किया है। मौके पर लातेहार राजद जिला कोषाध्यक्ष सुरेश राम के अलावा राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रितलाल यादव, प्रकाश उरांव रामकृष्ण उरांव, महेश उरांव, दिनेश उरांव, शंकर उरांव, बिनोद उरांव, रामनरेश उरांव आदि उपस्थित रहे।

कदाचार मुक्त वातावरण में हुई 8वीं की परीक्षा

बारियातु। झारखंड अधिविध परिषद रांची की ओर से आयोजित 8वीं बोर्ड की परीक्षा प्रखंड के पांच केंद्रों परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय,आदर्श मध्य विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय टोंटी हेसला, अपग्रेड उच्च विद्यालय गोनिया व अपग्रेड उच्च विद्यालय फुलसु में कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। प्रथम पाली में पेपर 1 व द्वितीय पाली में पेपर 2 की परीक्षा ली गई। कुल 41 विद्यालयों के 1277 परीक्षार्थियों में 54 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

NEWS इन ब्रीफ

भोला सिंह राजद के जिला उपाध्यक्ष बने

लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल के लातेहार के जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किए जाने के बाद भोला सिंह को कई लोगों ने बधाई दी है। मौके पर भोला सिंह ने कहा कि राजद गरीबों की पार्टी है। संगठन की मजबूती को लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहली प्राथमिकता रहेगी कि जिले में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू कराया जाए। साथ ही जमीन संबंधी त्रुटियों के समाधान के लिए आम जनों का हम सभी आवाज बनेंगे। क्योंकि जमीन विवाद के कारण कई घरों में कलह हो रहा है।

अंचलाधिकारी के रूप में बीडीओ ने दिया अपना योगदान

बारियातु। अंचलाधिकारी के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रतिमा कुमारी ने गुरुवार को अंचल कार्यालय में अपना योगदान दिया। तत्कालीन सीओ दीपाली भगत ने लातेहार उपायुक्त भोर सिंह यादव के निर्देश पर विधिवत अंचलाधिकारी का प्रभार प्रतिमा कुमारी को सौंपा। योगदान के पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी प्रतिमा कुमारी ने पत्रकारों को बताया कि अब मेरे ऊपर दोहरा प्रभार है। मेरा लक्ष्य प्रखंड का विकास के साथ-साथ अंचल संबंधित जो भी समस्या हो उसे आपसी समन्वय स्थापित कर समाधान करना होगा।

विवाहिता को पीटकर किया घायल

बालूमाथ। बुधवार की संध्या बेला में बालूमाथ थाना सीमा क्षेत्र से सटे हेरंहज थाना क्षेत्र अंतर्गत सेरका ग्राम में आपसी विवाद को लेकर एक विवाहित महिला को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। उक्त महिला शेरका ग्राम निवासी सत्येंद्र गंजू की पत्नी उर्मिला देवी है। उसे गंभीर अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया।

बालूमाथ व महुआडांड़ में बुधवार देर शाम हुईं दुर्घटनाएं, 2 घायल

सड़क हादसों में पांच की मौत

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ/महुआडांड़
बालूमाथ और महुआडांड़ में बुधवार रात्रि हुई दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत कल कलिया- दीदी दाग गांव के समीप बालूमाथ बालू मुख्य मार्ग में बुधवार देर शाम को ऑटो और मोटरसाइकिल में जबरदस्त टक्कर हो गई। इसमें एक व्यक्ति हीरालाल उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बालू गांव से कुछ लोग ऑटो बुक करके ओझा के पास टंडवा की ओर गए थे। बुधवार की देर शाम सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे कि इसी बीच लातेहार से बालूमाथ की ओर जा रहे मोटरसाइकिल सवार और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे ऑटो में बैठे लोग और मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी

घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 108 एंबुलेंस की सहायता से लाया गया, जहां चिकित्सक डॉक्टर पुरुषोत्तम कुमार ने हीरालाल उरांव को जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। वहीं भुनेश्वर उड़ाव और मोबीन का प्राथमिक उपचार कर स्थिति को गंभीर देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया था। भुवनेश्वर उरांव एवं मोबीन अंसारी की देर रात रांची रिम्स ले जाने के क्रम में मौत हो गई। बता दें कि भुनेश्वर उरांव के दोनों पैर टूट गए थे, जबकि मोबीन के सिर में गंभीर चोटें लगी थी। शेष दो लोग मालती देवी, पति भुनेश्वर उरांव व मालती देवी, पति हीरा लाल उरांव की स्थिति खतरे से बाहर है। घटना की जानकारी मिलते हैं बालूमाथ थाना पुलिस अग्रसर कार्रवाई में जुट गई।

407 में टक्कर लगकर बाइक दुर्घटनाग्रस्त, दो युवक की मौत

वहीं महुआडांड़ थाना क्षेत्र के एनएच 9 मेदिनीनगर मुख्य रोड स्थित पार्वती रेस्ट हाउस के पास बुधवार की रात्रि नौ बजे हुई सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महुआडांड़ बाजार की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल पार्वती रेस्ट हाउस के पास खड़ी 407 गाड़ी नंबर जे.एच 19इ,5206 में सीधे टक्कर में लगने से मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हुई। मोटरसाइकिल में सवार अतुल खलखो (19) पिता स्व. दिलीप खलखो गांव बहेराटोली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा अमरदीप उरांव गंभीर रूप से घायल हुआ। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी आशुतोष यादव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने से पहले दोनों युवकों को ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां अतुल खलखो को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अमरदीप जो गंभीर रूप से घायल था, उसको लातेहार सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि अमरदीप बहेराटोली का दामाद था, जिसका घर पलामू है। वह ससुराल घूमने आया था। थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमार्टम के लिए शव को लातेहार भेज दिया गया है।

एबीवीपी की छिपादोहर इकाई का हुआ गठन पवन बने नगर मंत्री

बरवाडीह। प्रखंड के छिपादोहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई का गठन किया गया। आभाविप के जिला संयोजक नागमणि कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में छिपादोहर नगर इकाई कमेटी का गठन किया गया। इसमें पवन कुमार को नगर मंत्री, मुकेश कुमार, निखिल कुमार, राजेन्द्र सिंह और राजकुमार सिंह को नगर सह मंत्री बनाया गया। बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। प्रदेश सह मंत्री रमेश उरांव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अतुल कुमार के साथ छिपादोहर के सभी नए कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सर्वसहमति से इकाई का गठन किया गया। मौके पर बबलू कुमार, बली यादव, श्रीयांशू कुमार, प्रिंशु कुमार, रोहित कुमार, मोहित कुमार, नितिन गुप्ता, नीरज कुमार, मुन्ना गुप्ता समेत विद्यार्थी परिषद के कई सदस्य उपस्थित थे।

10 किग्रा अफीम, 14.5 किलोग्राम पोषाहार जब्त

नवीन मेल संवाददाता। चतरा/इटखोरी
बच्चों के पोषाहार व अफीम तस्करी की बड़ी साजिश पुलिस अधिक्षक राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना पर विफल कर दी गई है। इंटर स्टेट गिरोह का तस्कर कारु यादव गिरफ्तार। तस्करी में प्रयुक्त महिंद्रा पिकप, 10 किलो अफीम, 20 क्विंटल चावल व 14.5 क्विंटल आंगनबाड़ी द्वारा बच्चों के बीच निःशुल्क वितरण को आवंटित पौष्टिक मीठा दलिया पुलिस ने किया जप्त। डीएसपी मुख्यालय केदार राम में पत्रकारों को बताया कि इटखोरी अंचल अधिकारी राम विनय शर्मा और थाना प्रभारी निरंजन मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम को चतरा-चौपारण मुख्य पथ पर वाहन जांच के क्रम में सफलता मिली। आगे बताया कि सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा से कालाबाजारी कर तस्करी के लिए इटखोरी के रास्ते बाराचट्टी बिहार ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्कर गया के बाराचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत काहुदाग गांव का रहने वाला है। तस्कर को जेल भेज दिया गया। छापेमारी टीम में सीओ व थाना प्रभारी के अलावा पुलिस अवर निरीक्षक बंटी यादव शामिल थे।

स्कूली बच्चों पर गर्मी का सितम, बेहोश हुआ छात्र

गिद्धौर(चतरा)। कड़ी धूप व गर्मी का असर स्कूली बच्चों पर पड़ने लगा है। गुरुवार को गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय मंझगांवा तरी में छठी कक्षा का एक छात्र गर्मी से मूर्छित होकर गिर पड़ा। वहीं बालक के नाक से खून बहता देख शिक्षको के हांथ पांव फूलने लगे। शिक्षकों ने उसका प्राथमिक उपचार कराने के उपरांत घर भेजा। ज्ञात हो कि गर्मी का कहर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। स्कूल पहुंच रहे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। बुधवार गिद्धौर के एक निजी विद्यालय में 2 बच्चों की तबियत अचानक बिगड़ गई थी।

बिजली की अनियमित आपूर्ति से छात्र परेशान

नवीन मेल संवाददाता। महुआडांड़
प्रखंड में बिजली संकट गहराने लगा है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की अनियमित आपूर्ति एवं कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। कई घंटों तक बिजली गुल हो जाती है। उपभोक्ता कहते हैं कि आधी रात में बिजली आती है, वह भी दो या चार घंटे रहने के बाद कट जाती है। लंबे समय तक बिजली कटे रहने से उपभोक्ता एवं छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय तो जनरेटर के भरोसे चल रहे हैं। ज्ञात हो कि मैट्रिक, इंटर, नौवीं एवं आठवीं बोर्ड एग्जाम चल रहा है। छात्रों को पढ़ाई करने में दिक्कत हो रही है। वहीं बिजली

आधारित उपकरण बेकार साबित हो रहे हैं। छात्र सुदीप खलखो समेत अन्य छात्रों ने कहा कि परीक्षा चल रही है। ऐसे में पढ़ाई करना जरूरी हो जाता है। बिजली नहीं रहने के कारण हम मोमबत्ती एवं सोलर लाइट से पढ़ाई करने को मजबूर होते हैं। बिजली सप्लाई में खराबी होने को लेकर विभाग बताता है कि ब्रेकडाउन लोकल कोर्ट एवं मेंटेनेंस को लेकर बिजली आपूर्ति बाधित रहती है।

बच्चों के बीच कॉपी किताब का वितरण

बरवाडीह। नारायण सेवा समिति द्वारा प्रखंड की सुदूर चुंगरू पंचायत के होसिर भुइंया टोला में गुरुवार को जरूरतमंद स्कूली बच्चों के बीच कॉपी, किताब, कलम एवं ग्रामीणों के बीच धोती, साड़ी का वितरण किया गया। नारायण सेवा समिति अध्यक्ष निर्दोष कुमार व सतबरवा निवासी राम प्रसाद (श्रेया वस्त्रलोक) द्वारा उपलब्ध कराया गया कपड़ा व अन्य सामग्रियों का का वितरण किया गया।

पीएम आवास को जल्द पूरा करें

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह
प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना की महुआडाड के अनुमंडलीय पदाधिकारी नित निखिल सुरीन समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक के दौरान एसडीएम के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय, पीएम आवास के बीपीएम दीपक कुमार समेत सभी पंचायतों के मुखिया और पंचायत सेवक मौजूद रहे। बैठक के दौरान पंचायत वार समीक्षा करते हुए आवास निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त कर लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही जो लाभुक आवास निर्माण कार्य में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं

उनके खिलाफ कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करने का निर्देश बीडीओ को दिया। बैठक के दौरान बीडीओ द्वारा सभी पंचायत सेवक, मुखिया, सभी स्वयंसेवक को अपने-अपने क्षेत्र में आवास निर्माण कार्य का निरीक्षण करने और उसकी तस्वीर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही आवास निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही करने वाले पर कार्रवाई करने की भी बात कही। बैठक में प्रखंड समन्वयक मनजीत सिंह, मनरेगा बीपीओ मनीष शर्मा, मुखिया बिपिन सिंह, शतरोहन सिंह, वीरेंद्र सिंह, पूनम देवी, बुद्धेश्वर सिंह, पंचायत सेवक अरविंद कुमार, सर्वेश सिंह, रवि कांत रवि आदि मौजूद थे।

भूमि विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट, पांच घायल

बालूमाथ। थाना क्षेत्र के बसिया पंचायत अंतर्गत पिंडारकम ग्राम में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसमें पांच लोग घायल हो गए। घायलों में ग्राम निवासी संपती यादव की पत्नी सुषमा देवी, करमजीत यादव का पुत्र संपत्ति यादव, एवं राम अवतार यादव, करमजीत यादव की पत्नी देवंती देवी तथा रामदयाल यादव की पत्नी सरिता देवी शामिल हैं। घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर सुरेश कुमार द्वारा इलाज किया गया। इस मारपीट की घटना में उपरोक्त पांचों लोगों को सिर, पैर, हाथ और कई जगहों पर चोट लगी है। इस संबंध में दोनों ही पक्ष के लोगों द्वारा बालूमाथ थाने में मारपीट को लेकर अलग-अलग आवेदन दिया गया है।

कार्यक्रम पीएम तक राहुल गांधी के सवाल पहुंचाएंगे कांग्रेसी

युवा कांग्रेस का पोस्टकार्ड अभियान

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
कांग्रेस युवा प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज और प्रभारी दीनबंधु शर्मा के निर्देशानुसार गुरुवार को परिसदन भवन लातेहार में कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष अमित यादव के अध्यक्षता में पोस्टकार्ड अभियान का शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी रमन सिंह और प्रदेश महासचिव आफताब आलम ने शिरकत की। मौके पर प्रभारी रमन सिंह ने कहा कि पोस्टकार्ड के माध्यम से हमलोग पूरे जिले से राहुल गांधी की आवाज को प्रधानमंत्री के कानो तक पंहुचाने का काम करेंगे। आफताब आलम ने कहा कि जबतक राहुल गांधी के द्वारा पूछे गए सवाल कि अडानी के बीस हजार करोड़ कहां से आया नही बताते है तब तक हम सभी उनसे सवाल करते रहेंगे।

वहीं युवा जिलाध्यक्ष अमित यादव ने कहा कि पार्टी के द्वारा जो भी निर्देश मिलेगा हमलोग लागातार संगठन के हित में काम करेंगे। आज दोनो विधानसभा लातेहार और मनिका मे एक साथ यह कार्यक्रम शुरू किया गया। मनिका मे प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव के अध्यक्षता मे कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश पासवान मौजूद थे। उन्होंने कहा किपोस्टकार्ड के माध्यम से राहुल गांधी के सवालों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछने का काम किया गया और लागातार यह काम होता रहेगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव, विधानसभा उपाध्यक्ष संतोष रजक, प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद साजिद, मोहम्मद इमरान, बिजेंदर उरांव,मुख्तार, रासिद समेत कई लोग मौजूद थे।

एनटीपीसी को एपेक्स से मिला गोल्ड मेडल

टंडवा (चतरा)। टंडवा स्थित एनटीपीसी उत्तरी करणपुरा ईकाई प्रबंधन द्वारा सीएसआर में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एपेक्स इंडिया की ओर से उसे गोल्ड अवार्ड दिया गया। अवार्ड ईकाई के एजीएम एचआर अनिल चावला ने प्राप्त किया। प्रबंधन के अनुसार 11 अप्रैल को गोवा के ताज में आयोजित एक भव्य समारोह में संस्था की ओर से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा वर्ष 2022 में किए गए सामाजिक दायित्व के निर्वहन पर गहन अध्ययन किया गया। वहीं एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा किए गए कार्यों व विशेषज्ञों द्वारा एक वर्ष के प्राप्त आंकड़ों के गहन विश्लेषण के आधार पर एनटीपीसी उत्तरी करणपुरा को सर्वोच्च सफल प्रतिभागी घोषित किया।

लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने किया प्रदर्शन, पुतला फूंका

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह
राज्य सरकार के खिलाफ मंगलवार को रांची में आयोजित भाजपा के विरोध प्रदर्शन और सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान हुए लाठीचार्ज के खिलाफ बुधवार की शाम प्रखंड मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में पार्टी के जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक हरि कृष्ण सिंह, जिप सदस्य संतोषी शेखर समेत पार्टी के कई नेता शामिल हुए। प्रदर्शन स्वामी विवेकानंद चौक से निकल कर बस स्टैंड स्थित आंबेडकर चौक पहुंचा जहां पर हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटू राजा, प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी, उप प्रमुख बिरेंद्र जयसवाल, सांसद प्रतिनिधि दिलीप सिंह यादव, मुखिया कालो देवी,

मंडल महामंत्री प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष सुनील सिंह, दीपक तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज यादव, महामंत्री प्रवीण कुमार, पारस जायसवाल, हेमंत कश्यप आदि मौजूद रहे।

बालूमाथ में भाजपाइयों ने किया प्रदर्शन : बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित एनएच 22 के मुरपा मोर चौक पर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाह के नेतृत्व में मंडल महामंत्री रामकुमार गुप्ता एवं विजय यादव की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, ओबीसी जिला अध्यक्ष त्रिवेणी साहू, जिला कार्यसमिति सदस्य रविंद्र सिंह, पप्पू सिन्हा, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति अरविंद भगत, एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, भाजयुमो महामंत्री सूरज शाह, मंडल मंत्री अखिलेश भोक्ता, पूर्व ओबीसी जिला महामंत्री देवनंदन प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

NEWS इन ब्रीफ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कोरोना जांच शुरू

बानो। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो कोरोना जाँच आरम्भ कर दिया गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो मैं आने जाने वाले ग्रामीणों व मरीजों का कोरोना जांच की जा रही है। इसके पूर्व कोरोना मरीज मिलने पर किस तरह कार्य करना है। इसके लिए स्वस्थ्य विभाग द्वारा मोक ड्रिल भी किया गया। मालूम हो कि झारखंड में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने लगी है। मौके पर डॉक्टर असगर अली, सुरेंद्र उरांव, अशोक उरांव, गांधी बड़ाईक, पॉल मिंज, सहदेव सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

संपन्न हुई आठवीं बोर्ड की परीक्षा

बानो। एस एस हाई स्कूल बानो में जैक द्वारा आयोजित आठवीं की बोर्ड परीक्षा शांति पूर्व सम्पन्न हो गया। मालूम हो कि प्रखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में आठवीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई थीं। एसएस हाई स्कूल बानो केंद्र में संत थॉमस स्कूल बानो, कस्तूरबा गांधी आवसीय विद्यालय बानो, मध्य विद्यालय जराकेल, मध्य विद्यालय कनारोवां विद्यार्थियों ने परीक्षा दिया केंद्र में कुल 120 लोगो को परीक्षा देना था परंतु 4 विद्यार्थी अनुपस्थित पाए गए। मौके पर केंद्राधीक्षक अनन्त किशोर पण्डा ,डॉ संजय कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

वाहन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

बांसजोर। बांसजोर ओपी अंतर्गत तारका के चित्र टोली के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर देर रात 45 वर्षीय रमेश साव नामक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया जानकारी देते हुए ओपी प्रभारी विनोद उरांव ने बताया कि रमेश साव शौच के लिए घर से निकला था और इसी बीच सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया।

फांसी लगाकर महिला ने की आत्महत्या

जलडेगा। जलडेगा के ओड़गा ओपी अंतर्गत स्टेशन टोली के पास पेड़ में फांसी लगाकर 45 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली।महिला की पहचान एलिसा तोपनो के रूप में हुई घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया। महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी 2 वर्षों से बाहर रहकर काम करती थी।

जय भारत सत्याग्रह अभियान आयोजित

भंडरा। भंडरा प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को कचमची बाजार टाड़ में प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष जुगल भगत के नेतृत्व में जय भारत सत्याग्रह अभियान का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रभारी सामूल अंसारी के आलावे काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर चन्द्र उरांव, तबरेज मीरदहा, रंजन उरांव आदि मौजूद रहे।

हथियार के बल पर मां व बेटी को किया अगवा

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर

चैनपुर थाना क्षेत्र के डहुडड़गांव निवासी लिबिन कुजूर ने पत्नी व नाबालिक बेटी को अगवा कर लेने की शिकायत चैनपुर थाना में दर्ज कराई है। पीड़ित लिबिन कुजूर ने बताया कि मेरी पत्नी फिलसीता कुजूर (44) व नाबालिग बेटी अंजनी कुजूर 16 वर्ष को सोमवार की रात चैनपुर थाना क्षेत्र के लोरम्बा गांव निवासी साधन साय पिता स्वर्गीय दिनेश्वर साय के द्वारा मुझे धमकाते हुए हथियार के बल पर अगवा कर लिया। इस दौरान उसने कहा कि अगर इस बात की जानकारी किसी को दी तो तुमको भी जान से मार दूंगा। हथियार दिखाते हुए उसने मुझे काफी धमकाया। इस घटना के बाद मैं काफी डर गया था इस लिए घटना की जानकारी किसी को नहीं दे पाया। बाद में मैं काफी हिम्मत जुटाकर चैनपुर थाना आकर लिखित रूप से जानकारी देते हुए मेरी पत्नी हो नाबालिक बच्ची को वापस लाने की गुहार लगाई है।

जलडेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्रसव के दौरान महिला की मौत

परिजनों ने लगाया अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

आलोक कुमार, जलडेगा

जलडेगा प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्रसव के दौरान लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। यहां प्रसव के दौरान भितबुना निवासी सावित्री देवी, पति कृष्णा मांझी, नामक महिला की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को गर्भवती महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलडेगा में भर्ती किया गया। रात लगभग 10 बजे महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। महिला के साथ में गए परिजनों ने बताया कि लेबर रूम में नर्सों ने सही से देखभाल नहीं की, बच्चा खुद से जन्म ले चुका था और नर्स बाद में आई। महिला के शरीर से काफी खून भी बहा। रात भर किसी तरह महिला ठीक रही लेकिन अगले दिन बुधवार को सुबह उसकी स्थिति खराब होते गई। उसे तुरंत 108 के माध्यम से सिमडेगा रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही महिला की मौत हो गई।

परिजनों ने सांसद प्रतिनिधि सुजान मुंडा से मुलाकात कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद सुजान मुंडा ने तुरंत अस्पताल जाकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमित तिर्की से मामले की जानकारी ली और घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की लापरवाही से नवजात शिशु को जन्म देने के बाद मां की मौत हो गई। मामले की जांच होनी चाहिए और दोषियों पर प्रशासन को करवाई करनी होगी। बता दें कि महिला का पति कृष्णा मांझी अपने दो अन्य बेटियों को उसकी मां के भरोसे छोड़कर बाहर काम करने गया था। वह देर रात घर पहुंचा लेकिन वो अपनी पत्नी से अंतिम मुलाकात भी नहीं कर सका। लोग उसे हिम्मत दे रहे हैं, परिवार की स्थिति भी काफी खराब है इसलिए दोनों बेटियां भी अभी तक स्कूल से वंचित हैं। मां किसी तरह मजदूरी कर के बेटियों का भरण पोषण करती थी लेकिन अब वो भी नही रही। इधर नवजात शिशु को पालन पोषण और देखभाल के लिए बिरमित्रपुर के अपने किसी रिश्तेदार के यहां दे दिया गया है।

आजसू पार्टी ने लोहरदगा में निकाला न्याय मार्च, कहा

जिलों के आरक्षण तय करने को जातीय जनगणना जरूरी

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड की जनभावना और बड़ी आबादी के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आजसू पार्टी के राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत लोहरदगा आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष ओम भारती के नेतृत्व में न्याय मार्च निकाला गया। इस न्याय मार्च मैं बतौर मुख्य अतिथि आजसू महिला मोर्चा की केंद्रीय उपाध्यक्ष सह लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत उपस्थित थे। न्याय मार्च की शुरुआत आजसु पार्टी कार्यालय से हुई व जिला मुख्यालय में आकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। न्याय मार्च में आजसू पार्टी के जिला के सभी पदाधिकारी केंद्र के पदाधिकारी महिला मोर्चा के पदाधिकारी सभी प्रखंडों के पदाधिकारी सहित काफी संख्या में आजसू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कहा कि इस यात्रा के जरिए पार्टी राज्य सरकार को सचेत भी करती है कि उलझन पैदा करने की वजह क्षेत्र में शीघ्र निर्णायक कदम उठाए आजसू पार्टी राज्य में अविलंब खतियान आधारित नियोजन नीति बनाकर सरकारी पदों को भरने की मांग पर जोर देती है। झारखंड में जिलों के आरक्षण तय करने के लिए जातीय जनगणना का होना जरूरी है। यह जातीय जनगणना बहुप्रतीक्षित मांग है।सरकार इसे अविलंब पूरा करें। सामाजिक यात्रा के माध्यम से आजसू पार्टी सरकार को सरना कोड लागू करने की मांग एक बार फिर करती है। झारखंड में आंदोलनकारियों का मान सम्मान सुविधाएं प्राप्त परिश्रम और फ्रीडम फाइटर का दर्जा देने की पुनः मांग करती है। मौके पर केंद्रीय सचिव लाल गुडडू नाथ साहदेव, सूरज अग्रवाल, अरविंद यादव, राजू गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष राम नारायण प्रसाद, विलियम कुजुर, महिला जिला अध्यक्ष अनीता साहू, केंद्रीय महिला प्रवक्ता अंजू देवी, नगर अध्यक्ष अशोक साहू, शाहिद अंसारी, नरेश साहू, विश्वनाथ उरांव, परमेश्वर महतो, पुष्पा देवी सहित आजसू पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ट्रांसफार्मर में लगे हाईटेंशन तार को छूने से युवक की मौत

जलडेगा। थाना क्षेत्र के पतिअम्बा सराई टोली के मैदान में लगे ट्रांसफार्मर में लगे हाईटेंशन तार को छूकर गांव के ही 19 वर्षीय लड़के ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक की पहचान नितेश सुरीन, पिता किशोर सुरीन, उम्र 19 वर्ष के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही जलडेगा थाना प्रभारी हीरालाल महतो, एएसआई जयनाथ राम दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया। इस बीच पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों से घटना से संबंधित जानकारी ली। ग्रामीणों के मुताबिक घटना के वक्त आसपास कोई नहीं था सब अपने अपने दैनिक दिनचर्या में व्यस्त थे। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि युवक ने शराब का सेवन किया था एवं उसका मानसिक संतुलन भी सही नहीं था। ग्रामीणों ने कहा कि सराई टोली के लोग हमेशा जिंदगी को ताक में रखकर बिजली उपभोग कर रहे हैं। बिजली सप्लाई की पुरी व्यवस्था जमीन पर स्थापित कर गांव में संचालित किया जाता है। ट्रांसफार्मर और हाईटेंशन लाइन के निचे खेल मैदान होने के कारण लोगों का हमेशा जमावड़ा लगा रहता है। ग्रामीणों ने विद्युतीकरण के अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर स्थापित करने की मांग किया है।

चेकडेम निर्माण के दौरान दलदल में फंसी पोपलेन

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा-लोहरदगा

कंडरा कोयल नदी में चेकडैम निर्माण कार्य के दौरान पोपलेन मशीन दलदल में फंस गई। हालांकि गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। दलदल से मशीन निकालने का प्रयास जारी है।

सेन्हा थाना क्षेत्र के बुटी पंचायत स्थित कंडरा कोयल नदी में करोड़ो की लागत से चेकडैम निर्माण कार्य पीएचडी विभाग द्वारा कराया जा रहा है। बता दें कि नलजल योजना के तहत बुटी पंचायत सहित अन्य पंचायत में जलमीनार भी निर्माण कराया गया है। जहां पानी की सप्लाई कंडरा कोयल नदी से किया जाएगा। जिसको लेकर चेकडैम निर्माण कार्य प्रगति पर है। परंतु निर्माण के दौरान ट्रेंच कटिंग के क्रम में पोप्लेन मशीन दलदल में फंस गया। जिसे कोई खतरा नही हुआ। बताया जाता है कि ट्रेंच कटिंग कर मशीन निकाल ने के दौरान मिट्टी गिरने से दलदल हो गया था। और मशीन का चैन उतरने से दलदल में फस गया। मशीन के दलदल में जाते ही ऑपरेटर अपनी सूझबूझ का परिचय दे लगतार मशीन को निकालने का प्रयास करता रहा। परन्तु ऐसे समय में सोचने समझने की क्षमता विफल हो जाता है। उसके बाबजूद जेसीबी मशीन गए दलदल से गाड़ी निकालने को लेकर प्रयास जारी है। परंतु गाड़ी को निकालने में सफलता नहीं मिली। ऑपरेटर एवं संवेदक के द्वारा गाड़ी निकलने का वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

कार्रवाई : 24 वाहनों पर किया 40 हजार जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता। कुडू

जिला परिवहन पदाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर परिवहन विभाग के कर्मियों के द्वारा बुधवार को कुडू थाना गेट के समीप सघन रूप से वाहनों की जांच का अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य रूप से वाहनों के संबंधित कागजात इंश्योरेंस, ऑनर बुक, चालक के लाइसेंस एवं हेलमेट की जांच की गई।

अभियान में मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा प्रबंधक अमृतेश्वर गिरी, रोड सेफ्टी इंजीनियर अमरेश कुमार, आईटी सहायक दुलार कुजूर और कुडू थाना पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे। सड़क सुरक्षा प्रबंधक अमृतेश्वर गिरी ने बताया कि बिना कागजात, बिना हेलमेट के आज करीब दो दर्जन वाहनों को पकड़ा गया। इनमें कई का चलान काटा गया और 40 हजार जुर्माना वसूला गया। जिले में वाहन जांच अभियान लगातार चलाया जाएगा।

चैनपुर मध्य विद्यालय का किया गया निरीक्षण

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय सिलफरी का निरीक्षण गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. शिशिर कुमार सिंह एवं अंचलाधिकारी गौतम कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय पठन पाठन सहित स्कूल यूनिफॉर्म, मिड डे मील टीचरों की उपस्थिति, बच्चो की उपस्थिति, स्कूल प्रांगण में सहजन का पौधा, करी पत्ता का पौधा आदि की जांच की गई। इस दौरान बीडीओ श्री सिंह ने स्कूली बच्चों से कहा कि यदि ईमानदारी पूर्वक लक्ष्य निर्धारित किया जाए एवं अभी से ही नियमित पढ़ाई की जाए तो निश्चित रूप से लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने बच्चों को कछुए और खरगोश की प्रचलित दौड़ प्रतियोगिता संबंधित कहानी सुनाई।

बीडीओ ने जलप्रपात का दौरा कर सुंदरीकरण का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित धरधरिया जलप्रपात स्थल का भ्रमण कर प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा ने जायजा लिया। जानकारी के अनुसार बता दें कि धरधरिया जलप्रपात सुंदरीकरण कार्य पूर्व से विशेष प्रमंडल के माध्यम से संवेदक द्वारा कराया जा रहा है। उसके बाबजूद धरधरिया जलप्रपात स्थल में और भी बेहतर सुंदरीकरण को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण के निर्देश पर स्थल का जांच किया गया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में धरधरिया जलप्रपात चर्चित स्थल है। जहां लोग दर्शन के लिए लोग दूर दूर से आते जाते रहते है। जिसे देखते हुए सुंदरीकरण पर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट हुआ है। सैलानियों का घूमने का सुविधा एवं यातायात पर भी ध्यान दिया जाएगा। बताते हुए बीडीओ ने कहा की धरधरिया जलप्रपात जाने वाला पथ काफी जर्जर हो चुका है। इसका निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन समर्पित किया जाना है, जिससे धरधरिया जलप्रपात की सुंदरता में निखार आए।

बिजली बिल वसूली के लिए लगेगा कैंप

कैरो / लोहरदगा। बिजली विभाग के द्वारा राजस्व वसूली को लेकर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में 17 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक कैम्प लगाया जाएगा। जहां पर उपभोक्ता जाकर अपना अपना बकाया बिजली बिल जमा कर सकते हैं।कैरो पावर ग्रिड के मजूल अंसारी ने बतलाया कि दिनांक 17 अप्रैल को गराड़ीह,18 अप्रैल को बंडा,19 अप्रैल को एडादोन,20 अप्रैल ख्वास खिजरी,21 अप्रैल को नगजुआ,22 अप्रैल को ख्वास अम्बवा,23 अप्रैल को नरौली,24 अप्रैल को गितिलगढ़,25 अप्रैल को हनहट,26 अप्रैल को लापुर,27 अप्रैल को गजनी,28 अप्रैल को हुदु,29 अप्रैल को चाल्हो और 30 अप्रैल कैरो में कैम्प लगाया जाएगा।

मांग | सड़क निर्माण कार्य में ली जा रही जमीन के बदले में भुगतान हो

मुआवजा : ग्रामीणों ने विधायक संग की बैठक

नवीन मेल संवाददाता। कोलेबिरा

प्रखंड के अधर्मा में पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से बन रहे सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी की मौजूदगी में बैठक का आयोजन किया। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य में जमीन दबाया जा रहा है और उस जमीन के बदले में नियम के अनुसार हमें मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

विधायक ने कोलेबिरा अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को भी बैठक में बुलाया और उन्होंने कहा कि संवेदक एवं विभाग मिलकर जमीन को सड़क में दबा रहे हैं जबकि ग्रामीण बार-बार इस बात को कह रहे हैं कि हम लोग का जमीन सड़क में लिया जा रहा है। उससे पहले अधिग्रहण का मुआवजा मिले उसके बाद ही कार्य हो। ग्रामीणों ने कहा कि विभाग कार्य करें हम मना नहीं करेंगे परंतु पहले भुगतान दी जाए उसे दिन तय हुआ था कि विभागीय अधिकारी संवेदक और विधायक के साथ बैठक होगी तब जाकर शाम शुरू किया जाएगा, किंतु फिर भी यह लोग काम कर रहे हैं और मना करने पर धमकाया जा रहा है। ग्रामीणों की बातों को सुनने के बाद विधायक ने समिति के कर्मचारियों को फटकार लगाई उन्होंने कहा कि सरकार 2013 एवं 2017 में भूमि अधिग्रहण विधेयक लाकर स्पष्ट कर दिया है कि सरकार किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य में भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू करने से पहले 80 प्रतिशत तक की राशि भुगतान करने के बाद ही काम करा सकेंगे, परंतु जैसा कि अंचलाधिकारी कोलेबिरा का कहना है कि अभी तक हम लोगों को विभाग की जानकारी नहीं दी गई है और ना ही अभीयाचना किया गया है फिर किस हिसाब से काम शुरू हो गया है जबकि विभाग और संवेदक को समझना चाहिए कि यह जमीन आदिवासियों की जमीन है और आदिवासी को डरा धमका कर कार्य करने पर एसटी एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज हो सकता है और 6 महीना का जेल भी होगा। उन्होंने संवेदक से कहा है कि विभाग के स्तर पर कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को मुआवजा मिले उसके बाद कार्य शुरू करें। बैठक में जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद समी आलम, रावेल लकड़ा, श्यामलाल प्रसाद, सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, सुनील खड़िया, राकेश कोनगाड़ी, जमीर अहमद उर्फ प्रिंस, जमीर हसन आदि उपस्थित थे।

एसके सेवन स्टार्स अकादमी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

स्वामी करपात्री सेवन स्टार्स अकादमी मसमानो विद्यालय परिसर में चौथा वार्षिक खेलकूद का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रांची सेवन स्टार्स अकादमी के निदेशक बिन्देश्वर उराव उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथिओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, जलेबी रेस, बिस्कुट रेस, रीले रेस, जमपिंग रेस, ऊँची कूद, लम्बी कूद, कंगारू रेस, बेक रेस, बैलून रेस, वन लेग रेस, 3 लेग रेस, केला ईटिंग रेस, चम्मच रेस, सुई धागा रेस, थिंग्स कॉलेक्टिंग रेस, वाटर बॉटल फिलिंग रेस, इत्यादि खेलों का आयोजन धूमधाम से किया गया। अंत में सभी प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं संतावाना स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को अतिथियों द्वारा मेडल, सील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । सबसे अधिक ममता उराव ने 8 मेडल, अरबिन्द महतो ने 7 मेडल एवं आर्यन साहू ने 5 मेडल जीता और शेष बच्चों ने दो, तीन तो कोई चार मेडल प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राचार्य नंदन कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रमोद उराव, स्वामी जी, अभय महतो, आशुतोष राम, रामकेश्वर साहू, विनय राम, बबलू उराव, संजय पाण्डेय, संतोष उराव, कंचना सरोज, सुषमा देवी, सुनीता देवी, संगीता देवी, जीवन साहू तथा सभी अभिभावक गण एवं ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

शेयर बाजार में आई तेजी

एजेंसी। मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (13 अप्रैल) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 38 अंक की बढ़त के साथ 60,431 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 15 अंकों की तेजी रही। यह 17,828 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली। लगातार 9वें दिन शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है। आज अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 6 में गिरावट और 4 में तेजी देखने को मिली। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1.20% चढ़ा। एनडीटीवी के शेयर में 2% की तेजी रही। एसीसी और अडाणी पोर्ट्स में भी तेजी देखने को मिली। अडाणी टोटल गैस के शेयर में 2% से ज्यादा की गिरावट रही। अंबुजा सीमेंट, अडाणी ट्रांसमिशन, विल्मर, पावर और ग्रीन एनर्जी के शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली। इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी लाइफ, आयशर मोटर्स, अपोलो हॉस्पिटल, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, ब्रिटानिया और कोटक बैंक समेत निफ्टी-50 के 29 शेयरों में तेजी रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, टीसीएस, बीपीसीएल, विप्रो, डिविस लैब और सन फार्मा समेत निफ्टी के 20 शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION, DALTONGANJ

Tender Reference No. BCD/DALTONGANJ DIV/27/2022-23

NOTICE INVITING QUOTATION

Sealed Quotation are hereby invited from registered & experience agency/forms for supply of (i) Proposed Up-Gradation of Pandit Deendayal Upadhyay Smriti Bhawan (Auditorium) at Medininagar, Palamu. (Part-I) and (ii) Proposed Up-Gradation of Pandit Deendayal Upadhyay Smriti Bhawan (Auditorium) at Medininagar, Palamu. (Part-II) with all fitting and equipment with all labour charge and accessories. the completed Quotation will be received on 20.04.2023 up to 1:00 Pm in the Office of the Executive Engineer, Building Construction, Division, Daltonganj and S.E Office-2 at Ranchi and Same will be opened on the 24.04.2023 up to 3:00 Pm in the Office of the E.E B.C.D Daltonganj.

Detail Terms and Condition of Tender may be seen at www.jharkhand.gov.in *& office notice board.*

Executive Engineer
Building Division, Daltonganj

PR 295130 Building (23-24)_D

झारखण्ड सरकार
जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद्, गढ़वा

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सं0– ZP/GARHWA/01/2022–23 (2nd call)

1. कार्य का नाम :– 15वें वित्त आयोग मद

क्र0 सं0	प्रखण्ड का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (राशि लाख में)	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	नगर उंटारी	ग्राम–कुम्बाखुर्द में स्वास्थ्य उप केन्द्र भवन का निर्माण।	55.50	10000.00	111000.00	6 माह

2वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–15.04.2023
3ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 25.04.2023
4जिला परिषद कार्यालय में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, शपथ–पत्र की मूल प्रति एवं Bank Certificate की मूल प्रति जमा करने की तिथि एवं समय–26.04.2023 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
5निविदा खोलने की तिथि एवं समय–28.04.2023 को 3:00 बजे
6निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, गढ़वा।
7ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या– मो0 नं0–7004019730
8निविदा शुल्क भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में जिला अभियंता, जिला परिषद, गढ़वा के पक्ष में भुगतेय होगा, जो लौटायी नहीं जायेगी।
9निविदादाता को UCAN Registration की छाया प्रति अपलोड करना अनिवार्य है।
10एनेक्चर–02 में दिये गये प्रपत्र में ही शपथ–पत्र देना होगा।
11प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है।
12भवन प्रमण्डल एवं जिला परिषद से निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं।

विस्तृत जानकारी के लिए Website :- www.Jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, गढ़वा

PR 295103 (Rural Development)23-24*D

NETARHAT RESIDENTIAL SCHOOL, NETARHAT
P.O- NETARHAT, DISTRICT- LATEHAR
(An Autonomous Institution under School Education & Literacy Deptt., Govt. of Jharkhand)

Enquiry No- 495 **RE- INVITING QUOTATION NOTICE** Dated- 13.04.2023

Netarhat Residential school is an autonomous institution under the School Education & Literacy Department, Government of Jharkhand, invites sealed quotations for the purchase of two new latest model Scorpio (For Samiti camp Office Ranchi & Principal Office Netarhat) from reputed registered dealer of Mahindra & Mahindra Limited. The model details are as follows:

- Z6 Diesel MT 2WD 7STR (White Colour)
- Z4 Diesel MT 2WD 7STR(White Colour)
- Z4 Diesel MT 4WD 7STR(White Colour)
- Z8 Diesel LD MT 2WD 7STR (White Colour)

Interested dealer may submit their quotation with all specification and detail brochure at Netarhat Vidyalaya Samiti, MDI Building, Project Bhawan, Dhurwa, Ranchi- 834004 on or before dated 24.04.2023 till 04.00 P.M.

In the case of any query, one may contact: Dr. S.K. Singh, Principal, Contact No- 91-6201750198, Email id- principal.netarhat@gmail.com

Sd/-
Principal, Netarhat Residential School,
Cum Member Secretary Netarhat Vidyalaya Samiti

PR 295118 Human Resource Developement(23-24)#D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the
General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj / e-mail : gmtzdal@gmail.com

e- Short Tender Notice

e-NIT No.- 20 /PR/ JUSNL/ 2023 – 24

e- Short Tender in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following works :-

Name of Work	Annual maintenance of GSS, Line and housekeeping work at 132/25KV Railway TSS Nagar untari for the period from 16.05.2023 to 31.03.2024.
Period of Work	16.05.2023 to 31.03.2024
Tender fee (Nonrefundable)	**Rs.2,950.00/-** (in the form of DD in favour of "**Accounts Officer, Transmission Zone -IV, Daltonganj payable at Daltonganj**".
Earnest Money Deposit	**Rs.28,700.00/-** in form of DD in favour of "**Accounts Officer, Transmission Zone -IV, Daltonganj payable at Daltonganj**".
Start Date and time of downloading of tender documents	**13.04.2023 at 03:00 PM**
Start Date and time of upload of BID	**13.04.2023 at 04.00 PM**
End date and time of upload of BID	**26.04.2023 upto 04.00 PM**
Last date of submission of hard copy of bid, tender cost and EMD in the office of General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar (Daltonganj)	**27.04.2023 upto 05.00 PM**
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	**28.04.2023 at 12.00 PM**
BID Opening date for price part	**Will be communicated later on**
Tender Inviting Authority and address for communication	**General Manager, Transmission Zone -IV, Medininagar, New transmission colony, Bypass road, Sudna, Daltonganj, Pin Code – 822101 (Jharkhand).**

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Please contact **9771850485** for any enquiry.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 295087 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd) 23-24 (D)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVSION, DALTONGANJ.

CORRIGENDUM

Tenders Postponed vide PR No.- 292876 (Building) 22-23*D has been Group No.- 27 to 50 reinvited.

Date of Receipt of the tenders will be 17.04.2023 Time 1:00 PM and the Opening of the tenders will be 18.04.2023 Time 3:30 PM

Rest will be as usual.

Executive Engineer,
Building Division, Daltonganj.

PR.NO.295135 Building(23-24):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
एन०आर०ई०पी०, चतरा

ई-अति अल्पकानीन् पुनर्निविदा आमंत्राण सूचना

ई–पुनर्निविदा सूचना संख्या– Ref No: EE/NREP/CHATRA/11/2022-23-RE-1 दिनांक– 13.04.2023

1. मद का नाम : DMFT योजना अन्तर्गत:–

क्र॰ सं॰	ग्रुप संख्या	प्रखंड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	03	टण्डवा	बहेरा	कारो	उ0म0वि कारो की चाहर दीवारी निर्माण एवं सौंदर्यीकरण।	1625436.00	32600.00	5000.00	3 माह
						1625436.00	32600.00	5000.00	

2. वेबसाइट में ई–पुनर्निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.04.2023
3. ई – पुनर्निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय –03.05.2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक
4. (i) एन॰आर॰ई॰पी॰, चतरा एवं (ii) जिला नियंत्रण कक्ष, चतरा में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit जमा करने की अंतिम तिथि 04.05.2023 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे तक।
5. ई–पुनर्निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 06.05.2023 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–पुनर्निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियंता एन॰आर॰ई॰पी॰ चतरा
7. ई– पुनर्निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं॰ – 7979730487 (संबंधित कनीय अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. ई– पुनर्निविदा शूल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम/एकाउण्ट से ही निर्गत बैंक ड्राप्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, एन॰आर॰ई॰पी॰ चतरा के पक्ष में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।
9. Ucan Registration फोटोकॉपी Upload करना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी के लिये बेवसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
10. परिमाण–विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता
एन॰आर॰ई॰पी॰, चतरा

PR 295085 NREP (23-24)_D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, चतरा

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

उपरोक्त सुखदेवनगर (पण्डरा ओ0पी0) थाना कांड सं0–126/2016, दिनांक–01.03.2016, धारा–364(ए)/ 302/ 201/120(बी)/34 भा0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट के अप्रा0 अभि0 निर्मल कुमार महतो, पे0–धनेश्वर महतो, सा0–बरवा टोला, महुआ खोंचा, बडगाँव, थाना–टंडवा, जिला चतरा का द0प्र0सं0 की धारा–82 के अन्तर्गत माननीय न्यायालय से इस्तेहार निर्गत किया गया है।

Court of Sri kr. Saurabh tripathi
J.M-III, Ranchi

Schedule XLIII- High Court(M) 31c, [Old Crimina Process No.4]

PROCLAMATION REQUIRIND THE APPEARANCE OF A PERSON ACCUSED SUKHDEV NAGAR(PANDRA O.P)-126/2016

[From No.4 Schedulle II Act 2 1974] (Section 82 of the code of criminal procedure.)

1. नाम व शिाला पता	चूकीं मेरे पास नालिश की गई है(1)
Nirmal Kumar Mahto S/o- Dhaneshwar Mahto, Vill- Barwa Tolla, Bargaon, P.S-Tandwa, Dist-Chatra	
2. किया है या करने का उसपर शुवहा है।	जो व–मुजिब दफा के सजा लायक है(2)
3. नाम	और व–तामीला वारन्ट गिरफ्तारी जो बाद अर्जा जारी हुआ वा यह कैफियत दी गई है कि(3)
4. फरार हुआ है या रूपोश है	ताके वारन्ट मजकुर उसपर जारी पाये नही जाते है और चूंकि ब–तशफ्फी हमारे साबित किया न हो सके गया है कि(3) जब
5. मोकाम।	U/S-364(A)/302/201/120(B)/34 IPC & 27 Arms Act मजकुर इसलिए बजरिये इस के इश्तिहार दिया जाता है कि मजकुर साकिन ब–मोकाम(5)
6. इस अदालतव रूबरू मेरे	अ–हजुर(6)
	ब–तारीख **22.05.2023** माह नालिश–मजकुर करे जवाब देही के लिए हाजिर हो आज तारीख **31.03.2023** माह सन् Sd- Sri Kr. Saurabh Tripathi J.M, III, Ranchi

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि अप्रा0 अभि0 निर्मल कुमार महतो कही मिलते/दिखते है तो इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय/Court of Sri Kr. Saurabh Tripathi J.M, III, Ranchi के न्यायालय में इसकी सूचना दे या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी जानकारी दे।

पुलिस अधीक्षक चतरा – 9431706359
पुलिस उपाधीक्षक(मु0) – 9431706360
डी0सी0बी0 प्रभारी चतरा – 9315853606

पुलिस अधीक्षक, चतरा।

PR.NO.295078 Police(23-24):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।

कार्यालय आदेश

PR No – 290164/22-23_D

ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज के अधीन ई0–पुनर्निविदा संख्या–06/2022-23/EE/RWD /DALTONGANJ, दिनांक 13.02.2023 के द्वारा आमंत्रित प्रखंड–विश्रामपुर, पंचायत–सिगसिगी, ग्राम–सिगसिगी में मुख्य पथ से अस्पताल तक PCC पथ निर्माण कार्य के निविदा को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।

PR 295123 Rural Work Department(23-24)D

कार्यालय, गढ़वा नगर परिषद्, गढ़वा

पत्रांक:..... दिनांक.....

शुद्धि-पत्र

कार्यालय नगर परिषद गढ़वा के द्वारा GNP/RFP-01/2022-23 2nd Call (Construction & Commissioning of Fecal Sludge Treatment Plant of Capacity 17 KLD at Garhwa town (Jharkhand) followed by Operation and Maintenance including desludging operations for 5 years) का सूचना प्रकाशित किया गया था, जिसका PR No.293771 Urban Development (22-23)#D है। उक्त ई–निविदा को अगले आदेश तक अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद गढ़वा

PR 295089 Urban Development (23-24)_D

कार्यालय नगर परिषद,गढ़वा
E-mail- eo.gharhwa.np@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद गढ़वा क्षेत्रान्तर्गत निजी रुप से संचालित करने वाले बोरिंग वाहन एवं सेप्टिक टैंक वाहन नगर परिषद, कार्यालय गढ़वा मे अपना पंजीकरण 25000.00 (पच्चीस हजार रुपये मात्र) जमा करते हुये सुनिशिचित करें एवं अपना पंजीकरण छः माह के उपरांत नवीनीकृत करें अन्यथा आपके विरुद्ध झारखण्ड नगर पालिका अधिनियम 2011 के तहत कार्रवाई की जायेगी साथ ही आपके वाहनो को जब्त भी कर लिया जायेगा।

आम नागरिक बोरिंग कराने हेतु 1000/–शुल्क कार्यालय मे जमा करे साथ ही पंजीकृत वाहन से ही बोरिंग करवाना सुनिशिचित करें। सेप्टिक टैंक साफ करवाने हेतु प्रति ट्रिप 3500/–शुल्क जमा करते हुये अपना कार्य निष्पादन करवायें।

ह0/–
कार्यापालक पदाधिकारी,
नगर परिषद, गढ़वा

PR 295092 Urban Development(23-24).D

कार्यालय प्रभारी न्यायाधीश, प्रशासन, व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा

अल्पकालीन नीलामी सूचना

माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा, झारखण्ड के कार्यालय में निश्प्रायोजित वाहन संख्या कमशः एम्बेसडर क्लासिक जिसका विवरण निम्नांकित है, की नीलामी (जहां है जैसा है) दिनांक 01.05.2023 को ग्याहर बजे पूर्वाहन मे व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा, झारखण्ड प्रक्षेत्र के सभाकक्ष मे की जायेगीं।

कम संख्या	कार्यालय का नाम	वाहन का विवरण	संख्या	सुरक्षित मूल्य (रूपये मे)
1	प्रधान जिला न्यायाधीष, लोहरदगा, झारखण्ड	एम्बेसडर क्लासिक	जेएच08बी1800	35,000/– (पैंतिस हजार रूपये)
2	प्रधान जिला न्यायाधीष, लोहरदगा, झारखण्ड	एम्बेसडर क्लासिक	जेएच08बी0801	32,000/– (बत्तीस हजार रूपये)
3	प्रधान जिला न्यायाधीष, लोहरदगा, झारखण्ड	एम्बेसडर क्लासिक	जेएच08ए0018	20,000/– (बीस हजार रूपये)

नीलामी हेतु इच्छुक व्यक्ति, संस्था इस निलामी मे भाग ले सकते है। नीलामी मे भाग लेने हेतु मो0 5,000/– (पांच हजार रूपये) सुरक्षित राशि के रूप मे जमा करना होगा। जिसे नीलामी के बाद वापस कर दी जायेगी। सफल बोली लगाने वाले को राशि तत्काल जमा करनी होगीं एवं वाहन का उठाव तीन दिनो के अंदर करना होगा तथा साथ ही साथ उपरोक्त वाहनो की सफल बोली लगाने वाले यदि उपरोक्त वाहन परिचालन हेतु प्रयोग करना चाहेंगे तो उन्हें वाहनो का नवीन पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।

विस्तृत जानकारी के लिए lohardagajudgeship@gmail.com पर देखी जा सकती है।

प्रभारी न्यायाधीश, प्रशासन
व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा

PR295127 (Lohardaga)23-24*D

कार्यालय, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा।

(अल्पकालीन निविदा विज्ञापन)

वित्तीय वर्ष 2018–19 में विशेष केन्द्रीय सहायता (SCA to TSS) मद के तहत Livelihood enhancement through livestock intensification (Poultry) योजनान्तर्गत लोहरदगा जिला के लिए विभागीय आवंटन संख्या– 242, दिनांक 27.08.2018 एवं आवंटन संख्या– 302, दिनांक 30.11.2018 के द्वारा प्राप्त आवंटन की अवशेष राशि 92,85,736.00 (बानबे लाख पचासी हजार सात सौ छत्तीस) रूपये से लोहरदगा जिला के प्रखण्ड– किस्को, पंचायत– पाखर में 110 (एक सौ दस) Poultry शेड का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए गैर सरकारी संस्था/महिला मण्डल संकुल संगठन (CLF) ग्राम संगठन (VO) आदि से शेड निर्माण हेतु मुहरबन्द निविदा दिनांक 29.04.2023 के 12:30 बजे अपराह्न तक कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में आमंत्रित किया जाता है।

पंचायत– पाखर के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 01 Unit Poultry शेड निर्माण का लागत 44,080.00 (चौवालीस हजार अस्सी) रूपये है। पंचायत के पहाड़ी क्षेत्रों को छोड़कर शेष का 01 Unit Poultry शेड का लागत 39,375.00 (उनचालीस हजार तीन सौ पचहत्तर) रूपये मात्र निर्धारित है।

निविदा से संबंधित शर्त लोहरदगा के वेबसाईट www.lohardaga.nic.in एवं आई0टी0डी0ए0, लोहरदगा के सूचना पट्ट में देखा जा सकता है। निविदा का निस्तारण दिनांक 29.04.2023 को 3:00 बजे अपराह्न परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0, लोहरदगा के सभा कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष किया जाएगा। निविदा का तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड का लिफाफा अलग–अलग होगा। तकनीकी बीड सही पाये जाने पर ही संबंधित निविदादाता का वित्तीय बीड का लिफाफा खोलकर निविदा का निस्तार किया जाएगा।

जिला कल्याण पदाधिकारी,
लोहरदगा।

परियोजना निदेशक,
आई0टी0डी0ए0, लोहरदगा।

PR 295072 Lohardaga(23-24)D

कार्यालय जिला परिषद,पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– CEO/ZP-02/2023-24

वित्तीय वर्ष 2021–22 में 15वें वित्त आयोग आबद्ध/अनाबद्ध निधि अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार जिला परिषद, पलामू में निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है:–

1	विज्ञापन दाता का नाम	:– उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:– दिनांक 20.04.2023 को अपराह्न 3:30 बजे तक
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि	:– दिनांक 21.04.2023 (अपराह्न 2:00 बजे तक)
4	निविदा खुलने की तिथि	:– दिनांक 21.04.2023 (अपराह्न 3:00 बजे)
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:– जिला परिषद कार्यालय, पलामू।
6	निविदा प्राप्ति/जमा करने का स्थान	:– जिला परिषद कार्यालय, पलामू।
7	निविदा खोलने का स्थान	:–कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
8	कार्य की विस्तृत विवरणी	:–

ग्रुप क्र0	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Group-I	सदर मेदिनीनगर उतरी	सरजा	तरवा टोली	मोहन साव के घर से सत्येन्द्र साव के घर तक 200 फीट ढक्कन सहित ड्रेनेज चैनल का निर्माण।	427000.00	10500.00	2500.00	3 माह
Group-II	हैदरनगर	चौकडी	चौकडी	राजयकीय मध्य विद्यालय चौकडी में पेयजल सुविधा का निर्माण।	623400.00	12500.00	2500.00	3 माह
Group-III	हैदरनगर	हैदरनगर	हैदरनगर	प्रखण्ड हैदरनगर में सौर उर्जा आधारित पेयजलापूर्ति योजना।	623400.00	12500.00	2500.00	3 माह
Group-IV	पाण्डू	पाण्डू	पाण्डू	प्रखण्ड पाण्डू में सौर उर्जा आधारित पेयजलापूर्ति योजना।	623400.00	12500.00	2500.00	3 माह
Group-V	पाटन	पाटन	पाटन	प्रखण्ड पाटन में सौर उर्जा आधारित पेयजलापूर्ति योजना।	623400.00	12500.00	2500.00	3 माह
Group-VI	नौडीहा बाजार	नौडीहा बाजार	नौडीहा बाजार	प्रखण्ड नौडीहा बाजार में सौर उर्जा आधारित पेयजलापूर्ति योजना।	623400.00	12500.00	2500.00	3 माह

निविदा की शर्तें www.palamu.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू

PR 295110 District(23-24).D

मदरसे में आर्म्स..

आये दिन देखा जा रहा है कि हमारे शिक्षण संस्थान अपनी दिशा से भटकते जा रहे हैं। स्कूल और मदरसों में पढ़ाई की जगह कई असामाजिक गतिविधियों का संचालन हो रहा है। धर्म के नाम पर लोगों को बरगलाया जा रहा है। पढ़ाने वाले शिक्षक पहले की तरह नहीं रहे। यही कारण है कि हर जगह शिक्षा के क्षेत्र में गिरावट देखने को मिल रहे हैं। बहरहाल पलामू जिले के पिपराताड़ थाना क्षेत्र के एक मदरसा से पुलिस ने हथियार बरामद किया है। ऐसे में सवाल उठता है कि मदरसे में हथियार रखने की जरूरत क्यों आ पड़ी? सवालों के घने जंगलों में इसका उत्तर खोजा जा रहा है। लेकिन यह कहा जा सकता है कि मदरसे में हथियार पाया जाना,यह दर्शाता है कि हमारे आंगन की धूप गहरी और काली हो चुकी है। अभी पलामू में रामनवमी के मौके पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की घटना घट चुकी है। आनन फानन में शांतिप्रिय लोगों और जिला प्रशासन की कुशलता के कारण अनहोनी की घटना को टाला गया। उस समय माहौल खराब करने वाले अराजक तत्वों को नकेल डाल कर शांत कराया गया। ऐसे में किसी मदरसे से हथियार का बरामद होना,आने वाले दिनों के लिए खतरे की घंटी है। हालांकि इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है । पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। व्यक्ति के पास से पुलिस ने देसी पिस्तौल बरामद किया है। पुलिस यह पता लगा रही है कि व्यक्ति को पिस्तौल कहां से मिली और किन कारणों से गन खरीदी गयी है। मदरसा में हथियार मिलने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि कई जगहों पर चोरी छिपे ऐसी हरकतें जारी हैं। पिपराटांड़ थाना क्षेत्र का यह मदरसा प्रारंभ से शक के दायरे में आता था। इसी प्रकार जिले के कई मदरसे और मस्जिदों में गैरकानूनी कामों को अंजाम देने की सूचना पुलिस को मिली है। खासकर आबादी से दूर कम बसावट वाले क्षेत्रों में स्थित मदरसे असामाजिक गतिविधियों का सेंटर बनते जा रहे हैं। यहां नाम मात्र की पढ़ाई होती है। शिक्षा की ओट में गैरकानूनी कार्यों को अंजाम दिया जाता है। ऐसी सूचना के आलोक में दंडाधिकारी की मौजूदगी में पुलिस की टीम की छापेमारी जारी है। पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि मदरसा से देसी पिस्तौल बरामद मामले में पुलिस पूछताछ कर रही है। इसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। यह मदरसा पिपराटांड़ के केलहवा के इलाके में संचालित है। मदरसा में 300 से 400 बच्चे पढ़ाई करते हैं। जानकारी के अनुसार मदरसा को सरकारी अनुदान भी मिलता है। इस खबर के बाद से पुलिस और दंडाधिकारी इलाके में सर्च अभियान चला रहे हैं। बता दें कि हिरासत में लिया व्यक्ति लोहरसी का रहने वाला है। पिपराटांड़ थाना में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। जिस इलाके में यह मदरसा संचालित है, वह पलामू प्रमंडल के मुख्यालय में मेदिनीनगर से करीब 75 किलोमीटर दूर है। यह इलाका चतरा सीमा से सटा हुआ है। आगे जंगल ही जंगल है। भौगोलिक दृष्टिकोण से यह इलाके अपराध करने योग्य हैं। इन क्षेत्रों से दूर से भी आने और जाने वालों पर नजर रखी जा सकती है। दूसरी तरफ इस जगह से आसानी से दूसरे क्षेत्रों में आया व जाया जा सकता है। गौरतलब है कि इन सैकड़ो बच्चों को कौन सी पढ़ाई पढ़ा कर तैयार करने की योजना है। जहां पर हथियार की बरामदगी होती हो,वहां के बच्चे समाज में बड़े होकर क्या संदेश देगें। बहरहाल ऐसी घटनाओं पर अविलंब रोक लगनी चाहिए। कारण हथियार अर्थात हिंसा की कोई जगह हमारे समाज में नहीं है।

मदरसा में हथियार मिलने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि कई जगहों पर चोरी छिपे ऐसी हरकतें जारी हैं। पिपराटांड़ थाना क्षेत्र का यह मदरसा प्रारंभ से शक के दायरे में आता था।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर व 'मूकनायक'

प्रो. संजय द्विवेदी

'***अगर*** कोई इंसान, हिंदुस्तान के कुदरती तत्वों और मानव समाज को एक दर्शक के नजरिये से फिल्म की तरह देखता है, तो ये मुल्क नाइंसाफी की पनाहगाह के सिवा कुछ नहीं दिखेगा।' बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने आज से 102 वर्ष पूर्व 31 जनवरी 1920 को अपने अखबार 'मूकनायक' के पहले संस्करण के लिए जो लेख लिखा था, यह उसका पहला वाक्य है। अपनी पुस्तक 'पत्रकारिता के युग निर्माता : भीमराव आंबेडकर' में लेखक सूर्यनारायण रणसुभे ने इसलिए कहा भी है - कि 'जाने-अनजाने बाबा साहेब ने इसी दिन से दीन-दलित, शोषित और हजारों वर्षों से उपेक्षित मूक जनता के नायकत्व को स्वीकार किया था।' आज के मीडिया को कैसे देखा जाय? यदि इस सवाल का जवाब ढूंढना है, तो 'मूकनायक' के माध्यम से इसे समझना बेहद आसान है। इस संबंध में मूकनायक के प्रवेशांक के संपादकीय में आंबेडकर ने जो लिखा था, उस पर ध्यान देना बेहद आवश्यक है। आंबेडकर लिखते हैं कि 'मुंबई जैसे इलाके से निकलने वाले बहुत से समाचार पत्रों को देखकर तो यही लगता है कि उनके बहुत से पन्ने किसी जाति विशेष के हितों को देखने वाले हैं। उन्हें अन्य जाति के हितों की परवाह ही नहीं है। कभी-कभी वे दूसरी जातियों के लिए अहितकारक भी नजर आते हैं। ऐसे समाचार पत्र वालों को हमारा यही इशारा है कि कोई भी जाति यदि अवनत होती है, तो उसका असर दूसरी जातियों पर भी होता है। समाज एक नाव की तरह है। जिस तरह से इंजन वाली नाव से यात्रा करने वाले यदि जानबूझकर दूसरों का नुकसान करें, तो अपने इस विनाशक स्वभाव की वजह से उसे भी अंत में जल समाधि लेनी ही पड़ती है। इसी तरह से एक जाति का नुकसान करने से अप्रत्यक्ष नुकसान उस जाति का भी होता है जो दूसरे का नुकसान करती है।' बाबा साहेब ने जो लिखा, उसको आज के दौर के मीडिया के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो स्थितियां करीब-करीब कुछ वैसी ही दिखाई देती हैं। आज का मीडिया हमें कुछ उस तरह ही काम करता दिखाई देता है, जिसको पहचानते हुए बाबा साहेब ने 'मूकनायक' की शुरूआत की थी। इस समाचार पत्र के नाम में ही आंबेडकर का व्यक्तित्व छिपा हुआ है। मेरा मानना है कि वे 'मूक' समाज को आवाज देकर ही उनके 'नायक' बने। बाबा साहेब ने कई मीडिया प्रकाशनों की शुरूआत की। उनका संपादन किया। सलाहकार के तौर पर काम किया और मालिक के तौर पर उनकी रखवाली की। मूकनायक के प्रकाशन के समय बाबा साहेब की आयु मात्र 29 वर्ष थी। और वे तीन वर्ष पूर्व ही यानी 1917 में अमेरिका से उच्च शिक्षा ग्रहण कर लौटे थे। अक्सर लोग ये प्रश्न करते हैं कि कि एक उच्च शिक्षित युवक ने अपना समाचार-पत्र मराठी भाषा में क्यों प्रकाशित किया? वह अंग्रेजी भाषा में भी समाचार-पत्र का प्रकाशन कर सकते थे। ऐसा करके वह सवर्ण समाज के बीच प्रसिद्धी पा सकते थे और अंग्रेज सरकार तक दलितों की स्थिति प्रभावी ढंग से रख सकते थे। लेकिन बाबा साहेब ने 'मूकनायक' का प्रकाशन वर्षों के शोषण और हीनभावना की ग्रंथि से ग्रसित दलित समाज के आत्म-गौरव को जगाने के लिए किया गया था। जो समाज शिक्षा से दूर था, जिसके लिए अपनी मातृभाषा मराठी में लिखना और पढ़ना भी कठिन था, उनके बीच जाकर 'अंग्रेजी मूकनायक' आखिर क्या जागृति लाता? इसलिए आंबेडकर ने मराठी भाषा में ही समाचार पत्रों का प्रकाशन किया। अगर हम उनकी पहुंच की और उनके द्वारा चलाये गये सामाजिक आंदोलनों की बात करें, तो बाबा साहेब अपने समय में संभवतः सब से ज्यादा दौरा करने वाले नेता थे। सबसे खास बात यह है कि उन्हें ये काम अकेले अपने बूते ही करने पड़ते थे। न तो उन के पास सामाजिक समर्थन था, न ही आंबेडकर को उस तरह का आर्थिक सहयोग मिलता था, जैसा कांग्रेस पार्टी को हासिल था। इसके विपरीत, आंबेडकर का आंदोलन गरीब जनता का आंदोलन था। उनके समर्थक वो लोग थे, जो समाज के हाशिए पर पड़े थे, जो तमाम अधिकारों से महरूम थे, जो जमीन के नाम पर या किसी जमींदार के बंधुआ थे। आंबेडकर का समर्थक, हिंदुस्तान का वो समुदाय था, जो आर्थिक रूप से सब से कमजोर था। इसका नतीजा ये हुआ कि आंबेडकर को सामाजिक आंदोलनों के बोझ को सिर से पांव तक केवल अपने कंधों पर उठाना पड़ा। उन्हें इस के लिए बाहर से कुछ खास समर्थन हासिल नहीं हुआ। और ये बात उस दौर के मीडिया को बखूबी नजर आती थी। आंबेडकर के कामों को घरेलू ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी जाना जाता था। हमें हिंदुस्तान के मीडिया में आंबेडकर की मौजूदगी और उनके संपादकीय कामों की जानकारी तो है, लेकिन ये बात ज्यादातर लोगों को नहीं मालूम कि उन्हें विदेशी मीडिया में भी व्यापक रूप से कवरेज मिलती थी। बहुत से मशहूर अंतरराष्ट्रीय अखबार, आंबेडकर के छुआछूत के खिलाफ अभियानों और महात्मा गांधी से उनके संघर्षों में काफी दिलचस्पी रखते थे। लंदन का 'द टाइम्स', ऑस्ट्रेलिया का 'डेली मर्करी', और 'न्यूयॉर्क टाइम्स', 'न्यूयॉर्क एम्सटर्डम न्यूज', 'बाल्टीमोर अफ्रो-अमरीकन', 'द नॉरफॉक जर्नल' जैसे अखबार अपने यहां आंबेडकर के विचारों और अभियानों को प्रमुखता से प्रकाशित करते थे। भारतीय संविधान के निर्माण में आंबेडकर की भूमिका हो या फिर संसद की परिचर्चाओं में आंबेडकर के भाषण, या फिर नेहरू सरकार से आंबेडकर के इस्तीफे की खबर। इन सब पर दुनिया बारीकी से नजर रखती थी। बाबा साहेब ने अपने सामाजिक आंदोलन को मीडिया के माध्यम से भी चलाया। उन्होंने मराठी भाषा मे अपने पहले समाचार पत्र 'मूकनायक' की शुरूआत क्षेत्रीयता के सम्मान के साथ की थी। मूकनायक के अभियान के दिग्दर्शन के लिए तुकाराम की सीखों को बुनियाद बनाया गया। इसी तरह, आंबेडकर के एक अन्य अखबार 'बहिष्कृत भारत' का मार्गदर्शन संत ज्ञानेश्वर के सबक किया करते थे। आंबेडकर ने इन पत्रिकाओं के माध्यम से भारत के अछूतों के अधिकारों की मांग उठाई। उन्होंने मूकनायक के पहले बारह संस्करणों का संपादन किया, जिसके बाद उन्होंने इसके संपादन की ज़िम्मेदारी पांडुरंग भाटकर को सौंप दी थी। बाद में डी डी घोलप इस पत्र के संपादक बने। हालांकि मूकनायक का प्रकाशन 1923 में बंद हो गया। इसकी खास वजह ये थी कि आंबेडकर, इस अखबार का मार्गदर्शन करने के लिए उपलब्ध नहीं थे। वो उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले गये थे। इसके अलावा अखबार को न तो विज्ञापन मिल पा रहे थे और न ही उसके ग्राहकों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि उससे अखबार के प्रकाशन का खर्च निकाला जा सके। शुरूआती वर्षों में राजिश्री शाहू महाराज ने इस पत्रिका को चलाने में सहयोग दिया था। आंबेडकर की पत्रकारिता का अध्ययन करने वाले गंगाधर पानतावणे कहते हैं कि, 'मूकनायक का उदय, भारत के अछूतों के स्वाधीनता आंदोलन के लिए वरदान साबित हुआ था।

आंबेडकर लिखते हैं कि 'मुंबई जैसे इलाके से निकलने वाले बहुत से समाचार पत्रों को देखकर तो यही लगता है कि उनके बहुत से पन्ने किसी जाति विशेष के हितों को देखने वाले हैं। उन्हें अन्य जाति के हितों की परवाह ही नहीं है।

दिवस विशेष

बोधि वृक्ष

आईए सुनें मां गंगा की कथा

उन्हें भगवान से अभीष्ट वर भी मिल गया । वे चाहते थे कि मेरे पूर्वज तर जायें । भगवान ने गंगा से कहा- हे सुरेश्वरी ! , तुम अभी भारतवर्ष में जाओ और मेरी आज्ञानुसार सगर के सभी पुत्रों को पवित्र करो । तब श्री गंगा जी ने पृथ्वी पर आना स्वीकार कर लिया । जिस समय गंगा पृथ्वी पर आने को हुई तो उस समय उनके वेग को संभालने के लिए शिवजी ने उन्हें अपने मस्तक पर धारण किया और वे गंगाधर के नाम से विख्यात फिर जब जटाओं में से उन्होंने एक बूंद छोड़ी तो गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ गंगा भूतल पर उतर कर राजा भगीरथ के पीछे - पीछे चली । वेग के कारण मार्ग में ऋषि का आश्रम बह चला। मुनि कुपित हो गए और सारी नदी का आचमन कर गए। तब फिर भागीरथ की आराधना से जब मुनि प्रसन्न हुए तो गंगा को अपनी जंघा से प्रकट किया। तब गंगा भगीरथी से जाह्नवी कहलाई । फिर राजा भगीरथ गंगा की स्तुति करके उन्हें अपने साथ ले वहां पहुंचे , जहां सगर के साठ हजार पुत्र जलकर भस्म हो गए थे । परम पवित्र गंगा जल का स्पर्श पाकर वे राजकुमार बैकुण्ठ को चले गए। भगीरथ अपने पूर्वजों को तारकर कृत - कृत्य हो गए । चूंकि राजा भगीरथ गंगा को पृथ्वी पर लाए। इसलिए गंगा (गंगा जी) को भागीरथी भी कहा जाता है। गंगा जलरूप में कैसे आई ? नारदजी ने पूछा भगवन ! भूमण्डल को पवित्र करने वाली त्रिप्रयाग गंगा कहां से प्रकट हुई अर्थात इसका जन्म और आविर्भाव कैसे हुआ । नारायण जी बोले एक समय की बात है कार्तिक मास की पूर्णिमा थी । भगवान श्रीकृष्ण रासमंडल में थे । इतने में ब्रह्मा की प्रेरणा से प्रेरित होकर उल्लास को बढ़ाने वाले , पछताने लगे। जिसके प्रत्येक शब्द में उल्लास बढ़ाने की शक्ति भरी थी । उसे सुनकर सभी गोप , गोपी और देवता मुग्ध होकर मूर्च्छित हो गए । जब किसी प्रकार से उन्हें चेत हआ तो उन्होंने देखा कि समस्त रासमंडल का पूरा स्थल जल से भरा हुआ है।

(क्रमशः)

औद्योगिक घरानों के बंटवारे कैसे प्रेम से हों

आर.के.सिन्हा

दीपक पारेख को भारत के कॉरपोरेट जगत में बहुत ही आदर भाव के साथ देखा जाता है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन दीपक पारेख बीती आधी सदी से कॉरपोरेट जगत की हरेक घटना के अहम साक्षी हैं। वे जब किसी विषय पर बोलते हैं तो उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं होता। उन्होंने हाल ही में एक सेमिनार में कहा कि भारत के बहुत से औद्योगिक घरानों में संपत्ति बंटवारे को लेकर हुआ विवाद इतना गंभीर हो गया है कि वे घराने इस आघात से बुरी तरह से छलनी हो गये। इस पूरी प्रकिया में लंबा वक्त भी लगा सो अलग। उनकी सलाह थी कि जिन घरानों में विवाद हो, उन्हें मध्यस्थता के रास्ते पर चलना चाहिए। इससे धन और वक्त भी बच जायेगा। दीपक पारेख की बात में दम है। हमने देखा है कि रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन धीरूभाई अंबानी के निधन के बाद उनके दोनों पुत्रों- मुकेश और अनिल में संपत्ति विवाद गहरा होता चला गया। बात जब कोर्ट गई तो दोनों ने नामवर वकीलों को अपने पक्ष में दलीलें देने के लिए रखा। इस प्रक्रिया में दोनों ने करीब दो सौ करोड़ रुपये फूंक भी दिये। अंत में, बैंकिंग की दुनिया के प्रमुख हस्ताक्षर केवी कामथ को मध्यस्थता और संपत्ति के बंटवारे के लिए रखा गया। फिर कहीं जाकर बात बनी। कामथ आईसीआईसीआई बैंक के फाउंडर चेयरमैन थे। हालांकि यह स्वीकार करना होगा कि बंटवारे के बाद मुकेश अंबानी ने जहां शिखर को छुआ, वहीं अनिल अंबानी अपने समूह को कायदे से दिशा देने में नाकाम रहे। अब बात पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक बड़े औद्योगिक समूह की भी कर लेते हैं। यह समूह चीनी, धागे, टायर, घी वगैरह का उत्पादन करता था। इस समूह का देश में खासा नाम था। पर इसके चेयरमैन का 1970 के दशक के आरंभ में निधन हो गया। कुछ समय के लिए चेयरमैन के छोटे भाई को समूह का प्रमुख बना दिया गया। पर बड़े भाई के पुत्रों ने विद्रोह कर दिया। इसके चलते यह समूह कलह-क्लेश का शिकार हो गया। इसकी पहले वाली स्थिति नहीं रही। अब यह समूह कतई खबरों में नहीं रहता, किसी विशेष उपलब्धि के चलते। इसी तरह दिल्ली के डीसीएम समूह को गांधीवादी लाला श्रीराम ने शुरू किया था। उनके बाद, उनके दोनों पुत्रों लाला भरत राम तथा लाला चरत राम ने डीसीएस समूह को सही से चलाया। पर इनके बाद डीसीएम समूह बिखरने लगा। यानी तीसरी पीढ़ी इसे एक नहीं रख सकी। दोनों भाइयों के पुत्रों के बीच डीसीएम समूह की कंपनियां विभाजित हुई थीं। इससे पहले विवाद भी हुए। पर यह तो कहना ही होगा कि डीसीएम समूह ने शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में शानदार योगदान दिया। इस समूह की तरफ से श्रीराम कॉलेज आफ कॉमर्स, लेडी श्रीराम कॉलेज, श्रीराम कला केंद्र जैसे स्तरीय संस्थान खोले गये। मुंबई में मफतलाल समूह में भी बंटवारे के सवाल पर लंबे समय तक बवाल चलता रहा। इसका समूह को नुकसान हुआ। मफतलाल समूह की विकास की रफ्तार धीमी पड़ गई। कायदे से बड़े घरानों का समय रहते बंटवारा हो जाना चाहिए। प्रोमोटर को चाहिए कि वे एक उम्र के बाद अपने समूह की संपत्तियों का अपने बच्चों में बंटवारा कर दे। इससे विवाद की नौबत नहीं आयेगी। बंटवारे के बाद जिस-जिस के हिस्से में कंपनियां आयेंगी वे उन्हें आगे लेकर जायेंगे। अगर बात गुजरे कुछ दशकों की करें तो हम देखते हैं कि कोलकाता के आरपी गोयनका समूह का बंटवारा सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ। आरपीजी समूह के चेयरमैन आरपी गोयनका ने अपनी कंपनियों को अपने दोनों पुत्रों- हर्ष और संजीव में वक्त रहते हुए बांट दिया। अब दोनों भाई अपने-अपने समूहों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। दोनों भाइयों के आपसी संबंध भी मधुर हैं। संजीव गोयनका उद्योग और वाणिज्य संगठन सीआईआई के अध्यक्ष भी रहे हैं। हर्ष ट्वीटर पर भी एक्टिव रहते हैं।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन दीपक पारेख बीती आधी सदी से कॉरपोरेट जगत की हरेक घटना के अहम साक्षी हैं। वे जब किसी विषय पर बोलते हैं तो उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं होता।

कॉर्पोरेट चर्चा

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

sonu sood
@SonuSood

जितना भी मैं मनीष कश्यप को जानता हूँ उसने हमेशा बिहार के लोगों के भले के लिए ही आवाज़ उठाई है। हो सकता है उस से कुछ गलती भी हुई हो। पर यह बात मैं यक़ीन से कह सकता हूँ कि वो देशहित के लिये ही लड़ा है। न्याय और क़ानून से ऊपर हमारे देश में कुछ नहीं। जो भी होगा सही ही होगा। 🙏

फेसबुक वॉल से

Siddharth Vallabh
1 d ·

यही है ज़िन्दगी की मुख़्तसर तस्वीर वल्लभ
ख़ुशी आरिज़ी मिली ,गधा मुस्तक़िल मिला

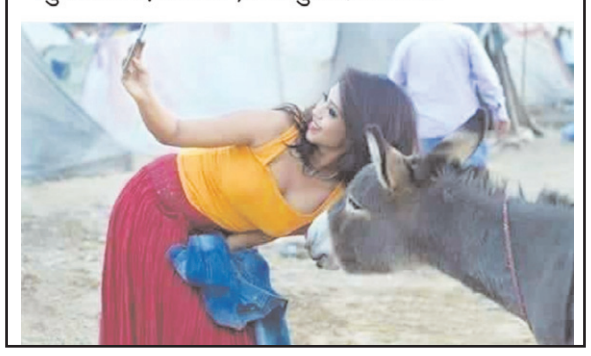

आनंद ही ब्रह्म है, आनंद सबकी अभिलाषा

हृदयनारायण दीक्षित

आनंद सबकी अभिलाषा है। प्रसन्नता मापने का मानक तय करना कठिन है। लेकिन पिछले 10 वर्ष से आनंद या हैप्पीनेस की मात्रा जानने का काम जारी है। इसकी शुरूआत वर्ष 2012 में हुई थी। लगभग 150 देशों को इस रैंकिंग में शामिल किया जाता है। वैसे, व्यक्ति-व्यक्ति की प्रसन्नता के मानक अलग-अलग होते हैं। कोई सुन्दर किताब पढ़कर आनंदित होता है। कोई अपने मन का वातावरण पाकर प्रसन्न होता है। कोई झगड़ालू है। उसे कलह में सुख मिलता है। प्रसन्नता मापना आसान काम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक सूचकांक की वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2022 आयी है। प्रसन्न और अप्रसन्न देशों की रैंकिंग बतायी गयी है। मूल्यांकन के आधार विचारणीय हैं। इसमें प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद एक मानक है। जीवन चुनने की स्वतंत्रता और उदारता भी मानक हैं। सामाजिक समर्थन को भी प्रसन्नता का मानक कहा गया है। इस रिपोर्ट में फिनलैण्ड पहले स्थान पर आया है। फिनलैण्ड विशाल जंगलों और सुन्दर झीलों का देश है। प्रति व्यक्ति आय, सामाजिक विश्वास, उदारता और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने की स्वतंत्रता है। प्रसन्नता के लिए डेनमार्क दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर आइसलैण्ड है, चौथे स्थान पर स्विटजरलैण्ड और पांचवें स्थान पर नीदरलैण्ड है। अमेरिका 16वें स्थान पर है। चीन 72वाँ है। ब्रिटेन 17वाँ है। अपना भारत प्रसन्नता के इस मानक में 136वाँ है। पाकिस्तान 121वाँ है। अफगानिस्तान की रैंकिंग सबसे निचले स्थान पर है। प्रसन्नता मापने के यह मानक संयुक्त राष्ट्र के हैं। भारत में प्रसन्नता के मानक भिन्न हैं। यहां प्रसन्नता विधायी मूल्य हैं। किसी के प्रसन्न होने या न होने के मानक जीडीपी आदि से तय नहीं हो सकते। प्रसन्नता आंतरिक होती है। भारत प्राचीनकाल से ही प्रसन्न राष्ट्र रहा है। ऋग्वेद में सोमदेव से प्रसन्नता प्राप्ति की कामना हैं, ''हे सोमदेव मुझे ऐसे स्थान पर रखो जहाँ प्रचुर अन्न हो। जहाँ सदा नीरा नदियाँ हों, मुद, मोद, प्रमोद हों, मुझे वहाँ स्थान दो। जहाँ विवस्वान का पुत्र राजा है वहाँ स्थान दो।'' इसमें मुद, मोद, प्रमोद तीन शब्द आते हैं। तीनों प्रसन्नता बोधक हैं। नदियों का सुन्दर प्रवाह, प्रचुर अन्न सुन्दर राज्य व्यवस्था प्रसन्नता के घटक हैं। तैत्तरीय उपनिषद् उत्तर वैदिककाल की रचना है। ऋषि कहते हैं कि 'हम आनंद की मीमांसा करते हैं, 'मनुष्य स्वस्थ हो सदाचारी हो, सांस्कृतिक स्वभाव वाला हो। सदाचार की शिक्षा देने में समर्थ हो। शरीर रोग रहित हो। वह धन सम्पन्न हो। यह सब मनुष्य के बड़े सुख हैं।'' लेकिन ऐसे आनंद से मानव गंधर्वों का आनंद 100 गुना ज्यादा है। यह आनंद अकामहत व्यक्ति को स्वभाव से ही प्राप्त है। मनुष्य गंधर्व की अपेक्षा देवगंधर्व आनंद 100 गुना अधिक बताया गया है। अकामहत व्यक्ति को यह आनंद भी स्वाभाविक रूप से प्राप्त है।'' आगे कहते हैं देव गंधर्व आनंद से पीतरों का आनंद 100 गुना ज्यादा है। यह भी भोगों के प्रति निष्काम व्यक्ति को स्वभाव रूप से प्राप्त है। इसी तरह पितरों के आनंद से 'आजानज' नामक देवों का आनंद 100 गुना ज्यादा है। उच्च लोकों में रहने वाले हमारे पितरों के आनंद से 'आजानज' आनंद 100 गुना है। लेकिन भोगों के प्रति निष्काम अकामहत व्यक्ति को यह आनंद सहज ही प्राप्त है। आजानज आनंद से कर्मदेवानाम आनंद 100 गुना ज्यादा है। यह आनंद भी भोगों से कामना रहित को स्वाभाविक रूप से प्राप्त है। देवताओं के आनंद से 100 गुना ज्यादा इन्द्र का आनंद है। भोगों से दूर रहने वाले लोगों को यह आनंद भी स्वतः प्राप्त होता है। इसी तरह इन्द्र के आनंद से वृहस्पति का आनंद 100 गुना है। यह आनंद भी भोगों से विरक्त वेदवेत्ता को प्राप्त है। वृहस्पति के आनंद से 100 गुना ज्यादा आनंद प्रजापति का आनंद है। भोगों से विरक्त अकामहत व्यक्ति को यह आनंद भी स्वतः प्राप्त है। प्रजापति के आनंद से 100 गुना ब्रम्ह का आनंद है। यह भी भोगों से विरक्त अकामहत व्यक्ति को प्राप्त है। आनंद सबकी अभिलाषा है।

150 देशों को रैंकिंग में शामिल किया जाता है। वैसे, व्यक्ति-व्यक्ति की प्रसन्नता के मानक अलग-अलग होते हैं। कोई सुन्दर किताब पढ़कर आनंदित होता है। कोई अपने मन का वातावरण पाकर ।

अध्यात्म

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

20 अप्रैल को लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को लगने वाले सूर्य ग्रहण के समय शनि शतभिषा नक्षत्र में, मंगल आद्रा नक्षत्र में, केतु स्वाति नक्षत्र में होगा। यह तीनों नक्षत्र राहु के हैं। इस कारण इस सूर्य ग्रहण का व्यापक प्रभाव होगा। गुरुवार 20 अप्रैल को इस साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। यह सूर्य ग्रहण सुबह 7:04 मिनट से प्रारंभ होगा और दोपहर 12:29 मिनट तक रहेगा। ग्रहण के वक्त सूर्य मेष राशि और अश्विनी नक्षत्र में होंगे, इसलिए इसका सबसे ज्यादा प्रभाव मेष राशि वालों पर रहेगा। इसके अलावा वृष और कन्या सहित 6 राशियों पर सूर्यग्रहण के अशुभ प्रभाव पड़ने वाले हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को लगने वाला वाला पूर्ण सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा और यहां इसका सूतक भी नहीं लगेगा, लेकिन ग्रहण के दौरान राहु-केतु कुछ बड़े ग्रहों और नक्षत्रों को पीड़ित करते हैं जिससे देश दुनिया और राशियों पर इसका व्यापक प्रभाव देखा जाता है। हालांकि, इसे ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर, पूर्व और दक्षिण एशिया, अंटार्कटिका और हिंद महासागर सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। यूं तो सूर्य ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन शास्त्रों इसका काफी महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहण काल के दौरान हमारे आसपास की हर चीज प्रभावित होती है। इसके अलावा इसका असर सभी 12 राशियों पर भी होता है। कुछ राशियों पर सूर्य ग्रहण का असर शुभ होता है, तो वहीं कुछ राशियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को लगने वाले सूर्य ग्रहण के समय शनि शतभिषा नक्षत्र में, मंगल आद्रा नक्षत्र में, केतु स्वाति नक्षत्र में होगा। यह तीनों नक्षत्र राहु के हैं। इस कारण इस सूर्य ग्रहण का व्यापक प्रभाव होगा। साल का पहला सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल को पड़ने वाला है। हालांकि भारत में यह न दिखने की वजह से यहां इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। लेकिन ज्योतिष विशेषज्ञों की इस पर नजर बनी हुई है। ऐसी आशंका दिखती है कि, सूर्य ग्रहण के बाद कोरोना के मामलों में अचानक वृद्धि हो सकती है।

सूर्य का मेष राशि में भ्रमण : ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को सूर्य ग्रहण के समय ग्रहों के राजा सूर्य, मेष राशि यानी अपनी उच्चतम राशि में भ्रमण कर रहे होंगे और सूर्य ग्रहण की समाप्ति के बाद यानी 22 अप्रैल को गुरु ग्रह मेष राशि में प्रवेश करेंगे और मेष राशि में गुरु के प्रवेश करने का देश-

दुनिया पर बड़ा असर पड़ने वाला है। इससे कई तरह के परिवर्तन दिखाई देंगे।

कहां-कहां दिखाई देगा सूर्य ग्रहण : कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को लगने वाला सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा. लेकिन, यह कंबोडिया, चीन, अमेरिका, माइक्रोनेशिया, मलेशिया, फिजी, जापान, समोआ, सोलोमन, बरूनी, सिंगापुर, थाइलैंड, अंटार्कटिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वियतनाम, ताइवान, पापुआ न्यू गिनी, इंडोनेशिया, फिलीपींस, दक्षिण हिंद महासागर और दक्षिण प्रशांत महासागर पर दिखाई देगा।

कोरोना में वृद्धि की आशंका किन्तु स्थिति नियंत्रण : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि 20 अप्रैल को पड़ने वाला यह सूर्य ग्रहण दक्षिणी प्रशांत महासागर के देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया, फिलीपींस तथा पापुआ न्यूगिनी में दिखाई देगा। भारतीय समयानुसार यह ग्रहण इन देशों में सुबह 7:04 मिनट से प्रारंभ होगा और दोपहर 12:29 मिनट तक दिखाई देगा। यह ग्रहण के दिन सूर्य के चन्द्रमा के साथ अश्विनी नक्षत्र में रहते हुए दिखाई देगा। अश्विनी नक्षत्र चूंकि केतु का नक्षत्र है अतः भारत सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ने लगेंगे किन्तु स्थिति नियंत्रण में रहेगी।

पैदा होंगे रोग : भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहण के समय शनि शतभिषा नक्षत्र में, मंगल आर्द्रा नक्षत्र में तथा केतु स्वाति नक्षत्र में गोचर कर रहे होंगे। शतभिषा, आर्द्रा और स्वाति तीनों राहु के नक्षत्र हैं। अतः इस ग्रहण के समय कुल 6 ग्रह राहु-केतु के नक्षत्रों या उनके सीथे प्रभाव में होंगे जिसके कारण कोरोना वायरस के मामले बढ़ना तय है और साथ ही कोई अन्य जीवाणु जन्य रोग भी पैदा हो सकता है जो कि अगले कुछ महीनों में परेशानी का कारण बन सकता है। यहां ध्यान देने योग्य बात है कि, इस सूर्य ग्रहण के एक दिन बाद ही गोचर में गुरु मीन राशि को छोड़कर मेष राशि में अश्विनी नक्षत्र, जो कि केतु का नक्षत्र है, में प्रवेश कर जाएंगे, जिससे असामान्य वर्षा, आंधी-तूफान और जीवाणु जन्य रोगों का कुछ समय तक प्रभाव रहेगा।

राजनीतिक और आर्थिक उठापटक के संकेत : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि यह ग्रहण मेष राशि में पड़ रहा है जो कि हमारे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का जन्म लग्न है। मेष राशि में पड़ने वाला यह ग्रहण पाकिस्तान में बड़ी राजनीतिक उठा-पटक का संकेत है जिसमें शाहबाज शरीफ की सरकार पर संकट मंडराएगा तथा देश में आपातकाल की स्थिति निर्मित होगी। पाकिस्तान की कुंडली में चल रही शनि में शुक्र में राहु की अशुभ विंशोत्तरी दशा देश में राजनीतिक हिंसा और उपद्रव का योग निर्मित कर रही है जिसमें विदेशी हस्तक्षेप भी हो सकता है। भारत के संदर्भ में देखें तो मेष राशि में पड़ रहा यह ग्रहण आजाद भारत की वृषभ लग्न की कुंडली के 12वें यानी हानि भाव में पड़ रहा है। ग्रहण के समय मंगल बुध की राशि मिथुन में तथा बुध मंगल की राशि मेष में हो कर एक अशुभ राशि परिवर्तन योग बनाकर कोई बड़ा आर्थिक घोटाला, जिसके तार विदेश से जुड़े हों, उजागर होने के योग निर्मित कर रहा है।

बढ़ेंगे सोने के दाम : कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि इसके साथ ही ग्रहण के समय बुध के सूर्य, चन्द्रमा और राहु से युति होने के चलते सोने के दामों में वृद्धि तथा स्टॉक-मार्किट में बड़ी उथल-पुथल के योग भी निर्मित हो रहे हैं।

पुतिन के लिए अशुभ है ग्रहण : भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि मेष राशि में पड़ रहा यह ग्रहण रूस की कुंडली के अष्टम भाव को पीड़ित कर उसके शासक व्लादिमीर पुतिन के लिए अशुभ होगा। इस ग्रहण के बाद तुर्की में सत्ता परिवर्तन के योग हैं। तुर्की में मई के महीने में होने वाले चुनावों से ठीक पहले मेष राशि में पड़ रहा यह ग्रहण वहां पिछले 20 वर्षों से सत्ता पर काबिज रजब तैयब इरदुगान की मकर लग्न की कुंडली के सिंहासन के चतुर्थ भाव को पीड़ित कर उनको सत्ता से बाहर कर सकता है।

राशि पर प्रभाव : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि मेष, वृष, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, मीन राशियों के लिए 20 अप्रैल को लगने वाला सूर्य ग्रहण उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। मिथुन, कर्क, सिंह, धनु, कुंभ इनके लिए यह सूर्यग्रहण कुल मिलाकर शुभ फलदायी रहेगा

❖ डा. अनीष व्यास

बाबा साहेब के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातें

संविधान निमार्ता के तौर पर प्रसिद्ध बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती हर साल 14 अप्रैल के दिन मनाई जाती है। बाबा साहेब की जयंती को पूरे देश में लोग मनाते हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका है। उनका पूरा जीवन संघर्षरत रहा है। उन्होंने भारत की आजादी के बाद देश के संविधान के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। बाबा साहेब ने कमजोर और पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए पूरा जीवन संघर्ष किया। डॉ. अंबेडकर सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत और समतामूलक समाज के निर्माणकर्ता थे। अंबेडकर समाज के कमजोर, मजदूर, महिलाओं आदि को शिक्षा के जरिए सशक्त बनाना चाहते थे। इसी कारण डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भारत में समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाबा साहेब की जयंती के मौके पर उनके जीवन से जुड़ी रोचक बातों को जान लीजिए।

भीमराव अंबेडकर का जीवन परिचय

डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव महू में 14 अप्रैल 1891 में हुआ था। हालांकि उनका परिवार मूल रूप से रत्नागिरी जिले से ताल्लुक रखता था। अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल था, वहीं उनकी माता भीमाबाई थीं। डॉ. अंबेडकर महार जाति के थे। ऐसे में उन्हें बचपन से ही भेदभाव का सामना करना पड़ा।

अंबेडकर की शिक्षा

बाबा साहेब बचपन से ही बुद्धिमान और पढ़ाई में अच्छे थे। हालांकि उस दौर में छुआछूत जैसी समस्याएं व्याप्त होने के कारण उनकी शुरूआती शिक्षा में काफी परेशानी आई। लेकिन उन्होंने जात पात की जंजीरों को तोड़ अपनी पढ़ाई पूरी की। मुंबई के एल्फिंस्टन रोड पर स्थित सरकारी स्कूल में वह पहले अछूत छात्र थे। बाद में 1913 में अंबेडकर ने अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी से आगे की शिक्षा ली। यह एक बड़ी उपलब्धि थी कि साल 1916 में बाबा साहेब को शोध के लिए सम्मानित किया गया था।

बाबा साहेब को मिली डॉक्टर की उपाधि

लंदन में पढ़ाई के दौरान उनकी स्कॉलरशिप खत्म होने के बाद वह स्वदेश वापस आ गए और यहीं मुंबई के सिडनेम कॉलेज में प्रोफेसर के तौर पर नौकरी करने लगे। 1923 में उन्होंने एक शोध पूरा किया था, जिसके लिए उन्हें लंदन यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि दी थी। बाद में साल 1927 में अंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से भी पीएचडी पूरी की।

अंबेडकर का करियर

बाबा साहेब ने अपने जीवन में जात पात और असमानता का सामना किया। यही वजह है कि वह दलित समुदाय को समान अधिकार दिलाने के लिए कार्य करते रहे। अंबेडकर ने ब्रिटिश सरकार से पृथक निर्वाचिका की मांग की थी, जिसे मंजूरी भी दे दी गई थी लेकिन गांधी जी ने इसके विरोध में आमरण अनशन किया तो अंबेडकर ने अपनी मांग को वापस ले लिया।

बाबा साहेब की उपलब्धि

अंबेडकर के राजनीतिक जीवन की बात करें तो उन्होंने लेबर पार्टी का गठन किया था। संविधान समिति के अध्यक्ष रहे। आजादी के बाद कानून मंत्री नियुक्त किया गया। बाद में बॉम्बे नॉर्थ सीट से देश का पहला आम चुनाव लड़ा लेकिन हार का सामना करना पड़ा। बाबा साहेब राज्यसभा से दो बार सांसद चुने गए। वहीं 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर का निधन हो गया। उनके निधन के बाद साल 1990 में बाबा साहेब को भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

फायदेमंद है चुकंदर का छिलका

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि चुकंदर हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चुकंदर के छिलके भी कई तरह से फायदेमंद होते हैं। ऐसे में अगर आप भी चुकंदर के छिलकों को फेंक देती हैं तो इसके फायदों के बारे में जान लीजिए। चुकंदर के फायदों को तो आप सभी जानते होंगे। स्वस्थ शरीर से लेकर स्किन की सुंदरता के लिए चुकंदर काफी फायदेमंद होता है। चुकंदर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसमें फाइबर, मैंगनीज, पोटेशियम, फोलेट, आयरन और विटामिन्स जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए डॉक्टर भी दैनिक आहार में चुकंदर को शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन आप सभी चुकंदर के छिलकों को बेकार समझ कर फेंक देते होंगें। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको चुकंदर के छिलकों के कुछ फायदों को जानना आवश्यक है। इन फायदों को जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे और अब से इनके छिलकों को फेंकना बंद कर देंगे। चुकंदर ही नहीं बल्कि इसके छिलके भी काफी फायदेमंद होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चुकंदर के छिलकों के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

लिप स्क्रब : हवा ठंडी हो या गर्म इसका असर हमारे स्किन पर भी पड़ता है। जिसके कारण होंठ सबसे पहले रूखे होने लगते हैं। चेहरे के साथ ही हवाएं होठों की नमी भी चुरा लेती हैं। ऐसे में चुकंदर का छिलका आपके काम आ सकता है। इसके लिए आप चुकंदर के छिलके को कद्दूकस से कस लें और फिर उसमें चीनी मिला लें। अब इसको उंगलियों की मदद से होठों पर स्क्रब करें। इससे आपके होठों पर जमी डेड स्किन सेल्स दूर हो जाएगी। साथ ही आपके होठों की नेचुरल रंग वापस आ जाएगा।

टोनर : क्या आप जानते हैं कि चुकंदर के छिलके का टोनर बना सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को रात भर पानी में भिगों लें। फिर सुबह इस पानी को छानकर एक बोतल में भर लें। अब इस पानी को आप टोनर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही इसको रोजाना फेस पर लगाने से चेहरे की ताजगी के साथ चेहरे पर ग्लो आएगा।

फेस मास्क : चुकंदर में मौजूद विटामिन सी हमारी स्किन के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप भी अपने फेस की खोई चमक को वापस पाना चाहते हैं तो चुकंदर का छिलका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को कुछ समय के लिए पानी में भिगो दें। जब पानी का रंग बदल जाए तो छिलका निकालकर उसमें नींबू का रस मिला दें। अब इससे आप अपने फेस की मसाज करें और आधें घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर साफ पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से जल्द ही फेस पर निखार आएगा और डेड स्किन सेल्स भी दूर हो जाएंगे।

डैंड्रफ : चुकंदर में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। अगर आप भी डैंड्रफ से परेशान हैं तो इसका उपाय चुकंदर के छिलकों में है। चुकंदर के छिलके के रस में सिरका और नीम का पानी मिला लें। फिर इसे बालों में लगा कर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पानी से बालों को धुल लें। इस उपाय से आपको डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

खुजली : आपके बालों में होने वाली खुजली के इलाज में चुकंदर के छिलके बेहद फायदेमंद होते हैं। अंदरूनी हिस्से को स्कैल्प पर चुकंदर के छिलके के रगड़ें। ऐसा करने से आपको खुजली से राहत मिलने के साथ ही डेड स्किन सेल्स भी निकल जाएगा। 15 मिनट तक छिलकों को रगड़ने के बाद बालों को धो लें।

सूडोकु नवताल- 6669

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6668 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

दैनिक पंचांग

14 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.46 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	07.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	09.24 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.37 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	13.53 बजे से
शुक्र	वृष में	कन्या	16.05 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.16 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.31 ब.से
केतु	तुला में	धनु	22.47 बजे से
		मकर	00.52 बजे से
		कुंभ	02.38 बजे से
		मीन	04.11 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2023 वर्ष का 104 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 23.14 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 09.14 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 09.37 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 12.26 बजे तदनन्तर गर 23.14 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871583 **जूलियन दिन** 2460048.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** रमजान **तारीख** 22 **विशेष** सौर नव वर्ष, मेष संक्रांति, बैसाखी, पुथांडु, अम्बेडकर जयंती, अग्नि निरोधक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

शब्द पहेली - 7732

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7731 का हल

ना	क	■	जि	रा	फ	■	ब	ला
ज	■	बे	ब	स	■	स	हा	रा
■	प	ना	ह	■	क	री	ना	■
क	र	म	■	दा	स	ता	■	वि
ले	ख	■	का	म	ना	■	दु	ना
जा	■	व	ज	न	■	प	ला	श
■	म	ह	ल	■	प	ह	रा	■
स	न	म	■	न	ह	र	■	जा
जा	न	■	ह	म	ला	■	शा	न

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधे में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। नौकरी में तरक्की होगी। नये कार्यों की शुरूआत करना अच्छा रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। अधिक परिश्रम से सफलता मिलेगी, लेकिन धनहानि और यशहानि होने की संभावना है, जिससे मन चिंताग्रस्त रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। नये कार्यों की शुरूआत करने के लिए अच्छा समय है। धनलाभ के योग बन रहे हैं। आकस्मिक धन की प्राप्ति हो सकती है।

कर्क राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। कारोबार अच्छा रहने से मन में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। आर्थिक रूप से दिन लाभदायक रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा और नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

कन्या राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधे में लाभ मिलने के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्चों में भी इजाफा होगा। धार्मिक कार्यों के पीछे अधिक धन खर्च हो सकता है।

तुला राशि : आज का मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ लाभ मिलेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। गुस्से पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें।

वृश्चिक राशि : आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबारियों को आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि बनी रहेगी।

धनु राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन सहकर्मियों के सहयोग से काम सफल होंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से थकान महसूस करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अच्चा मुनाफा मिल सकता है, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ? से चिंतित रहेंगे। नये कार्यों की शुरूआत कर सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। सामाजिक जीवन में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में विवाद हो सकता है एवं कारोबार के क्षेत्र में भागीदारों के बीच मनमुटाव हो सकता है।

मीन राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में आर्थिक रूप से लाभ होगा और नौकरी में तरक्की मिल सकती है। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

NEWS इन ब्रीफ

पालघर : साधुओं की हत्या मामले की सीबीआई जांच कराएगी शिंदे सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं और उनके ड्राइवर की हत्या के मामले पर सुनवाई दो हफ्ते टाल दी है। महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कहा कि शिंदे सरकार इस मामले की जांच सीबीआई को देने को तैयार है। निर्देश की प्रतीक्षा की जा रही है। 2020 की इस घटना की जांच सीबीआई को देने का उद्धव ठाकरे सरकार ने विरोध किया था। 29 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच की इजाजत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को इस मामले में हलफनामा दाखिल करने को कहा।

श्रीलंका से नावों को लाने के लिए सरकारी हस्तक्षेप चाहते हैं मछुआरे

चेन्नई। तमिलनाडु में पुडुकोट्टई और रामनाथपुरम और पुडुचेरी में कराईकल के मछुआरों ने श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए अपने मछली पकड़ने वाले जहाजों को वापस लाने के लिए सरकारी हस्तक्षेप की मांग की है। मछुआरों ने शिकायत की कि श्रीलंकाई नौसेना और तटीय अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा को पार करने के आरोप में करोड़ों रुपये के 50 से अधिक जहाजों को जब्त कर लिया है।

ईडी और सीबीआई महज कठपुतली हैं : केटीआर

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मूकदर्शक और महज कठपुतली बन गए हैं। केटीआर ने यह आशंका भी जताई कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को भ्रष्टाचार पर खुलासे के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने आरएसएस नेता राम माधव के खिलाफ सत्यपाल मलिक के कथित आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया, देश उत्सुकता से देख रहा है कि ईडी और सीबीआई मूक दर्शक और मात्र कठपुतली बन गए हैं। मुझे लगता है कि वे अब खुलासे के लिए पूर्व राज्यपाल सत्यपाल जी को गिरफ्तार करेंगे।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

'ईसाई खतरे में हैं' का दावा झूठ

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आठ राज्यों से रिकॉर्ड डेटा पेश किया है। इसमें दावा किया गया है कि देश भर में ईसाइयों पर बढ़ते हमलों का आरोप लगाने वाली याचिका याचिकाकर्ताओं द्वारा एक झूठी तस्वीर पेश करने का प्रयास है। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और छत्तीसगढ़ सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता सुमीर सोढ़ी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कोलिन गोंजाल्विस के तर्कों का विरोध किया। गोंजाल्विस ने कहा कि यह गिरफ्तारी का सवाल नहीं है। केंद्र के अनुसार, बिहार में याचिकाकर्ताओं ने 38 घटनाओं (ईसाइयों पर हमले) का दावा किया, हालांकि राज्य सरकार ने 15 घटनाओं की सूचना दी। इनमें से पांच मामलों को दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया, 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और दो मामलों में चार्जशीट दायर की गई। छत्तीसगढ़ में याचिकाकर्ताओं द्वारा 119 घटनाओं का दावा किया गया था, हालांकि राज्य सरकार ने 36 घटनाओं की सूचना दी और 12 घटनाओं में पारिवारिक विवाद था, जिन्हें सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लिया गया और 64 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और 13 मामलों में आरोप पत्र दायर किया गया।

उत्तर प्रदेश में याचिकाकर्ताओं द्वारा 150 घटनाओं का दावा किया गया था, लेकिन राज्य सरकार द्वारा 70 घटनाओं की सूचना दी गई थी। इसने कहा कि 44 एफआईआर दर्ज की गईं और 72 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और 33 को सीआरपीसी की धारा 41-ए के तहत नोटिस दिया गया और 30 मामलों में आरोप पत्र दायर किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेहता ने ईसाइयों पर हमलों की संख्या पर याचिकाकर्ताओं के आंकड़ों को गलत बताया। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने कहा कि बिहार में 38 घटनाओं का दावा किया, लेकिन ये पड़ोसियों के बीच झगड़े थे। मामले में कार्रवाई की गई है। दलीलें सुनने के बाद पीठ में शामिल न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के वकील का कहना है कि गृह मंत्रालय का हलफनामा कल रात प्राप्त हुआ था और याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया जाना चाहिए और मामले को तीन सप्ताह के बाद आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। याचिका डॉ. पीटर मचाडो और अन्य द्वारा दायर की गई है।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने घटनाओं की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर बताया

गृह मंत्रालय के हलफनामे में कहा गया है कि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा दी गई जानकारी से यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं के वकील ने घटनाओं की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। हलफनामें में कहा गया है कि दो पक्षों के बीच कई तुच्छ विवादों को धार्मिक रंग दिया गया। उदाहरण के लिए जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश में एक घटना के संबंध में, याचिकाकर्ताओं के वकील ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि पुलिस ने पादरी प्रेम सिंह की प्रार्थना में बाधा डाली और पादरी को अपनी सेवाएं बंद करने की चेतावनी दी और साथ ही पादरी को हिरासत में लिया। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की सत्यापन रिपोर्ट से पता चलता है कि पादरी प्रेम सिंह का स्थानीय निवासी विजय कुमार के बीच भूमि विवाद है। इस मामले में पुलिस कार्रवाई को ईसाइयों के उत्पीड़न के रूप में पेश किया गया था। मामले को जानबूझकर धार्मिक रंग दिया गया था।

कर्नाटक विस चुनाव में टिकट बंटवारे में गुजरात मॉडल नहीं, फिर भी टंटा

ब्यूरो। नई दिल्ली

कर्नाटक में भाजपा के जिन नेताओं का टिकट काटा गया वे विरोध में सड़क पर आ गये हैं, अन्य पार्टी के जिन नेताओं को पार्टी में लाकर टिकट दिया उनका भी विरोध होने लगा है। राज्य की सत्ताधारी पार्टी व उसके आला नेताओं के विरूद्ध नंदिनी दूध का मुद्दा अलग उबाल ले रहा है। इसके अलावा यह भी मुद्दा बन गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया तथा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के विरूद्ध जिन दो नेताओं को टिकट दिया गया है, उन दोनों को अन्य विधान सीट से भी क्यों टिकट दिया गया है। इससे जनता में यह संदेश जा रहा है कि भाजपा नेता डरे हुए हैं कि उनके प्रत्याशी सिद्धरमैया तथा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार से चुनाव हार सकते हैं। इसीलिए उनको एक अन्य सीट से भी प्रत्याशी बनाकर दो सीट से लड़ाया जा रहा है। इसके कारण भाजपा के कमजोर होने का संदेश जा रहा है। जिसकी काट के लिए भाजपा पदाधिकारी दावा कर रहे हैं कि यह करके तो कांग्रेस के दोनों बड़े नेताओं को घेर दिया गया है। ताकि शिवकुमार व सिद्धारमैया कहीं और प्रचार करने नहीं जा पाएं। अपनी सीट बचाने के लिए ही जूझते रहें। लेकिन ऐसे भाजपा पदाधिकारियों से ही तमाम भाजपा नेता व कार्यकर्ता कहने लगे हैं कि पार्टी ने तो कांग्रेस के दोनों बड़े नेताओं को पहले ही वॉकओवर दे दिया है। इससे जनता में यह भी संदेश जा रहा है कि कांग्रेस के दोनों नेताओं के विरूद्ध झगड़ा उम्मीदवार नहीं मिल रहे थे इस कारण भाजपा ने अपने दो प्रभावी नेताओं को उनके विरूद्ध उतारा तो, लेकिन हारने की डर से दोनों को दूसरी जगह से भी टिकट दे दिया। इसके विरूद्ध लड़ाई में भाजपा की स्थिति कमजोर हुई है।

मालूम हो कि भाजपा ने कांग्रेस नेता सिद्धारमैया की वरुणा विधान सभा सीट से वी सोमन्ना को उम्मीदवार बनाया है लेकिन सोमन्ना को ही चामराजनगर सीट से भी उम्मीदवार बनाया गया है। फिलहाल वी सोमन्ना गोविंदराज नगर से विधायक हैं। इसी तरह कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार को कनकपुरा विधानसभा सीट पर चुनौती देने के लिए भाजपा ने आर अशोक को उतारा है, लेकिन अशोक को ही पद्मनाभ नगर विधान सभा सीट से भी उम्मीदवार बनाया है। आर अशोक इस पद्मनाभ नगर सीट से छह बार से चुनाव जीत रहे हैं। पहले इस सीट का नाम उत्तरहल्ली था और बाद में पद्मनाभ नगर हुआ। इस तरह सोमन्ना तथा अशोक को दो-दो सीटों से उतारने से यह संदेश जा रहा है कि कांग्रेस के बड़े नेताओं के विरुद्ध जीत को लेकर भाजपा आशंकित है, इसलिए उनके विरुद्ध लड़ने वाले दोनों भाजपा नेताओं को दूसरी सीट भी दी गई है। वैसे तो भाजपा ने उम्मीदवारों की घोषणा में बहुत सावधानी बरतने की कोशिश की है। यही वजह है कि टिकट काटने के मामले में गुजरात मॉडल लागू नहीं कर पाई है।

पहले कहा जा रहा था कि 2019 में कांग्रेस और जेडीएस के जो 17 विधायक पार्टी छोड़ कर भाजपा में आए थे, उनको टिकट नहीं दिया जाएगा। लेकिन पार्टी ने जो दो सूची जारी की है उससे जाहिर हो गया है कि बगावत व हारने के डर से कम का ही टिकट काटी है। केवल 14 वर्तमान विधायकों को प्रत्याशी नहीं बनाया है। अब तो 224 विधान सभा सीटों में से केवल 12 सीटों के लिए ही प्रत्याशी घोषित किये जाने हैं। कोशिश यह हो रही है कि पहले कांग्रेस व जेडीएस प्रत्याशी घोषित कर दें, उसके बाद तीसरी सूची जारी हो। लेकिन कांग्रेस भी यही सोच रही है कि पहले भाजपा अपनी पूरी सूची जारी कर दे, उसके बाद जिन भाजपा नेताओं को टिकट नहीं मिला है उनमें से कुछ प्रभावी नेताओं को प्रत्याशी बना दे। यह सब जानते हुए ही भाजपा ने बेलगावी इलाके में विवादास्पद जरकिहोली परिवार के हिसाब से टिकट बांटी है।

कुछ समय से मंत्री नहीं बनाए जाने से रमेश जरकिहोली नाराज चल रहे थे। भाजपा ने उनकी नाराजगी दूर करते हुए उनके लोगों को टिकट दी। रमेश जरकिहोली के साथ-साथ उनके भाई बालचंद्र जरकिहोली को भी उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह बीएस येदियुरप्पा की नारंगी दूर करने के लिए उनके पुत्र बीवाई विजयेंद्र को उनकी पारंपरिक शिकारीपुरा विधान सभा सीट से उम्मीदवार बनाने के साथ ही येदियुरप्पा के ज्यादातर लोगों को टिकट दिया गया है। इसी तरह से भाजपा ने चर्चित बेल्लारी बंधुओं का भी पूरा ख्याल रखा है। तीन बेल्लारी बंधुओं में से एक जनार्दन रेड्डी ने अपनी अलग पार्टी बनाई है, इसके बावजूद उनके भाई जी सोमशेखर रेड्डी को बेल्लारी शहरी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा रेड्डी बंधुओं के सबसे घनिष्ठ बी श्रीरामुलु को बेल्लारी ग्रामीण से टिकट दिया गया है।

आरएसएस को मार्च निकालने की मिली अनुमति

एजेंसी। चेन्नई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को तमिलनाडु पुलिस ने राज्य में 16 अप्रैल को रूट मार्च निकालने की अनुमति दे दी है। मद्रास उच्च न्यायालय के इस संबंध में आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील को सर्वोच्च न्यायालय में मंगलवार को खारिज होने के बाद पुलिस ने यह अनुमति दी है। मद्रास उच्च न्यायालय ने 10 फरवरी को आरएसएस को यह कहते हुए मार्च निकालने की अनुमति दी थी कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए विरोध आवश्यक है। आरएसएस राज्य में 45 जगहों पर मार्च निकालेगा। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु पुलिस ने राज्य में दो अक्टूबर को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के बाद रूट मार्च करने के लिए आरएसएस को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने तब कहा था कि इस्लामवादी संगठन, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के परिसरों पर एनआईए के छापे और उस संगठन के कुछ कार्यकताओं की गिरफ्तारी के बाद राज्य में मार्च निकालने के लिए स्थिति अनुकूल नहीं थी।

कर्नाटक विस चुनाव प्रचार पीक के पहले कोरोना संक्रमण पीक पर पहुंच जाएगा?

ब्यूरो। नई दिल्ली

क्या दिल्ली व अन्य कई राज्यों में अगले दो सप्ताह में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ेंगे और कर्नाटक में विधानसभा चुनाव प्रचार पीक पर पहुंचने तक कोरोना संक्रमण भी पीक पर पहुंच जाएगा? सरकारी आंकड़े जो बताए जा रहे हैं उससे तो यही लगता है। एलएनजेपी अस्पताल के डॉक्टर व चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि दिल्ली में एक दो सप्ताह में कोविड के मामले पीक पर पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहाः हमने अस्पताल में मरीजों, खास तौर से बच्चों के लिए पूरे प्रबंध किये है, क्योंकि संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीके की एहतियाती खुराक (बूस्टर डोज) लेना चाहिए।

सुरेश कुमार ने कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित एक नवजात को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉ. कुमार ने कहाः बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है, ऐसे में हमें उनके लिए एहतियात बरतने की जरूरत है, क्योंकि उनमें बुखार, खांसी-सर्दी, आंखों में संक्रमण और पेट के संक्रमण जैसे लक्षण नजर आ रहे हैं। (कोरोना वायरस का) यह स्वरूप (एक्सबीबी.1.16) बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है। हमारे अस्पताल में 18 दिन के नवजात को भर्ती कराया गया है और वह कोरोना वायरस से संक्रमित है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में चार और बच्चे भर्ती हैं। स्कूलों और सार्वजनिक जगहों पर मास्क पहनना बचाव के लिए ठीक रहेगा। वरिष्ठ नागरिकों को भी मास्क लगाना चाहिए। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप एक्सबीबी.1.16 इस वृद्धि के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

नहीं रही मशहूर अभिनेत्री उत्तरा बावकर

मशहूर अभिनेत्री उत्तरा बावकर का निधन हो गया। वह 79 साल की थीं। वह लंबी बीमारी से जूझ रही थीं। उन्होंने अब तक कई मराठी और हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों में काम किया था। अभिनेत्री उत्तरा बावकर ने अब तक कई सीरियल्स में भी काम किया है। उत्तरा बावकर ने 1986 में सीरियल 'यात्रा' से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 1987 में रिलीज हुए सीरियल 'तमस' से चर्चा में आईं। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 'एक दिन अमांका', 'रुक्मावती की हवेली', 'द बर्निंग सीजन', 'सरदारी बेगम' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री शोक में है। उत्तरा बावकर ने सुमित्रा भावे की कई फिल्मों में काम किया। उनके पास मुद्रा और आवाज अभिनय पर कमान थी। वह कई वर्षों तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में पढ़ा रही थी।

अपकमिंग शो 'श्रवणी' में नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगी आरती सिंह

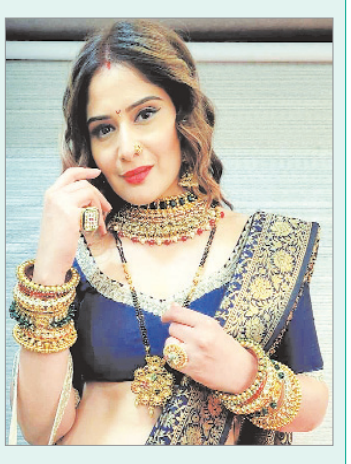

अभिनेत्री आरती सिंह अपकमिंग पारिवारिक ड्रामा शो 'श्रवणी' में जल्द ही एक नकारात्मक किरदार में अपनी नई पारी खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह शो न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन करेगा, बल्कि उनके दिलों को भी छू लेगा। अपने अभिनय प्रदर्शन से आरती सिंह ने लाखों लोगों का दिल जीता है, ऐसे में उन्हें पूरी तरह से एक अलग अवतार में देखना दर्शकों के लिए बहुत दिलचस्प होगा। आरती इस शो में चंद्रा चाची की नकारात्मक भूमिका निभाएंगी। यह शो दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव देने का वादा करता है। आरती सिंह के अब तक निभाए गए किरदारों को ध्यान रखते हुए दर्शक अनुमान लगा रहे हैं कि वह एक रूढ़िवादी मां या बहू का किरदार निभाएंगी। इस विचार को आरती सिंह ने कहाः मैं अपने प्रशंसकों और खुद को अपने अलग-अलग किरदारों से आश्चर्यचकित करना चाहती हूं। मैं खुद को सिर्फ एक तरह के किरदार निभाने तक सीमित नहीं रखना चाहती। इसलिए मैं एक नेगेटिव किरदार निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं, यह मेरे लिए एक नई चुनौती है और इसके लिए अपना सौ प्रतिशत अभिनय देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

संजय दत्त ने सेट पर चोट लगने की खबरों को खारिज किया

अभिनेता संजय दत्त ने दमदार अभिनय के दम पर अपनी इतनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने बॉलीवुड ही नहीं साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपना नाम बनाया है। संजय दत्त इन दिनों अपनी अपकमिंग कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' की शूटिंग कर रहे हैं। खबर आई थी कि इस शूट के दौरान संजय दत्त घायल हो गए हैं। लेकिन अब खुद संजय दत्त ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस खबर का खंडन किया है। संजय दत्त ने ट्वीट कर बताया कि वह ठीक हैं। उन्होंने कहाः ऐसी खबरें हैं कि मैं गंभीर रूप से घायल हूं। लेकिन ये खबरें निराधार हैं। मैं ठीक और स्वस्थ हूं। फिलहाल मैं 'केडी' की शूटिंग कर रहा हूं और सेट पर हर कोई मेरा ख्याल रख रहा है।

'शकुंतलम' के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस सामंथा की बिगड़ी तबीयत

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म शकुंतलम को लेकर सुर्खियों में हैं। सामंथा पिछले कुछ महीनों से मायोजिटिस नाम की ऑटोइम्यून बीमारी से जूझ रही हैं। कुछ दिनों पहले सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को अपनी बीमारी की जानकारी दी थी। अब शकुंतलम के प्रमोशन के दौरान सामंथा की तबीयत फिर से बिगड़ गई है। उन्हें बुखार है और उनकी आवाज चली गई है। सामंथा ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को इस बात की जानकारी दी है। सामंथा ने अपने ट्विटर पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है। मैं अपनी फिल्म का प्रचार करने और आपका प्यार पाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। दुर्भाग्य से व्यस्त कार्यक्रम और प्रमोशन ने मुझ पर अपना असर डाला है।

दुर्लभ ग्रहण | पृथ्वी पर होने जा रहे संकर सूर्यग्रहण का समझिये साइंस

पृथ्वी का गोल होना संकर सूर्यग्रहण का कारण

पृथ्वी अगर होती सपाट तो न होता हाईब्रिड सोलर इकलिप्स

नवीन मेल नेटवर्क। भोपाल

20 अप्रैल को दुर्लभ हाईब्रिड सूर्यग्रहण की घटना होने जा रही है। इस बारे में नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने विद्याविज्ञान के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि पश्चिम ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी गोलार्द्ध के समुद्री भागों में होने जा रहे इस ग्रहण को भारत में तो नहीं देखा जा सकेगा, लेकिन सदी में औसतन सिर्फ सात बार होने वाली इस घटना का साइंस समझने का यह अवसर है। सारिका ने बताया कि अगर

पृथ्वी गोलाकार न होकर सपाट चौकोर होती तो हाईब्रिड सोलर इकलिप्स की घटना पृथ्वी पर नहीं होती।

सारिका ने बताया कि गणितीय रूप से ग्रहण के समय सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी को चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी से भाग देने पर अगर 400 के लगभग आता है तो हाईब्रिड सोलर इकलिप्स होने की परिस्थितियां बनती हैं। सारिका ने बताया कि हमारी पृथ्वी गोलाकार है, इस कारण चंद्रमा की दूरी, लोकेशन बदलने पर बदलती रहती है। उन स्थानों पर जहां कि ग्रहण के दौरान चंद्रमा सिर के ठीक उपर होता है तो उसका अपेरेन्ट साइज बड़ा होता है। इस कारण यह सूर्य को पूरी तरह से ढ़ंक लेता है और पूर्ण सूर्यग्रहण दिखने लगता है।

उन स्थानों में जहां कि चंद्रमा क्षितिज के पास होता है वहां चंद्रमा का अपेरेंट साइज थोड़ा छोटा दिखता है और यह सूर्य को पूरी तरह नहीं ढ़ंक पाता है जिससे सूर्य का किनारा चमकता रहता है और बीच में चंद्रमा के कारण काला अंधेरा दिखता है। यह वलयाकार सूर्यग्रहण के रूप में दिखता है। अगर पृथ्वी चपटी सपाट होती तो चंद्रमा की दूरी एक समान रहती और कोई एक ही प्रकार का ग्रहण होता। इसलि चपटी नहीं, गोलाकार पृथ्वी पर होने जा रहे संकर सूर्यग्रहण का साइंस समझने की जरूरत है।

आपराधिक गिरोह पुलिस के रडार पर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस नक्सलियों के तीन कोर एरिया ध्वस्त करने के बाद अब राज्य में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोह को खत्म करने में जुट गयी है। राज्य में नक्सल के चार कोर एरिया हुआ करते थे। इनमें बुढ़ा पहाड़, पारसनाथ और ट्राई जंक्शन (खूंटी,सरायकेला और चाईबासा)और कोल्हान शामिल है। इनमें तीन को नक्सलियों से मुक्त करा लिया गया है। सिर्फ कोल्हान में नक्सलियों की मौजूदगी है। वहां भी लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। झारखंड में सक्रिय बड़े आपराधिक गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से पुलिस काम कर रही है। इस कड़ी में जो कुख्यात झारखंड के बाहर भी पनाह लिए हुए है उनके गिरफ्तारी के लिए भी स्पेशल टीम बना दी गयी है। स्पेशल टीम को आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) लीड कर रही है। एटीएस की टीम कई राज्यों में पैनी

नजर रख रही है। आईपीएस रैंक के अधिकारी स्पेशल टीम को लीड कर रहे हैं, जबकि पुलिस मुख्यालय से आईजी रैंक के अधिकारी स्पेशल टीम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में फिलहाल आठ से दस संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं। इनमें से अधिक्तर गिरोह के प्रमुख जेल में बंद हैं। कुछ फरार हैं जबकि कुछ के गैंगवार में मारे जाने के बाद भी उनके गिरोह को उनके परिवार के सदस्य या फिर उनके बेहद करीबी रहे गिरोह का संचालन कर रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से डॉन अखिलेश सिंह, सुजीत सिन्हा, अमन साव, अमन सिंह और अनिल शर्मा शामिल हैं। ये सभी राज्य के अलग अलग जेलों में बंद हैं। जबकि कुख्यात अपराधी भोला पांडेय और सुशील श्रीवास्तव दोनो ही गैंगवार में मारे गए हैं, लेकिन दोनों का गिरोह राज्य में बेहद सक्रिय हैं। इस समय भोला पांडेय गिरोह का विकास पांडेय संभाल रहा है। वहीं सुशील श्रीवास्तव गैंग को उसका बेटा अमन श्रीवास्तव संभाल रहा है। वहीं दूसरी ओर डब्लू सिंह को पलामू के आतंक के रूप में जाना जाता है। ये सभी गिरोह झारखंड

कुख्यात अपराधी झारखंड के बाहर भी पनाह लिए हुए है उनके गिरफ्तारी के लिए भी स्पेशल टीम बना दी गयी है

पुलिस के स्पेशल टीम के रडार पर हैं। दूसरा प्रमुख नाम गैंग्स ऑफ वासेपुर के प्रिंस खान है, प्रिंस खान फिलहाल दुबई में है और वहीं से अपने गिरोह को संचालित कर रहा है। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान सह प्रवक्ता एवी होमकर ने बताया कि संगठित आपराधिक गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया है। स्पेशल सेल राज्य के बाहर छिपे कुख्यात अपराधियों पर भी करवाई कर रहा है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एटीएस की सहयोग लिया जा रहा है। साथ ही सीआईडी भी इसपर काम कर रही है। स्पेशल टीम के इनपुट पर कई अपराधियों को पकड़ा गया है।

तालाब में डूबकर स्कूली छात्र की हुई मौत

रांची। हुटूबदाग बस्ती के खेत में नगर पंचायत की ओर से खोद गए नये तालाब में गुरुवार को स्कूली छात्र की डूबने से मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान खूंटी के टंगराटोली गांव में रहनेवाले मुनूरेन होरो के पुत्र सैम होरो (12) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि छात्र सैम होरो शहर के पिपराटोली स्थित एक निजी विद्यालय बीएम नेशनल स्कूल में कक्षा पांच का छात्र था। स्कूल से ही अपने तीन मित्रों के साथ वह स्कूल से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर उक्त तालाब को देखने गया था। उसके साथ स्कूल से तालाब गए उसके दोस्तों अभिषेक बोदरा, ओम साहू और ऋतिक बोदरा ने बताया कि तालाब में सैम होरो हाथ-पैर धोने लगा। इसी दौरान वह फिसलकर तालाब के गहरे पानी में चला गया। सैम को तालाब में डूबता देख उसके दोस्तों ने सहायता के लिए शोर मचाया। इस पर दूर खेत में काम कर रहे कुछ ग्रामीण वहां पहुंचे और तालाब के गहरे पानी में डूबे सैम को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

झारखंड के सात जिलों में पारा 40 के पार

रांची। झारखंड के सात जिलों में अधिकतम तापमान 40 तक पहुंच गया है। अभी गर्मी और बढ़ेगी, पारा और चढ़ेगा। कई जिलों में तापमान अभी और बढ़ने की संभावना है। धीरे-धीरे राज्य के कई हिस्सों में लू और गर्म हवाएं तेज होने लगी है। अब लोगों के लिए दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल होने लगेगा। कई जिलों में लू चलनी शुरू हो गयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल महीने में गर्मी बढ़ने के आसार हैं। रांची के तापमान में भी लगातार बढ़त दर्ज की जा रही है। अगले पांच दिनों में राज्य का तापमान 42.0 के पार जा सकता है। इसी तापमान में बढ़त होगी, लेकिन दस दिनों तक तापमान नीचे आने की संभावना जाहिर नहीं की गयी है। जाहिर है आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी। अभी राहत नहीं मिलेगी। हालांकि बीच में बादल घिर आने की आशंका है लेकिन बारिश की संभावना जाहिर नहीं की गयी है। मौसम विभाग के अनुसार अभी किसी भी तरह की राहत की संभावना नहीं है।

पृष्ठ एक के शेष

माओवादी बंद...

कार्यालय, विकास कार्य से जुड़े ठेकेदार सहित उनके कार्यस्थल, उनके उपकरण, वाहन, मुंशी, मजदूर आदि पर हमला कर हिंसक घटना कारित करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। खुफिया विभाग ने कहा है कि उग्रवाद प्रभावित जिलों में सिक्युरिटी ऑडिट कराते हुए विशेष सतर्कता और आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई करें। नक्सलवादी संगठन ने बीते बुधवार को बिहार के गया जिले के रौशनगंज थाना क्षेत्र बालसोत गांव स्थित बिजली के ट्रांसफर्मर पर बिहार-झारखंड रिजनल कमेटी (माओवादी) की ओर जारी किया गया। इलाके में हस्तलिखित पर्चा चिपकाया गया है।

71 हजार युवाओं को पीएम...

को, आपके परिजनों को बहुत-बहुत बधाई। विकसित भारत की संकल्प से सिद्धि के लिए हमारी सरकार युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। बैसाखी के इस शुभ दिन पर केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 70 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहाः आज जिन्हें नियुक्ति पत्र मिला है। उन्हें कुछ सुझाव अवश्य देना चाहता हूं। कुछ लोगों को रेलवे, कुछ लोगों को शिक्षा और कुछ लोगों को बैंक में सेवा देने का मौका मिला है। ये आपके लिए देश के विकास में योगददान का अवसर है। जब देश 2047 में आजादी के 100 साल मनाएगा। इस वक्त देश विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चल रहा है। यह आपके लिए सच्चे अर्थ में अमृतकाल है।

स्टार्टअप्स ने 40 लाख प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहाः एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्टअप्स ने 40 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। इसी प्रकार से ड्रोन सेक्टर भी है। वहीं, बीते 8-9 सालों में देश के स्पोर्ट्स सेक्टर का भी कायाकल्प हो गया है।

जमीन घोटाले में ईडी का...

सेना की जमीन व चेशायर होम रोड की जमीन की खरीद बिकी के लिए कोलकाता से कागजात बनाए गए थे।

क्या हुआ बरामद : ईडी की छापेमारी में बड़गाई अंचल के राजस्वकर्मी भानु प्रताप प्रसाद के यहां से स्टील के बक्सों व अलमीरा में भर कर रखे गए कागजात मिले हैं। आधा दर्जन से अधिक स्टील के बड़े बक्सों में जमीन के डीड, खतियान, रजिस्टर 1-2 समेत कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सरकारी दस्तावेजों को इतनी अधिक संख्या में आवास में क्यों रखा गया था, इसे लेकर भानु प्रताप प्रसाद कोई खास जवाब नहीं दे पाए। ईडी इस मामले में भानु प्रताप से पूछताछ कर रही है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, एक हजार से अधिक डीड बरामद किए गए हैं। यह डीड किनके नाम पर है, वहीं हिंदपीढ़ी में अजहर खान के यहां से छापेमारी के दौरान कोलकाता के रजिस्टार आफ एस्योरेंस, एडिशनल रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंस कोलकाता के स्टांप व पेपर मिले हैं। ईडी यह पड़ताल कर रही है कि कोलकाता के स्टांप व पेपर का क्या इस्तेमाल किया जाना था।

किस किस के ठिकानें पर...

- राजेश राय, खजूरी, सासामुसा बनतेल, कुचाईकोट, गोपालगंज।
- भारत प्रसाद, 264 मेरू पुंडरी, बीएसएफ मेरू, बड़कागांव, हजारीबाग।
- लखन सिंह, फर्स्ट लेन, कुलिया टंगरा, कोलकाता।
- अफसर अली, नीयर राहत नर्सिंग होम, बरियातू।
- इम्जियाज अहमद, मणिटोला, हिनू।
- फैयाज खान, मिल्लल कॉलोनी, बरियातू।
- सुजीत कुमार, अमीन, रोड नंबर सात, हिल व्यू एरिया, बरियातू।
- तबरेज अख्तर, अफजल रेसीडेंसी, सी ब्लॉक, पहला तल्ला, ए 02 चौहान कॉलोनी, रानीबगान।
- अजहर खान, हाउस नंबर 28, सेकेंड स्ट्रीट हिंदपीढ़ी।
- मो. सद्दाम हुसैन, प्लाट नंबर 40 जेड, फर्स्ट मार्क स्कूल रोड बरियातू।
- प्रदीप बागची, उदयांचल टावर, तीसरा तल्ला, टीपी रोड, उषाग्राम, आसनसोल।

ग्रामीणों को उत्सादों का उचित मूल्य...

करें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लि. रांची के निदेशक पर्षद की द्वितीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लि० के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य के 12 जिलों में लाह प्रसंस्करण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही राज्य में मेडिसिन प्लांट जैसे चिरईता, जामुन, अश्वगंधा, आंवला इत्यादि को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रथम फेज में रांची, गुमला तथा दुमका जिला में वनोत्पाद तथा कृषि उपज हब का निर्माण किया जा रहा है, इसके अंतर्गत संग्रहण तथा प्रोसेसिंग की कार्रवाई की जाएगी।

लैम्प्स/पैक्स के लेवल पर लोगों का किया जा रहा क्षमतावर्द्धन : बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि लैम्प्स/पैक्स के लेवल पर ग्रामीण लोगों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस वर्ष के अंत तक राज्य में 30 हजार लोगों का क्षमतावर्द्धन किए जाने का लक्ष्य है जिसे पूरा कर लिया जाएगा। राज्य के ए ग्रेड वाले लैम्प्स/पैक्स की संख्या को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लि. निरंतर जिला संघ के साथ बैठक आयोजित कर कार्यों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन भी किया जा रहा है साथ ही साथ सर्वे का कार्य भी प्रारंभ है। बैठक में सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लि० के चयनित छडऋड की स्वीकृति भी दी गई। बैठक में कृषि मंत्री बादल, अपर मुख्य सचिव एल. ख्यांग्ते, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना डाडेल, वित्त विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन, सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लि. के सीईओ संजीव कुमार, सचिव जयप्रकाश शर्मा तथा झास्कोलैम्प, झामकोफेड एवं वेजफेड तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की जीआरडीए की...

सके। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह, वित्त सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव-सह-जीआरडीए निदेशक विनय कुमार चौबे, भवन निर्माण सचिव सुनील कुमार, जीएम जीआरडीए बीएन वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर जीआरडीए एसके सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

24 घंटे में कोरोना मरीज बढ़े

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कोरोना का डर अभी भी लोगों को सता रहा है। ऐसा लगता है कि कोराना अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है वह धीरे-धीरे फिर बढ़ने लगा है। अखबारों और टीवी चैनलों से पता चलता है कि कोरोना जिस तरह से देश में फिर सर उठाने लगा है इससे यह साबित होता है कि यह फिर खतरना रूप ले सकता है। लोगों को अब अपने आपको एलर्ट होने की जरूरत है। मास्क वगैर फिर लगानी चाहिए ताकि लोग सुरक्षित रह सके। कोराना में जरा सी लापरवाही जान पर भारी पड़ सकती है। अभी दूसरी और तीसरी लहर का मामला लोग देखते चुकें हैं, कितनों ने अपने परिवार और दोस्तों को खो दिया है जो बहुत दुख की बात कही जा सकती है। लोग एक-दूसरे को भागने लगे थे। शवों को जलाने वाला नहीं मिल रहा था। अपने लोग उसे घर ले जाना नहीं चाहते थे। यह बड़ी आफत थी जो झेलकर चुके हैं। झारखंड में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 24 नए मरीज सामने आए हैं। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 124 हो गई है। दो मरीज स्वस्थ भी हुए हैं। आंकड़ों में मरीजों के ठीक होने की तुलना में संक्रमितों की तुलना हर रोज बढ़ रही है। राज्य में 197 दिनों बाद ऐसा हुआ है, जब एक्टिव मरीजों की संख्या सौ के आंकड़े को पार कर रही है। 27 सितम्बर को राज्य में सौ से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज थे। फिलहाल, रांची समेत राज्य के 14 जिले कोरोना की चपेट में हैं। रांची में पॉजीटिविटी दर 0.08 फीसदी है। रांची में 10 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इन 10 के साथ सिर्फ रांची में कोरोना संक्रमितों की संख्या अब 48 पहुंच गयी है। झारखंड में संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि 27 मार्च को विभिन्न जगहों से एकत्रित 12 सैंपल टेस्ट के लिए भेजे गए हैं। रिम्स में 43 और सैंपल जमा हैं, जैसे ही और सैंपल पहुंचेंगे, इनका जीनोम सीक्वेंसिंग कराया जाएगा। राज्य में बढ़ते संक्रमण ने स्वास्थ्य विभाग को एक बार फिर अलर्ट मोड पर ला दिया है। राज्य में आपात स्थिति से निपटने के लिए क्या व्यवस्था है, इसे लेकर विभाग अलर्ट है। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की अध्यक्षता में हुई गत दिनों राज्य के सभी सीएस और डीसी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई थी। इस दौरान एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर कोविड टेस्ट करने का निर्देश दिया गया था। ऐसे आठ राज्यों का चयन किया गया है, जहां से आने वाले मरीजों के लिए टेस्ट अनिवार्य होगा।

जिलों में मरीजों की संख्या

चतरा- 01, देवघर-13, दुमका-02, पूर्वी सिंहभूम-15, गढ़वा- 01, गुमला- 01, हजारीबाग- 03, खूंटी- 01, कोडरमा-05, लातेहार -03, लोहरदगा-12, रामगढ़- 02, रांची-48, प. सिंहभूम- 02 मिले हैं।

न्यायालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी,लातेहार

राजसात वाद संख्या–29 / 2023
नोटिस
बनाम्
संजय कुमार साहु, पे0–बालदेव साहु,
सा0–आनन्दमयी नगर, काठीटांड़, रातू, जिला–रांची।:– प्रतिपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रैक्टर रजि0 नं0–JH01CJ-7129 को राजसात हेतु वाद दायर किया गया है। उक्त वाद की सुनवाई दिनांक 11.04.2023 को की गयी जिसमें आप अनुपस्थित पाये गये।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.04.2023 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा,लातेहार

PR 295037 District(23-24).D

न्यायालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

राजसात वाद संख्या–35 / 2023
नोटिस बनाम्
MAA PHULESHRA BHAWANI GOODS CARRIER Add- H. NO.- GH/21 GAYATRI NAGAR, SEC-2 DHURWA, RANCHI-834004:– प्रतिपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रक रजि0 नं0–JH01CY-5897 को राजसात हेतु वाद दायर किया गया है। उक्त वाद की सुनवाई दिनांक 11.04.2023 को की गयी जिसमें आप अनुपस्थित पाये गये।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.04.2023 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR295047 (District)23-24*D

न्यायालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

राजसात वाद संख्या–34 / 2023
नोटिस
बनाम्
घनश्याम प्रसाद, पिता–अयोध्या प्रसाद,
सा0–जालिम खुर्द, थाना+जिला–लातेहार। :– प्रतिपक्षी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला खनन पदाधिकारी, लातेहार द्वारा उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में ट्रैक्टर रजि0 नं0–JH03L-3253 को राजसात हेतु वाद दायर किया गया है। उक्त वाद की सुनवाई दिनांक 11.04.2023 को की गयी जिसमें आप अनुपस्थित पाये गये।

अतएव अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.04.2023 को निश्चित रूप से स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, लातेहार के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को अनुपस्थित रहने पर यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा अभिलेख में उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर एक पक्षीय आदेश पारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से नोटिस निर्गत किया गया।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 295041 District (23-24)_D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना।
ई– संख्या– DOPR/CEO/ZP/Palamu 01/2023-24

1	विज्ञापन दाता का नाम	:–	उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू।
2	Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	दिनांक 15.04.2023
3	ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि	:–	दिनांक 27.04.2023 (अपराह्न 5:00 बजे तक)
4	परिमाण विपत्र का मूल्य (जो लौटाया नहीं जायेगा), अग्रधन की राशि शपथ पत्र की मूल प्रति एवं अपलोड किये गये दस्तावेज की स्वअभिप्रमाणित प्रति जमा करने की तिथि/स्थान।	:–	दिनांक 28.04.2023 (अपराह्न 2:00 बजे तक) जिला परिषद कार्यालय, पलामू।
5	निविदा खोलने की तिथि	:–	दिनांक 29.04.2023
6	निविदा खोलने का स्थान	:–	नये समाहरणालय (BLOCK-C) स्थित डी0आर0डी0ए0, सभाकक्ष
7	कार्य की विस्तृत विवरणी	:–	

क्र0	प्रखण्ड	पंचायत	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	एन0आई0टी0 रेफरेंस सं0
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	हुसैनाबाद	उपरी कला	पंचायत भवन उपरी कला के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820700.00	36500.00	5000.00	6 माह	01/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
2	हुसैनाबाद	देवरीकला	पंचायत भवन देवरी कला के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1812000.00	36500.00	5000.00	6 माह	02/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
3	हुसैनाबाद	लोटनिया	पंचायत भवन लोटनिया के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820400.00	36500.00	5000.00	6 माह	03/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
4	हुसैनाबाद	बड़ेपुर	पंचायत भवन बड़ेपुर के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1813800.00	36500.00	5000.00	6 माह	04/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
5	सतबरवा	बारी	पंचायत भवन बारी के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1812000.00	36500.00	5000.00	6 माह	05/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
6	नावाबाजार	रजहारा	पंचायत भवन रजहारा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1803100.00	36500.00	5000.00	6 माह	06/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
7	नावाबाजार	कंडा	पंचायत भवन कंडा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1818300.00	36500.00	5000.00	6 माह	07/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
8	मोहम्मदगंज	रामबांध	पंचायत भवन रामबांध के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820700.00	36500.00	5000.00	6 माह	08/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
9	मोहम्मदगंज	भजनिया	पंचायत भवन भजनिया के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1818300.00	36500.00	5000.00	6 माह	09/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
10	हैदरनगर	इमामनगर बरेवा	पंचायत भवन इमामनगर बरेवा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1824000.00	36500.00	5000.00	6 माह	10/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
11	हैदरनगर	सड़ेया	पंचायत भवन सड़ेया के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1822200.00	36500.00	5000.00	6 माह	11/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
12	चैनपुर	महुगांवा	पंचायत भवन महुगांवा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1818300.00	36500.00	5000.00	6 माह	12/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
13	चैनपुर	नरसिंहपुर पथरा	पंचायत भवन नरसिंहपुर पथरा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1818300.00	36500.00	5000.00	6 माह	13/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
14	चैनपुर	पूर्वडीहा	पंचायत भवन पूर्वडीहा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1812000.00	36500.00	5000.00	6 माह	14/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
15	चैनपुर	तलैया बभंडी	पंचायत भवन तलैया बभंडी के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820400.00	36500.00	5000.00	6 माह	15/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
16	चैनपुर	सलतुआ	पंचायत भवन सलतुआ के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820400.00	36500.00	5000.00	6 माह	16/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
17	चैनपुर	नेउरा	पंचायत भवन नेउरा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820400.00	36500.00	5000.00	6 माह	17/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
18	चैनपुर	हुटार	पंचायत भवन हुटार के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1826000.00	37000.00	5000.00	6 माह	18/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
19	चैनपुर	करसो	पंचायत भवन करसो के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1824000.00	36500.00	5000.00	6 माह	19/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
20	चैनपुर	बुढ़ीबीर	पंचायत भवन बुढ़ीबीर के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1822200.00	36500.00	5000.00	6 माह	20/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
21	चैनपुर	ओरनार	पंचायत भवन ओरनार के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820700.00	36500.00	5000.00	6 माह	21/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
22	चैनपुर	सेमरा	पंचायत भवन सेमरा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1826000.00	37000.00	5000.00	6 माह	22/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
23	मेदिनीनगर	झाबर	पंचायत भवन झाबर के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1822200.00	36500.00	5000.00	6 माह	23/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
24	मेदिनीनगर	जोंड	पंचायत भवन जोंड़ के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1813800.00	36500.00	5000.00	6 माह	24/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
25	पाटन	सगुना	पंचायत भवन सगुना के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820700.00	36500.00	5000.00	6 माह	25/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
26	पाटन	पाल्हेकला	पंचायत भवन पाल्हे कला के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1822200.00	36500.00	5000.00	6 माह	26/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
27	पाटन	रुदीडीह	पंचायत भवन रुदीडीह के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1824000.00	36500.00	5000.00	6 माह	27/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
28	पड़वा	पड़वा	पंचायत भवन पड़वा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1812000.00	36500.00	5000.00	6 माह	28/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
29	पड़वा	कजरी	पंचायत भवन कजरी के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1813800.00	36500.00	5000.00	6 माह	29/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
30	पड़वा	मझिगांव	पंचायत भवन मझिगांव के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1824000.00	36500.00	5000.00	6 माह	30/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
31	पाण्डू	मुसीखाप	पंचायत भवन मुसीखाप के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1826000.00	37000.00	5000.00	6 माह	31/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
32	विश्रामपुर	केतातकला	पंचायत भवन केतातकला के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1812000.00	36500.00	5000.00	6 माह	32/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
33	विश्रामपुर	भण्डार	पंचायत भवन भण्डार के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1813800.00	36500.00	5000.00	6 माह	33/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
34	विश्रामपुर	गुरी	पंचायत भवन गुरी के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1820400.00	36500.00	5000.00	6 माह	34/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
35	विश्रामपुर	सिगसिगी	पंचायत भवन सिगसिगी के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1803100.00	36500.00	5000.00	6 माह	35/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
36	विश्रामपुर	तोलरा	पंचायत भवन तोलरा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1818300.00	36500.00	5000.00	6 माह	36/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
37	छतरपुर	मड़वा	पंचायत भवन मड़वा के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1813800.00	36500.00	5000.00	6 माह	37/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
38	छतरपुर	कवल	पंचायत भवन कवल के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1822200.00	36500.00	5000.00	6 माह	38/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
39	छतरपुर	कउवल	पंचायत भवन कउवल के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1826000.00	37000.00	5000.00	6 माह	39/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
40	नौडीहा बाजार	सरईडीह	पंचायत भवन सरईडीह के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1824000.00	36500.00	5000.00	6 माह	40/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU
41	नावाबाजार	बसना	पंचायत भवन बसना के प्रथम तल का निर्माण कार्य।	1826000.00	37000.00	5000.00	6 माह	41/2022-23 DOPR/CEO/ZP/ PALAMU

नोट–
1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगा।
3. जिला परिषद, पलामू में तृतीय अथवा उससे उच्चतर श्रेणी में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि किसी भी सरकारी बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से (जो सचिव, जिला परिषद पलामू के पदनाम से होगा जो डालटनगंज मे भुगतेय होगा) जमा करना अनिवार्य होगा।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते www.palamu.nic.in एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए Website- www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR.NO.295112 District(23-24):D

नीरज चोपड़ा दोहा में डायमंड लीग खिताब का बचाव करने उतरेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

मौजूदा ओलम्पिक चैंपियन और विश्व रजत विजेता नीरज चोपड़ा पांच मई को दोहा मीट में अपने डायमंड लीग खिताब का बचाव करने उतरेंगे। चोट के कारण चोपड़ा 2022 दोहा मीट में नहीं उतरे थे जहाँ ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन पीटर्स ने इतिहास में पांचवीं सबसे लम्बी थ्रो 93.07 मीटर फेंकी थी।

मौजूदा भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी ने पिछले वर्ष स्टॉकहोम में 89.94 मीटर की थ्रो के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ में दो मीटर का सुधार किया था और 2022 वांडा डायमंड लीग चैंपियन बने थे। वह यह प्रतिष्ठित इवेंट जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे।

दोहा में नीरज के साथ भाला फेंक स्पर्धा के खिताब के दावेदारों में विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा) और टोक्यो 2021 के रजत विजेता जाकोब वडलेच (चेक गणराज्य) भी रहेंगे।

इन तीन स्टार एथलीटों के साथ यूरोपियन चैंपियन जर्मनी के जूलियन वेबर, पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद एन्ड टोबेगो के केशोर्न वालकोट और रियो ओलम्पिक के रजत विजेता केन्या के जूलियस येगो भी रहेंगे।

चोपड़ा के लिए टोक्यो 2020 की कामयाबी के बाद पिछला वर्ष काफी सफल रहा था। उन्होंने ओरेगॉन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और फिर डायमंड लीग खिताब जीता था।

एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह बनाने पर है ध्यान : सिमरनजीत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के आक्रामक मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह ने अगस्त 2021 में टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी के खिलाफ दो गोल कर भारतीय टीम को 5-4 से मिली जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सबसे बड़े मंच पर अपनी ताकत साबित की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने 41 साल बाद पुरुष हॉकी में ओलिंपिक खेलों में कोई पदक जीता। हालांकि इसके बाद सिमरनजीत के लिए जीवन पहले जैसा नहीं था क्योंकि उन्हें कई चोटें लगी और वह जकार्ता में हीरो एशिया कप और एफआईएच ओडिशा हॉकी मेन्स वर्ल्ड कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला सहित कुछ प्रमुख टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले सके। हालांकि वह एशिया कप में टीम का हिस्सा थे लेकिन चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच खेलने के बाद बीच में ही स्वदेश लौट आए।

हालांकि, 26 वर्षीय सिमरनजीत ने अपनी वापसी की दिशा में अपना पहला कदम उठा लिया है क्योंकि उन्हें हॉकी इंडिया नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 39-सदस्यीय भारतीय पुरुष कोर ग्रुप में नामित किया गया था, जो 1 अप्रैल को साई बेंगलुरु में शुरू हुआ था।

टीम की यूरोप यात्रा से पहले 21 मई को शिविर का समापन होगा, जहां वे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-2023 के शेष सत्र में बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड और अर्जेंटीना से भिड़ेंगे।

सिमरनजीत ने कहा, काफी समय तक चोटों से जूझने के बाद नेशनल कोचिंग कैंप में वापसी कर मैं बहुत खुश हूं।

सिमरनजीत ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने मुश्किल दौर से निकलने और वापसी करने के लिए ब्राजील के ऐस नेमार जूनियर से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, खेल में खिलाड़ियों को किसी भी समय चोट लग सकती है लेकिन यह उन पर निर्भर करता है कि वे इससे कैसे निपटते हैं और वापसी करते हैं। मेरे लिए, नेमार ने एक प्रेरणा के रूप में काम किया क्योंकि कई बार चोटिल होने के बावजूद, ब्राजील के फुटबॉलर ने हमेशा मजबूत वापसी की है। इसी तरह, मैंने भी पूरी फिटनेस हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया, वापसी करने के लिए सभी जरूरी चीजें कीं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने कभी हार नहीं मानी।

NEWS इन ब्रीफ

यूईएफए को यूरो 2028-2032 के लिए तीन बोलियां मिलीं

जेनेवा। यूईएफए ने घोषणा की कि उसे 2028 और 2032 यूरोपीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए ब्रिटेन, तुर्की और इटली से तीन बोलियां प्राप्त हुई हैं। यूईएफए ने बुधवार को कहा, इनमें ब्रिटेन और आयरलैंड की संयुक्त बोली शामिल है, जिसका प्रतिनिधित्व इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के फुटबॉल संघ यूरो 2028 के लिए बोली लगाने के लिए करते हैं। उधर तुर्की यूरो 2028 या 2032 के लिए बोली लगाना चाहता है। सिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इतालवी फुटबॉल महासंघ ने यूरो 2032 के लिए डोजियर जमा कर दिया है।

गुजरात की शानदार गेंदबाजी पर पंजाब ने बनाए 153 रन

एजेंसी। पंजाब

आईपीएल 2023 का 18वां मैच पंजाब किंग्स और गुजरात टाइट्स के बीच मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पंजाब को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया है। पंजाब ने पहले बल्लेबाज करते हुए 154 रनों का लक्ष्य रखा है। पंजाब की ओर से ओपनिंग करने आए प्रभसिमरन सिंह बिना खाता खोले ही प्वेलियन लौट गए, जबकि कप्तान शिखर धवन 8 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को रफ्तार दी,लेकिन वह भी 36 रन बनाकर चलते बने। भानुका राजपक्षे ने 20 और जितेश शर्मा ने 25 रनों का योगदान दिया। अंत में जितेश शर्मा और सैम करन ने पारी को संभाला, लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए। जितेश ने 25 और करन 22 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद शाहरुख खान ने 9 गेंदों में 22 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं आखिर में हरप्रीत बराड़ ने नाबाद 8 रन बनाए, जबकि ऋषि धवन 1 रन बनाकर चलते बने। गुजरात की ओर से मोहित शर्मा ने सर्वश्रेष्ठ 2 विकेट चटकाए, जबकि अन्य चार गेंदबाजों ने 1-1 विकेट हासिल की।

यौन उत्पीड़न मामला: नहीं मिले हैं सुबूत

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ नहीं हो सका आरोप साबित

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के शीर्ष पहलवानों द्वारा शोषण के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। सूत्रों ने यह संकेत दिए हैं। एक अभूतपूर्व कदम में विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे शीर्ष पहलवानों ने जनवरी में दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था और डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर यौन शोषण और डराने-धमकाने के आरोप लगाए थे। पहलवानों ने मांग की थी कि डब्ल्यूएफआई को भंग कर दिया जाए और अध्यक्ष को हटा दिया जाए। खेल मंत्रालय ने 23 जनवरी को महान मुक्केबाज एमसी मेरीकोम की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया था और उसे एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था। बाद में समय सीमा दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई और प्रदर्शनकारी पहलवानों के आग्रह पर बबीता फोगाट को जांच पैनल में छठे सदस्य के रूप में शामिल किया गया। समिति ने अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी लेकिन मंत्रालय ने अभी तक इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि कई सूत्रों ने पुष्टि की कि पहलवान कई सुनवाई के बाद डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को साबित नहीं कर सके।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

सी. पी. राधाकृष्णन
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

संदेश

यह अपार प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड अग्निशमन सेवा के द्वारा राज्य की जनता को आग की विभीषिका के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 14 से 20 अप्रैल, 2023 तक "अग्निशमन सेवा सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष का विषय-वस्तु (Theme) "Awareness in Fire Safety for Growth of National Infrastructure (AGNI)" अर्थात "राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरूकता" रखा गया है।

अग्निकांड एक भयावह प्राकृतिक आपदा है, जिससे जान-माल की अपूरणीय क्षति होती है एवं इसका प्रतिकूल प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आशा है कि अग्निशमन विभाग के इस कार्यक्रम के तहत अग्निकांड के निरोधात्मक उपायों के प्रचार-प्रसार से आम जनता लाभान्वित होगी।

मैं जन सेवा में अपने प्राणों की आहुति देनेवाले अग्निशमन सेवा के बहादुर पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। साथ ही सेवारत पदाधिकारियों एवं कर्मियों के मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

जोहार!

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2023 तक पूरे राज्य में "अग्निशमन सेवा सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है। वास्तव में यह सप्ताह अग्निशमन के दौरान शहीद होने वाले वीर अग्निशमन कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा आम जनता को आग के खतरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

मेरी आम जनता से अपील है कि आग की विभीषिका के प्रति वे सजग और सतर्क रहें। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अग्निशमन सेवा सप्ताह का विषय-वस्तु (Theme) "Awareness in Fire Safety for Growth of National Infrastructure (AGNI)" "राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरूकता" रखा गया है।

मैं अग्निशमन की महती सेवा में शहीद हुए सभी कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा अग्निशमन सेवा के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्निकाण्डों की चुनौतियों से तत्परतापूर्वक निपटने के लिए आह्वान करता हूँ।

जोहार!

PR No. 295105 (Jharkhand Fire Service) 2023-24

झारखण्ड अग्निशमन सेवा, झारखण्ड सरकार